फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 315 प्रभात जयपुर, गुरूवार 18 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Game Is The Science Essentially!

What makes Sooryavanshi particularly intriguing is that the qualities identified by Dr. Niaz are not superficial. They are rooted in the fundamental mechanics of athletic performance

The Beautiful Game

"Royal Heart" Came to Life

तृणमूल और शिव सेना के बाद अब सपा के विघटन की तैयारी है

महिला आरक्षण बिल पारित नहीं होने जैसी शर्मिंदगी भविष्य में नहीं हो, इसके लिए एनडीए ने कमर कस ली है

- सूत्रों का कहना है कि लोकसभा में कुल 543 सदस्यों में दो तिहाई बहुमत के लिए 362 सदस्यों की जरुरत है और एनडीए के पास 50 कम, यानि 312 सदस्य हैं, वो भी तृणमूल व शिव सेना के बागी सांसदों का समर्थन मिलने के बाद। राज्यसभा में भी दो तिहाई बहुमत में 9 की कमी है। चर्चा है कि इस कमी को पूरा करने के लिए यूपी में सपा को तोड़ने की तैयारी है।
- यूपी में भाजपा की सहयोगी पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर ने साफ कहा कि सपा का विघटन होगा, 100 प्रतिशत होगा। उन्होंने रामगोपाल यादव का नाम लेकर कहा कि उनके पास उन सांसदों की लिस्ट है, जो एनडीए में आना चाहते हैं।
- पता चला है कि 19 जून, शिव सेना के स्थापना दिवस पर शिव सेना के बागी सांसदों का गुट औपचारिक रूप से शिंदे गुट में शामिल हो सकता है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। तृणमूल कांग्रेस में विभाजन के बाद, आज शिवसेना उद्धव बाल ठाकरे (यूबीटी) के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर संसद में एक अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग की। बागी सांसदों ने शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट में विलय की मांग की है।

भाजपा का आधिकारिक रुख यह है कि ये क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक कमजोरियों और विरोधाभासों के कारण टूट रहे हैं। लेकिन राजनीतिक हलकों में बड़े पैमाने पर ऐसी अटकलें हैं कि संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के उद्देश्य से भाजपा क्षेत्रीय दलों के विघटनों को प्रोत्साहित कर रही है। परिसीमन विधेयक की हार से पैदा हुई राजनीतिक असहजता के बाद, ऐसी चर्चाएँ हैं कि भाजपा संसद में आवश्यक संख्या जुटाने की रणनीति पर काम कर रही है। लेकिन तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बागी समूहों का समर्थन मिलने के बाद भी, एनडीए को संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाएगा। लोकसभा की कुल 543 सदस्यीय संख्या में, तृणमूल और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों का समर्थन मिलने के बाद एनडीए के पास 312 सदस्य होंगे, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 362 सदस्यों की आवश्यकता है। इस प्रकार, एनडीए के पास दो तिहाई बहुमत के आँकड़े से करीब 50 सीटें कम रहेंगी।

राज्यसभा की 245 सदस्यीय संख्या (तीन इस्तीफों के बाद घटकर 243) में एनडीए के पास 154 सांसद हैं, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 163 सांसदों की आवश्यकता है। यानी, उसके पास दो -तिहाई बहुमत के आँकड़े से 9 सांसद कम हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या अब समाजवादी पार्टी को भी विभाजित करने की कोशिश की जाएगी?

पिछले कुछ सप्ताहों की इन अभूतपूर्व राजनीतिक घटनाओं ने एकात्मक राज्य व्यवस्था और एक-दलीय शासन (भाजपा का शासन) के उदय जैसी स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि देश की राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका समाप्त करने के लिए सत्तारूढ़ पक्ष हर तरह की रणनीति अपना रहा है। शिवसेना के वफादार नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि बागी सांसदों को आर्थिक प्रलोभन दिए गए हैं और उन्हें 15 करोड़ से 50 करोड़ रुपये तक के प्रस्ताव मिले हैं। शिवसेना (यूबीटी) के वफादार नेताओं, संजय राउत, अरविंद सावंत और अनिल देसाई, ने आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भेंट की और उनसे आग्रह किया कि मूल पार्टी का पक्ष सुने बिना किसी अलग हुए समूह को मान्यता न दी जाए। शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों में संजय जाधव, ओमराजे निम्बालकर, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टीकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और संजय दीना पाटिल शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ये सांसद, जिनमें से कुछ चार्टर्ड विमान से आए, दिल्ली पहुँच चुके हैं। शिंदे गुट के साथ औपचारिक विलय 19 जून, जो शिवसेना का स्थापना दिवस है, को होने की संभावना है। इसी बीच, राजनीतिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेस लगा रहे ट्रैक्टर ई रिक्शा से भिड़े, 6 महिलाओं की मौत

बदायूं, 17 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर को हाइवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ई रिक्शा सवार छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी ने पूरे

- दोनों ट्रैक्टर चालक पकड़े गए।

मामले की जांच के आदेश दिए है। ट्रैक्टर चालकों को पकड़ लिया गया है।

जिलाधिकारी राय ने बताया कि पुलिस की जांच में ये पता चला है कि कछला और उझानी के बीच फूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेस लगा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया।

ग्रामीणों के अनुसार, मोहल्ला मुरावन नगला निवासी तथा हादसे में घायल हुये डाल सिंह के बेटे कुंवर पाल की शादी 29 जून को होनी है। परिवार की महिलाएं शादी की रस्म के लिए भात मांगने पड़ोस के गठोना गांव जा रहीं थीं।

अब क्या करेंगी, ममता बनर्जी?

राजनैतिक गलियारों में चर्चा है कि ममता बनर्जी के सामने तीन विकल्प हैं, जिनमें से वे कोई एक चुन सकती हैं

- पहला यह कि वे पार्टी के किसी लोकसभा सांसद से इस्तीफा दिलवाकर लोकसभा चुनाव लड़ें और संसद जाएं, लेकिन अब बंगाल में चुनाव जीतना आसान नहीं है।
- दूसरा विकल्प है, राज्यसभा का, लेकिन पार्टी के पास मात्र 80 विधायक हैं। इनके बल पर राज्यसभा चुनाव जीतने के लिए उन्हें अपने 5 सदस्यों से इस्तीफा दिलवाना होगा, पर इसमें खतरा यह है कि शेष चार सीटें भाजपा को मिलेंगी।
- तीसरा व अंतिम विकल्प है कि फिर से जनता के बीच जाएं और तृणमूल कांग्रेस को पुनर्जीवित करें।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। अभी से ये अटकलें शुरु हो गई हैं कि एन.डी.ए. सरकार का मुकाबला करने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ममता बनर्जी को संसद भेज सकती है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल से राज्यसभा में 16 सांसद चुने जाते हैं। जिन पाँच राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल पूरा हुआ था, उनके लिए चुनाव इस वर्ष पहले ही हो चुके हैं। इसलिए यदि ममता बनर्जी राज्यसभा में जाना चाहती हैं, तो उन्हें 16 में से कम से कम पाँच सांसदों से इस्तीफा दिलवाना होगा।

वर्तमान स्थिति में राज्यसभा उपचुनाव जीतने के लिए 148 वोटों की आवश्यकता है, जबकि टीएमसी के पास केवल 80 विधायक हैं। इसलिए 80 विधायकों के बल पर राज्यसभा उपचुनाव जीतने के लिए कम से कम पाँच टीएमसी राज्यसभा सांसदों को इस्तीफा देना होगा, जिससे आवश्यक मतों का कोटा घटकर लगभग 50 रह जाएगा। इस स्थिति में टीएमसी एक सीट तो जीत सकती है, लेकिन सबसे अधिक लाभ भाजपा को होगा, क्योंकि वह शेष चार सीटें जीत सकती है। इसलिए यह संभावना कम दिखाई देती है कि ममता बनर्जी राज्यसभा जाएँगी।

ममता बनर्जी के लिए संसद में प्रवेश करने का सबसे आसान रास्ता लोकसभा है। पश्चिम बंगाल से टीएमसी के 29 लोकसभा सांसद हैं। यदि पार्टी के किसी मजबूत क्षेत्र से चुना गया कोई टीएमसी सांसद इस्तीफा देता है, तो ममता बनर्जी उस सीट से चुनाव लड़ सकती हैं और जीत की उम्मीद कर सकती हैं तथा इस प्रकार वे लोकसभा में पहुँच सकती है। लेकिन पश्चिम बंगाल की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए, वह चुनाव टीएमसी के लिए आसान नहीं होगा।

ममता बनर्जी के सामने तीसरा विकल्प यह है कि वे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को फिर से मजबूत करें और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर यह समझने की कोशिश करें कि किन कारणों से मतदाता टीएमसी से दूर हुए।

बंगाल में लगभग 40 प्रतिशत मतों के साथ ममता बनर्जी अब भी एक लोकप्रिय चेहरा हैं, लेकिन कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद, पार्टी की जमीनी पकड़ कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। वे इस अवसर का उपयोग करके मतदाताओं के साथ पार्टी के जमीनी संबंधों को फिर से मजबूत कर सकती हैं।

निर्धारित समय पर ही होंगे, विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग के सूत्रों ने 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव निर्धारित समय से पहले कराने की संभावना को खारिज किया

- सूत्रों ने स्पष्ट किया कि चुनाव समय पर ही होंगे। जनगणना का दूसरा चरण अवश्य समय से पहले कर लिया जाएगा।
- सूत्रों ने यह भी कहा कि 14 जनवरी से हरिद्वार में कुंभ मेला हो रहा है, इसलिए उत्तराखंड के चुनाव सबसे अंत में होंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष फरवरी में तय कार्यक्रम के अनुसार ही कराए जाएंगे।

जनगणना और कुंभ के कारण चुनाव निर्धारित समय से पहले कराये जाने की खबरों को स्पष्ट करते हुए सूत्रों ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

कुछ राजनीतिक दलों ने कहा था कि जनगणना के दूसरे चरण के कारण विधानसभा चुनाव जल्दी कराए जा सकते हैं। उनका तर्क था कि सरकारी कर्मचारी जनगणना कार्य में व्यस्त रहेंगे, जिससे चुनाव कराना कठिन हो जाएगा। जनगणना कार्य में लगे सरकारी अधिकारियों को अक्सर चुनावी ड्यूटी भी दी जाती है।

लेकिन सूत्रों ने स्पष्ट किया कि चुनाव समय पर ही होंगे। इसके बजाय, जनगणना का दूसरा चरण थोड़ा पहले किया जा सकता है, ताकि सरकारी कर्मचारी चुनावी ड्यूटी के लिए उपलब्ध रह सकें।

जनगणना का पहला चरण अप्रैल से सितंबर के बीच हो रहा है, जिसमें मकान सूचीकरण किया जा रहा है। दूसरा चरण फरवरी में पूरे देश में होगा, जिसमें व्यक्तिगत आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। इस चरण में जातिगत गणना भी की जाएगी।

इसके अलावा, उत्तराखंड के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैन के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचा टेलीग्राम

नई दिल्ली, 17 जून। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 21 जून को नीट-यूजी की दोबारा होने वाली परीक्षा के मद्देनजर सोशल मीडिया मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को अस्थायी रुप से बंद करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस तेजस करिया की बेंच इस

- हाईकोर्ट ने टैलिग्राम याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया। अगली सुनवाई 18 जून को होगी।

मामले पर कल यानी 18 जून को सुनवाई करेगी।

सुनवाई के दौरान, केन्द्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केन्द्र सरकार ने ये आदेश आईटी कानून की धारा 69ए के तहत दिया है। केन्द्र ने टेलीग्राम को कई बार अपना सिस्टम ठीक करने को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी में गैर यादव ओबीसी मतों पर है भाजपा का फोकस

इसके लिए भाजपा ने प्रभावशाली जातीय नेताओं के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाए हैं

- भाजपा का 2014 से उन छोटी-छोटी जातियों पर जोर रहा है, जो संख्या में कम हैं, पर अपने-अपने क्षेत्र में चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं।
- इन जातियों में निषाद, कुर्मी, राजभर प्रजापति, पाल, विश्वकर्मा आदि प्रमुख हैं।
- उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव न केवल 2029 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल होंगे, बल्कि योगी सरकार के 10 साल के काम काज का ''लिटमस टैस्ट'' भी होंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। उत्तर प्रदेश की राजनीति जाति के इर्द-गिर्द घूमती है। चाहे सवर्ण हों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) हों या दलित-जाति, ये राज्य की राजनीतिक व्यवस्था का केन्द्रीय आधार बनी हुई है। इस संरचना में दलितों के बाद ओबीसी सबसे प्रभावशाली समूह हैं। लेकिन ओबीसी वोट एक समान नहीं है; यह दो भागों में बंटा हुआ है-यादव और गैर-यादव ओबीसी। जहाँ समाजवादी पार्टी (सपा) यादव समुदाय पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है, वहीं, भारतीय जनता पार्टी सुविचारित रुप से गैर-यादव ओबीसी वोट बैंक को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। यह रणनीति 2027 विधानसभा चुनावों की उसकी रणनीति का केन्द्र बन चुकी है।

भाजपा अब 2029 लोकसभा चुनाव से पहले होने वाली ''सेमी-फाइनल'' लड़ाई की तैयारी में जुट गई है। दिलचस्प बात यह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव योगी आदित्यनाथ सरकार के 10 वर्षों के शासन की परीक्षा भी होंगे।

2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा ने यूपी के राजनीतिक नक्शे को बदलते हुए छोटे-छोटे गैर-यादव ओबीसी समुदायों, जैसे कुर्मी, कोइरी, राजभर, प्रजापति, निषाद आदि, को एकजुट करने में सफलता पाई है। यह गठबंधन 2017 और 2022 की जीतों का मुख्य आधार रहा, जिसने बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के पुराने प्रभुत्व को कमजोर कर दिया।

अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए, भाजपा ने कई जाति-आधारित नेताओं के साथ रणनीतिक गठबंधन किए हैं। डॉ. संजय निषाद (निषाद पार्टी): केवट/निषाद समुदाय को जोड़ने में अहम भूमिका रखते हैं। ओम प्रकाश राजभर (सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी): राजभर वोट बैंक को साधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अनुप्रिया पटेल (अपना दल-एस): कुर्मी राजनीति का प्रमुख चेहरा हैं, जिनका गठबंधन भाजपा की पकड़ मजबूत करता है।

भाजपा की मौजूदा रणनीति छोटे, लेकिन संख्या में महत्वपूर्ण ओबीसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शांति समझौते का मसौदा पसंद नहीं आया तो फिर ईरान पर हमला करेंगे'

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप फिर पलटे, फ्रांस में जी-7 समिट में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ईरान के साथ हुई डील ''फाइनल'' नहीं है

- ईरान के साथ हुए इस बहुचर्चित शांति समझौते के एमओयू पर एक-दो दिन में ही साइन होने वाले थे, पर, अब यह समझौता ट्रंप के ''मूड स्विंग'' और इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की अस्तित्व की चिंता और इज़रायली मीडिया के मैकनिज़्म में उलझ कर रह गया है।
- ''पल में तोला पल में माशा'' वाले अपने अदांज़ में ट्रंप ने साफ कहा, ईरान को कोई राहत नहीं मिलेगी।
- डील को लेकर आरंभ से ही परस्पर विरोधी दावे हो रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने कहा कि इज़रायल और लेबनान भी डील से बँधे हैं, वहीं इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, इज़रायल डील की शर्तें मानने को बाध्य नहीं है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। पश्चिम एशिया में शांति समझौते का भविष्य अभी भी अनिश्चित बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपना दोहरा रुख दिखाते हुए कहा कि यदि उन्हें समझौते का अंतिम मसौदा पसंद नहीं आया, तो अमेरिका फिर से ईरान पर हमले शुरू कर देगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब वॉशिंगटन और तेहरान के बीच महीनों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए दो दिन बाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

अगले दो दिनों में जिस एमओयू पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, वह ट्रंप के बदलते और अनिश्चित स्वभाव, इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की राजनीतिक दुविधा और ज़ायोनी मीडिया की भूमिका के बीच फँसा हुआ दिखाई देता है।

फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के साथ पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ समझौता अभी ''फाइनल नहीं'' है।

ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता ''फाइनल नहीं'' है। उन्होंने इसे केवल एक ''मैचोरैन्डम ऑफ ''अन्डरस्टैन्डिंग'' बताया। उन्होंने कहा, ''नहीं, यह अंतिम नहीं है। यह एक एमओयू है। अगर मुझे यह पसंद नहीं आया तो हम फिर उन पर गोलीबारी करेंगे, उनके सिर पर बम गिराएंगे। अगर मुझे यह पसंद नहीं आया, अगर उन्होंने ठीक व्यवहार नहीं किया, तो हम फिर से उनके ऊपर बम बरसाना शुरू कर देंगे।''

अपनी राशि मिथुन (जेमिनी) की तरह ट्रंप ने एक ओर सख्त बयान दिया, तो दूसरी ओर समझौते की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ एमओयू में तत्काल प्रतिबंध हटाने का प्रावधान नहीं है, लेकिन फिर भी यह एक मजबूत और सकारात्मक कदम है। जी-7 सम्मेलन में उन्होंने कहा, ''यह बहुत मजबूत समझौता है। किसी को ठीक-ठीक नहीं पता कि इसमें क्या है, लेकिन यह बहुत मजबूत है और अधिकांश लोग इससे खुश दिखाई देते हैं।'' उन्होंने बाजारों की सकारात्मक प्रतिक्रिया को भी समझौते पर भरोसे का संकेत बताया।

इस बीच तेहरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका और ईरान के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद से इज़रायल ने लेबनान युद्धविराम का 84 बार उल्लंघन किया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि ये हमले जारी रहे तो वह ''कड़ा जवाब'' देगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब दक्षिणी लेबनान में इज़रायली हमलों में चार लोगों की मौत हुई और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नेतन्याहू से लेबनान के मामले में ''अधिक जिम्मेदारी'' दिखाने को कहा।

टैंकरट्रैकर्स के अनुसार, ईरानी तेल लेकर जा रहा तीसरा टैंकर ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी रेखा को पार कर चुका है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के साथ किसी भी समझौते में प्रतिबंधों में राहत, ईरान की फ्रीज़ की हुई संपत्तियों की रिहाई और लेबनान से इज़रायल की वापसी शामिल होनी चाहिए।

वॉशिंगटन और तेहरान 19 जून को एक अंतरिम समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर करने वाले हैं, जिसका उद्देश्य ईरान के खिलाफ अमेरिका-इज़रायल युद्ध को समाप्त करना है।

हालाँकि समझौते के कई महत्वपूर्ण विवरण अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन माना जा रहा है कि इस एमओयू से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अन्य लंबित मुद्दों पर 60 दिनों की वार्ता का रास्ता बनने की उम्मीद है। समझौते का पूरा टैक्स्ट अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

अमेरिका और ईरान संघर्ष समाप्त करने के लिए समझौते के करीब पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सतर्क रुख अपनाते हुए कहा, ''हमारे पास टूटे हुए वादों का इतिहास है... समझौतों को तोड़े जाने का इतिहास है। यह सब हमारी याद में मौजूद है।''

अमेरिका और ईरान ने वर्चुअल माध्यम से एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिससे अंतिम समझौते की उम्मीद बढ़ी है। लेकिन एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को इस बात पर ''गंभीर'' संदेह है कि ईरान परमाणु कार्यक्रम को लेकर आवश्यक रियायतें देने को तैयार होगा।

यह भी कहा जा रहा है कि एक्सियोस ऐसी खबरें प्रकाशित कर रहा है जिनसे यह समझौता कमजोर पड़ सकता है। जानकार सूत्रों के अनुसार, एक्सियोस को इज़रायल समर्थक ज़ायोनी समूहों से भारी वित्तीय सहायता मिलती है और वह इज़रायल के रणनीतिक हितों की रक्षा और बढ़ावा देने की दिशा में काम करता दिखाई देता है। घरेलू दबाव का सामना कर रही नेतन्याहू सरकार मौजूदा युद्ध जैसी स्थिति को बनाए रखना चाहती है और प्रस्तावित समझौते के पक्ष में नहीं है।

हालाँकि ट्रंप ने कई बार इज़रायली प्रधानमंत्री के प्रति अपनी नाराजगी जताई है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वह ज़ायोनी लॉबी के दबाव की पूरी तरह अनदेखी करने की स्थिति में नहीं हैं।

ब्लूमबर्ग द्वारा प्राप्त एक ज्ञापन के अनुसार, अमेरिका और उसके क्षेत्रीय सहयोगी ईरान के पुनर्निर्माण के लिए परियोजनाओं पर काम करेंगे, जिसे युद्ध क्षतिपूर्ति का हिस्सा माना जा रहा है। ज्ञापन में कम से कम 300 अरब डॉलर की सहायता राशि का उल्लेख किया गया है।

हालाँकि दोनों पक्षों का कहना है कि शुक्रवार से होर्मुज़ जलडमरूमध्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

समय सबसे बड़ा चिकित्सक है, वक्त हर घाव का मरहम है। –कहावत

शौर्य-पराक्रम मेवाड़ रत्न महाराणा प्रताप

इतिहास गवाह है कि मुगल सम्राट अकबर के द्वारा दिये गये झूठे आश्वासन, उच्चस्थान, पदाधिकार आदि प्रलोभनों और भय से वशीभूत होकर कई राजपतू राजाओं ने सम्राट अकबर सत्ता के सामने नतमस्तक होकर उनकी अधीनता मंजूर कर ली थी जिससे यह स्थापित हो गया कि अधिकतर राजपूत अपना गौरव खो चुके थे ऐसा प्रतीत होता था कि मानों पूरा राजस्थान ही अपना आत्मगौरव खो कर अकबर की गुलामी स्वीकार कर ली थी। निराशा के ऐसे कठिन समय में मेवाड़ के महाराणा प्रताप का मातृभूमि की रक्षा के लिए राजनैतिक क्षेत्र में प्रवेश हुआ। निःसंदेह अकबर हिन्दुओं के जयचंदों की मदद बल से ही हिन्दू राजाओं को अपने अधीन करता था। तत्कालीन हिंदू राजाओं की कायरता एवं मूर्खता का अकबर ने भरपूर लाभ उठाया। हिन्दू स्वाभिमान को कुचलने के लिए अकबर ने सभी प्रकार के उपाय और लगभग सभी राजपूत राजाओं को अपने आधीन करने में सफल रहा। कई राजपूत राजाओं ने मान-सम्मान को ताक पर रखकर अपनी बेटियों को भी अकबर के दरबार में पहुंचा दिया। यह भारतीय इतिहास का सबसे कलंकित अध्याय है।

किन्तु इसके विपरीत मेवाड़, बूंदी तथा सिरोही वंश के राजा अंत तक अकबर से संघर्ष करते रहे। मेवाड़ के राणा उदयसिंह का स्वतंत्र रहना अकबर के लिए असहनीय था। चूँकि मेवाड़ के राजा उदय सिंह विलासी प्रवृत्ति के थे इसलिए अकबर ने मेवाड़ विजय के लिए भारी भरकम सेना के साथ मेवाड़ पर हमला बोल दिया। दुर्बल उदय सिंह का मनोबल बहुत ही गिरा हुआ था इसलिए वह मैदान छोड़ कर भाग गया। अरावली की पहाड़ियों पर छुप गया। वहीं पर उसने उदयपुर नामक नगर बसाया और राजधानी भी बनायीं। उदय सिंह ने अपनी मृत्यु के पूर्व अपनी कनिष्ठ पत्नी के पुत्र जगमल्ल को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया लेकिन उसके अन्य सरदारों ने जगमल्ल के खिलाफ विद्रोह कर दिया और महाराणा प्रताप को अपना राजा घोषित कर दिया। राजा घोषित होते ही प्रताप को विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। राणा प्रताप के भाई शक्ति सिंह और जगमाल मुगलों से मिल गये। शत्रुओं का मुकाबला करने के लिए मजबूत सैन्य शक्ति की महती आवश्यकता थी। राणा प्रताप सदैव इसी चिंता में लगे रहते थे कि अपनी मातृभूमि को मुगलों से किस प्रकार मुक्त कराया जाये। परम पवित्र चितौड़ का विनाश उनके लिए बेहद असहनीय था। एक दिन राणा प्रताप ने दरबार लगाकर अपनी ओजस्वी वाणी में सरदारों का स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए आव्हान करके उनमें नया जोश भरा तथा युद्ध की प्रेरणा प्रदान दी।

एक बार शीतल भाट उनके दरबार आ पहुंचा और शौर्य तथा वीरता की कविताएं सुनायीं। शीतल भाट की ओजस्वी वीरता का संदेश देने वाली कविता सुनकर महाराणा ने अपनी पगड़ी उतारकर भाट को इनाम में दे दी। राजपूतों के लिए उसकी पगड़ी आन नान धान। महाराणा प्रताप ने अचानक उस पर धावा बोल दिया। अचानक हमले से सभी मुगल सैनिक भाग खड़े हुये। इसी प्रकार महाराणा ने कई अन्य किले भी अपने आधीन कर लिये। बाद में उदयपुर भी राणाप्रताप के कब्जे में आ गया। इस प्रकार महाराणा प्रताप एक के बाद एक किले जीतते चले गये। महाराणा प्रताप की वीरता की बातें सुनकर अकबर शांत रह गया और उसने अपना सारा ध्यान दक्षिण की ओर लगा दिया। लगातार युद्ध करते रहने और संकटों को झेलने के कारण महाराणा का शरीर लगातार कमज़ोर होता जा रहा था। 19 जनवरी 1597 के दिन अंतिम सांस ली। भारतीय इतिहास के पुराण पुरूष महाराण प्रताप सिंह स्वाधीनता की रक्षा करने वाले मेवाड़ के स्वनामधन्य वीरों की मणिमाला मे सुर्कतिमान हैं।

अकबर को महान कहना चाहिए या फिर महाराणा प्रताप को? यह सवाल पिछले कई वर्षो से भारतीयों के मस्तिष्क में एक अनसुलझी पहेली बना हुआ है। यों तो अकबर और प्रताप दोनों अपनी अपनी जगह महान थे। दोनों के कारण भारत को फायदा हुआ। अकबर और प्रताप से हम आज भी बहुत कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते हम शांत मन से चिंतन करें कि उस समय हुआ क्या था? अगर आप भारत को एक सूत्र में बांधने के काम को महान मानते हैं तो अकबर द्वारा की गई कोशिशे काबिले तारीफ थी, वहीं अल्प साधनों किन्तु अपनी मातृभूमि की स्वाधीनता और गौरव के लिये अद्भुत वीरता ओर प्राण न्योछावर करने के मजबूत इरादों के साथ आक्रमणकारी का सामना करते हुए आक्रान्ता को पीछे धकेलने का साहस मेवाड़ रत्न राणाप्रताप ने ही किया, इसलिये राणाप्रताप भी महान कहलाने के अधिकारी हैं।

महाराणा प्रताप मेवाड़ की अस्मिता के प्रतीक तो हैं ही उनका नाम देशभक्ति, स्वाभिमान और दृढ प्रण के लिये सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने जीवन पर्यन्त मेवाड़ की आजादी एवं अस्मिता के लिए मुगल बादशाह अकबरके साथ साथ निरंतर संघर्ष किया एवं कभी भी अकबर की आधीनता स्वीकार नहीं की। अकबर ने महाराणा प्रताप को समझाने के लिये एवं दिल्ली सल्तनत की अधीनता स्वीकार करने हेतु कई दूतों को भेजा जिनमें प्रमुख जलाल खान कोरची (सितम्बर 1572), मानसिंह (1573), भगवान दास (सितम्बर-अक्टूबर 1573) एवं टोडरमल (दिसम्बर 1573) मुख्य है। महाराणा प्रताप का जन्म 15 मई 1540 यानि ज्येष्ठ शुक्ला तृतीया, विक्रम संवत 1597 को कुम्भलगढ़ में महाराणा उदयसिंह एवं माता राणी जीवत कँवर के यहाँ हुआ था। महाराणा प्रताप की माता का नाम जैवन्ताबाई था, जो पाली के सोनगरा अखैराज की बेटी थी। महाराणा प्रताप को बचपन में कीका के नाम से पुकारा जाता था। महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक गोगुंदा में हुआ। महाराणा प्रताप ने अपने जीवन में कुल 11 शादियां की थी। कहा जाता है कि उन्होंने ये सभी शादियां राजनीतिक कारणों से की थी।

मेवाड़ के आदिवासी भीलों ने हल्दी घाटी में अकबर की फौज को अपने तीरो से रौंद डाला था सभी भील महाराणा प्रताप को अपना बेटा मानते थे और राणा जी बिना भेद भाव के उन के साथ रहते थे। आज भी मेवाड़ के राजचिन्ह पर एक तरफ राजपूत है तो दूसरी तरफ भील। शत्रु सेना से घिर चुके महाराणा प्रताप को उनके विद्र्ही भाई शक्ति सिंह ने बचाया, किन्तु इस युद्ध में राणाप्रताप के प्रिय घोड़े चेतक की भी मृत्यु हो गई।

अकबर कूटनीती का जानकार था इसलिए उसने अपनी दो लाख सेना का नेतृत्व सलीम व मान सिंह को सौंपा। यह युद्ध बहुत ही भयंकर था। महाराणा प्रताप ने पूरी सजगता-वीरता के साथ युद्ध लड़ा लेकिन यह निर्णायक नहीं रहा। हल्दी घाटी की लड़ाई (18 जून 1576) हल्दीघाटी का कण-कण आज भी प्रताप की सेना के शौर्य, पराक्रम और बलिदानों की कहानी कहता है। 18 जून 1576 का भारत के इतिहास में एक विशिष्ट स्थान है क्योंकि इसी दिन प्रसिद्ध हल्दीघाटी की लड़ाई में लगभग बाईस हजार आजादी के मतवाले राजपूतों के साथ राणा प्रताप ने अकबर की मुगल सेना के सेनापति राजा मानसिंह एवं आसफ खाँ की अस्सी हजार सैनिकों की विशालकाय सेना का वीरता पूर्वक सामना किया था। हल्दीघाटी की लड़ाई मात्र एक दिन चली परन्तु इसमें 14000 राजपूत सैनिकों को अपने प्राणों की आहुती देनी पड़ी। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की तरफ से लडने वालों के अंदर मुस्लिम सरदार हकीमखां सूरी भी थे। मेवाड़ के आदिवासी भीलों ने हल्दी घाटी में अकबर की फौज को अपने तीरो से रौंद डाला था सभी भील महाराणा प्रताप को अपना बेटा मानते थे और राणा जी बिना भेद भाव के उन के साथ रहते थे। आज भी मेवाड़ के राजचिन्ह पर एक तरफ राजपूत है तो दूसरी तरफ भील। शत्रु सेना से घिर चुके महाराणा प्रताप को उनके विद्र्ही भाई शक्ति सिंह ने बचाया, किन्तु इस युद्ध में राणाप्रताप के प्रिय घोडे चेतक की भी मृत्यु हो गई। चित्तौड़ की हल्दीघाटी में चेतक की समाधि बनी हुई है। चेतक का अंतिम संस्कार महाराणा प्रताप और उनके भाई शक्ति सिंह ने किया था। महाराणा प्रताप के भाले और कवच का वजन 80 किलो था। महाराणा प्रताप की तलवार कवच आदि सामान उदयपुर राज घराने के संग्रहालय में रखे हुए हैं। मेवाड़ राजघराने के वारिस को एकलिंग जी भगवान का दीवान माना जाता है।

दानवीर भामाशाह का त्याग युद्धभूमि पर उपस्थित बाईस हज़ार राजपूत सैनिकों में से केवल आठ हज़ार जीवित सैनिक युद्धभूमि से किसी प्रकार बचकर निकल पाये। मेवाड़ को जीतने के लिये अकबर ने सभी प्रयास किये किन्तु वो सफल नहीं हो सका। निरंतर सघर्ष के कारण महाराणा की आर्थिक हालत दिन-प्रतिदिन कमजोर होती गई एवं एक बार तो वो विचलित भी हो गये। विपत्तियों के इन क्षणों में भामाशाह ने अपने जीवन की सारी कमाई को राणाप्रताप को अर्पित कर मेवाड़ की रक्षा हेतु लड़ाई चालू रखने का निवेदन किया। भामाशाह की यह आर्थिक सहायता लगभग 25000 राजपूतों की सेना के 12 साल तक का वेतन और निर्वाह के लिए पर्याप्त थी। अपनी दानशीलता के लिए भामाशाह भी इतिहास पुरुष बने इसीलिये आज भी कई राज्यों में उनके नाम से जन कल्याणकारी योजनायें चला रहें हैं।

झाला सरदार मन्नाजी का बलिदान हल्दीघाटी का युद्ध अत्यन्त घमासान हो गया था। एक समय ऐसा आया जब शहजादा सलीम पर राणा प्रताप स्वयं आक्रमण कर रहे थे, दोनों लहूलुहान हो गये थे, इस दृश्य को देखकर कर हजारों मुगलसैनिक सलीम की रक्षा करने हेतु उसी तरफ़ बढ़े और राणाप्रताप को चारों तरफ़ से घेर कर उन पर प्रहार करने लगे। राणाप्रताप के सिर पर मेवाड़ का राजमुकुट लगा हुआ था अतःमुगलों ने मिलकर उन्हीं को निशाना बना लिया था वहीं दुसरी तरफ राणाप्रताप के रणबाकुरें राजपूतसैनिक भी प्रताप को बचाने के लिए अपने प्राण को हथेली पर रख कर संघर्ष कर रहे थे। दुर्भाग्यवश प्रताप संकट में फँसते जा रहे थे। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए झाला सरदार मन्ना जी ने स्वामिभक्ति का एक बेमिसाल आदर्श प्रस्तुत करते हुए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। झाला सरदार मन्नाजी तेजी के साथ युद्ध भूमि में सैनिकों को चीरते हुए आगे बढे और राणा प्रताप के सिर से मुकुट उतार कर अपने सिर पर रख लिया और तेजी के साथ कुछ दूरी पर जाकर मुगलों से घमासान युद्ध करने लगे। मुगलों ने झाला सरदार मुन्नाजी को ही प्रताप समझा और उस पर टूट पड़े, इस तरह राणाप्रताप को राष्ट्र युद्ध भूमि से दूर निकल जाने का अवसर मिल गया। उनका सारा शरीर असंख्य घावों से लहूलुहान हो चुका था। युद्धभूमि से लौटते समय राणाप्रताप मेवाड़ के वीर मन्नाजी को अपने प्राणों की आहुती देते देखा। इस युद्ध में नगण्य संख्या में मौजूद राजपूतों ने बहादुरी के साथ मुगलों का सामना किया, परन्तु तोपों तथा बंदूकधारियों से सुसज्जित शत्रु की विशाल सेना के सामने उनका समूचा परिश्रम निष्फल रहा। इतिहास के पन्नों में झाला सरदार मुन्ना जी का बलिदान स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा।

राणा प्रताप का इतिहास प्रसिद्ध घोड़ा चेतक मूल रूप से काठियावाड़ मूल का अश्व था जो उनको उनके प्राणो से ज्यादा प्रिय था। चेतक की चाल हवा से भी ज्यादा थी। हल्दी घाटी की लड़ाई उसकी एक पाँव बुरी तरह से जख्मी हो गया उसके बावजद चेतक ने प्रताप की जान बचाई और वीर गति को प्राप्त हुआ था। आज भी उसकी स्वामी भक्ति को आदर से याद किया जाता है। आज जब समस्त राष्ट्र सांप्रदायिक दंगों की विभिषिका से ग्रस्त है और गंगा-जमुना संस्कृति खतरे में है। वहीं दुसरी तरफ महाराणा प्रताप की नीतियां और कार्यशेली मेवाड़ और राजस्थान में सैकडों वर्षों से चली आ रही हिदू-मुस्लिम एकता को बताती हैं।

डॉ. शर्मा के मुताबिक अब्दुल रहीम खान-ए-खाना को अकबर ने हल्दीघाटी युद्ध के बाद अजमेर का सूबेदार बनाया था रहीम खान को एक ही आदेश था महाराणा प्रताप को जिंदा या मुर्दा पकड़ना है। इसके लिए रहीम ने अपना कैंप आबू की तलहटी में लगाया। उस समय प्रताप सुंधा माता की पहाड़ियों में रह रहे थे। प्रताप के बेटे अमर सिंह ने रहीम के कैंप का पता पता लगा करके और उसे युद्ध में परास्त करके उसकी बेगम को अगवा कर प्रताप के पास ले आए। अमर सिंह ने तर्क दिया कि जो मुगल उनके साथ करते हैं वहीं वो उनके बच्चों के साथ करेंगे। जैसे ही ये बात महाराणा प्रताप को पता चली तो वे अमर सिंह पर क्रोधित होकर अपना आपा खो कर अपने बेटे अमर सिंह को वापस महिला को सम्मान से सुरक्षित उनके कैंप में भिजवाने की व्यवस्था के आदेश दिए। प्रताप ने कहा चाहे वो हिंदू हो या मुस्लिम नारी, स्त्री हमेशा भारतीय संस्कृति में आदरणीय रही है। इसका परिणाम होता है कि रहीम खुद अकबर को कहता है कि प्रताप इतने महान हैं। ऐसे महान व्यक्तित्व के खिलाफ वह संघर्ष नहीं कर सकता। इसके बाद रहीम की अजमेर से सूबेदारी हटा दी गई थी। अब्दुल रहीम ही बाद में श्रेष्ठ कवि रहीम के रूप में पहचाने गए।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. जे.के. गर्ग, पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा, जयपुर

ताबीज से ट्रांजिस्टर तक: विवेकानंद के सपने से विज्ञान के कदम तक - तथ्यपरक जन-जागृति लेख

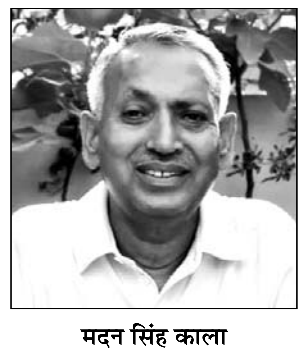

मदन सिंह काला

धर्म दुनिया भर में कैसे पनपा? 12 हजार साल पहले खेती शुरू हुई। इंसान ने सोचा- 'बारिश कौन कराता है?' जवाब नहीं था। मिस्र ने सूरज को 'रा' कहा, यूनान ने बिजली को 'ज्यूस' (Zeus)। भारत में ऋग्वेद 1500 ईसा पूर्व : अग्नि, वरुण, इंद्र की स्तुति। डर और अनिश्चितता से 'प्रकृति-पूजा' निकली। फिर गांव और शहर बने। 10 हजार लोग साथ रहें तो नियम चाहिए। राजा के डंडे से ज्यादा 'भगवान का डर' काम आया। मिस्र के फिरऔन 'ईश्वर का बेटा' कहलाए, भारत में राजा 'इंद्र का अंश'। धर्म दो खंभों पर खड़ा हुआ- 1. प्रकृति का डर, 2. समाज चलाने का नियम। -आज संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में 4,300 से ज्यादा धर्म-संप्रदाय दर्ज हैं। पर जड़ एक- जो समझ नहीं आया, उसका जवाब भगवान के नाम पर रचित ग्रंथो से दिया।

'मानो मत, जानो' की चिंगारी कब फूटी? 600 ईसा पूर्व यूनान में थेल्स ने पानी को मूल बताया- भगवान को नहीं। भारत में चार्वाक बोला- 'भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुतः'। अर्थात जला हुआ शरीर वापस कैसे आएगा? बुद्ध ने कहा- 'ईश्वर पर बहस मत करो, दुख का कारण खोजो'। धर्म से असली बगावत 1543 में हुई। कॉपरनिकस ने कहा, 'धरती नहीं, सूरज केंद्र है'। इसे चर्च ने 1616 में बैन किया। 1633 में गैलीलियो ने कहा "पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा लगाती है" -उससे धार्मिक दबाव में माफी मंगवाई। 1859 में डार्विनः 'ऑरिजिन ऑफ स्पीशीज' - बाइबल हिल गई। -कैसे? बाइबल कहती थी भगवान ने सभी जीव 6 दिन में एक जैसे बनाए। डार्विन ने कहा नहीं, जीव 'प्राकृतिक चयन' से धीरे-धीरे बदले, इंसान भी विकास का नतीजा है। इंसान 'ईश्वर की खास रचना' से 'कुदरत का उत्पाद' बन गया। इसलिए चर्च काँप गया।- विज्ञान का सूत्र बनाः 1. देखो, 2. सोचो, 3. करके दिखाओ, 4. दुनिया से जांच कराओ। 'आप्त-वाक्य' की जगह 'प्रयोग-वाक्य' आया।

1660 में लंदन में 'रॉयल सोसाइटी' बनी। राजा का आदेश- 'यहाँ बाइबल पर बहस नहीं, प्रकृति पर प्रयोग होगा'। 1666 में पेरिस 'एकेडमी ऑफ साइंसेज'। जर्मनी ने 1809 में हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी मॉडल दिया- पढ़ाई, लैब और फैक्ट्री। अमेरिका ने 1790 में पेटेंट कानून - 'नया बनाओ, 20 साल कमाओ'। 1868 में जापान के मेजी सम्राटः 'पश्चिमी विज्ञान सीखो, वरना गुलाम बनोगे'। 1917 में लेनिन ने यूएसएसआर साम्यवाद की सत्ता और बिजलीकरण को अपना लक्ष्य बनाया। 1978 में देंग शियाओपिंगः 'विज्ञान पहली उत्पादक शक्ति है'। वर्तमान के विकसित देशों ने धर्म को ड्राइंग-रूम में भेजा, बजट को लैब में।

आँकड़े झूठ नहीं बोलतेः 2023 मानव विकास सूचकांक टॉप-10: स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, जर्मनी, अमेरिका। ये देश सकल घरेलू उत्पाद का औसत 3 प्रतिशत रिसर्च पर लगाते हैं। 1901-2023 विज्ञान नोबेलः अमेरिका 409, ब्रिटेन 138, जर्मनी 111, जापान 29, भारत 9 - जिनमें 3 मूल भारतीय। प्रति व्यक्ति आय 2023: अमेरिका 80,412 डॉलर, भारत 2,601 डॉलर। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन 2023: अमेरिका ने 55,266 पेटेंट फाइल किए, चीन 70,015, भारत 8,013। -जहाँ पेटेंट, वहाँ प्रोडक्ट। जहाँ प्रोडक्ट, वहाँ एक्सपोर्ट। जहाँ एक्सपोर्ट, वहाँ डॉलर।-

-भारत का विज्ञान - गौरव भी, गड्ढा भी।- 800 ईसा पूर्व सुश्रुत ने 300 सर्जरी, 120 औजार लिखे। 500 ईस्वी आर्यभट्ट ने पाई 3.1416, धरती का व्यास 99.8 प्रतिशत सही निकाला। 700 ईस्वी ब्रह्मगुप्त ने 'गुरुत्वाकर्षण' दिया- न्यूटन से 1000 साल पहले। नागार्जुन ने पारा-शोधन, भास्कर-द्वितीय ने कैलकुलस की नींव। फिर 1200 ईस्वी बाद नालंदा जला। तुर्क-मुगल काल में 'इल्म' मदरसों तक सिमटा, 'शिल्प' जाति में बँधा। अंग्रेज आए तो हमने रेल देखी, बनाई नहीं। आजादी के बादः 1948 भाभा-एटॉमिक एनर्जी, 1969 साराभाई-इसरो, 1974 इंदिरा गांधी का पहला पोखरण, -1998 अटल बिहारी वाजपेई सरकार का पोखरण-2 - 11 से 13 मई तक 5 परमाणु परीक्षण, प्रतिबंधों के बावजूद भारत परमाणु शक्ति बना-, 2008 चंद्रयान-1, 2014 मंगलयान पहले प्रयास में, 2023 चंद्रयान-3 दक्षिणी ध्रुव पर पहला। कोविड में 2.2 अरब वैक्सीन डोज, 100 देशों को सप्लाई। यूपीआई से 2023 में 13.9 अरब लेनदेन एक महीने में। कुछ क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता भी आई है जैसे अंतरिक्ष और वैक्सीन में हम नंबर-1 हैं। पर चिप, पैसेंजर जेट इंजन, एमआरएनए प्लेटफॉर्म, लिथियम रिफाइनिंग में अब भी 70-95 प्रतिशत आयात।

1893 में स्वामी विवेकानंद शिकागो गए। धर्म-संसद में भारत का सिर ऊँचा किया। पर अमेरिका की फैक्ट्री, लैब देखकर सो नहीं पाए। दूसरी बार अमेरिका गये और 3 मार्च 1900 को सैन फ्रांसिस्को में बोलेः _'India is saturated with religion. What India wants is not religion, but bread.'_ यानी भारत धर्म से सराबोर है। भारत को धर्म नहीं, रोटी चाहिए। 1898 में स्वामी विवेकानंद ने, जब जहाज पर टाटा से मिलन हुआ तो 'मंदिर नहीं, विज्ञान की लैब बनाओ' का संदेश दिया। टाटा ने 1909 में आईआईएससी बनवाया। 1899 कलकत्ता प्लेग में खुद झाड़ू उठाई। बोले-जब तक मेरे देश में एक कुत्ता भी भूखा है, मेरा पूरा धर्म उसे रोटी देना है।

-अब रिसर्च इनोवेशन बनाम उञ्ज का हिसाब देखते हैं:- यूनेस्को 2022: जो देश रिसर्च पर खर्च करता है, वही दुनिया पर राज करता है। भारत कहाँ?- भारत 0.64 प्रतिशत - दुनिया में 39वां नंबर। रिसर्चर प्रति 10 लाख आबादीः इज़राइल 8,342, अमेरिका 4,452, चीन 1,307, भारत सिर्फ 253। प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारीः अमेरिका 78 प्रतिशत, चीन 77 प्रतिशत, भारत 36.4 प्रतिशत। यानी हमारे सेठ लैब नहीं, मॉल खोलते हैं और विदेशी सामान की ट्रेडिंग करते हैं।

परिणाम : वाणिज्य मंत्रालय 2023-24: कुल आयात 677 अरब डॉलर। 1. कच्चा तेल 179 अरब - 87 प्रतिशत निर्भर। 2. इलेक्ट्रॉनिक्स 89 अरब - 60 प्रतिशत चीन। 3. सेमीकंडक्टर 26 अरब - 99 प्रतिशत आयात। दवा का कच्चा माल एपीआई 68 प्रतिशत चीन से। रक्षा आयात 2.93 अरब डॉलर - दुनिया में चौथा बड़ा खरीदार। -सीधा गणित है जो 3 प्रतिशत लगाता है, वो ही बेचता है। जो 0.64 प्रतिशत लगाता है, वो खरीदता है।- हम 'असेंबली हब' बने, 'इनोवेशन हब' नहीं। विवेकानंद ने 125 साल पहले 'material civilization' माँगी थी। हम अब भी माँग रहे हैं।

-भारत को पंथनिरपेक्षता क्यों चाहिए? विवेकानंद ने ही बताया।- पहला - प्रतिभा किसी की बपौती नहीं। 140 करोड़ में हर धर्म-जाति में विवेक है। अगर आईआईटी का फॉर्म 'धर्म' पूछे, तो कलाम, नादेला, पिचाई कैसे निकलेंगे? नासा में 36 प्रतिशत वैज्ञानिक भारतीय मूल के - क्योंकि अमेरिका ने 1965 में धर्म-रंग देखना बंद किया। दूसरा - निवेश। 2022 में भारत को 49 अरब डॉलर एफडीआई मिला। मूडीजः 'सामाजिक अशांति 1 प्रतिशत बढ़े तो निवेश 2 प्रतिशत घटता है'। तीसरा - विज्ञान का माहौल। विवेकानंद 1896 लंदनः _'Science and religion will meet and shake hands'_ यानी विज्ञान और धर्म मिलेंगे और हाथ मिलाएंगे। शर्त - 'धर्म तरक्की में रोड़ा न बने'। धर्म के नाम पर अकाल मृत्यु के ग्रास बने लोगों का इतिहास :'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ वॉर्स' के अनुसार 1763 युद्धों में से 7 प्रतिशत 'पूरी तरह धार्मिक'। क्रूसेड 1095-1291 - 10-30 लाख मौतें। यूरोप के धार्मिक युद्ध 1524-1648 - 80 लाख से 1 करोड़। भारत विभाजन 1947 - 10-20 लाख। 21वीं सदी आतंक - 2000-2023 तक 2.1 लाख मौतें। कुल 2.5-3.5 करोड़। - तुलनाः प्रथम विश्वयुद्ध में 2 करोड़,ष्ठ के अनुसार कोविड-19 से दुनिया भर में 70 लाख और भारत में 5.3 लाख दर्ज मौतें।-

-अब उत्पादन के स्त्रोतों पर विचार करते हैं।- एसोचैम 2022: भारत की 'फेथ इकोनॉमी' 3.2 लाख करोड़ सालाना। इसमें से 30 प्रतिशत ताबीज-यंत्र-रत्न यानी 96,000 करोड़ का 'चमत्कार उद्योग'। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार 68 लाख लोग 'धार्मिक कर्मकांड' को मुख्य पेशा बताते हैं। इस अनुत्पादक व्यवसाय से पुजारी, मौलवी, ज्योतिषी, कथावाचक अलीशान जीवन का आनंद लेते हैं। इनकी संख्या ऑस्ट्रेलिया की आबादी के बराबर है। तुलनाः आईटी सेक्टर 54 लाख रोजगार, 3.2 लाख करोड़ एक्सपोर्ट। ऑटो सेक्टर 37 लाख रोजगार, 2.8 लाख करोड़ कारोबार। पर धार्मिक सेक्टर के ये 68 लाख लोग न तो पेटेंट बनाते हैं, न एक्सपोर्ट। टैक्स? आईटी सेक्टर से सरकार को 1.1 लाख करोड़। फेथ इकोनॉमी ज्यादातर टैक्स-फ्री। तिरुपति का बजट 5,123 करोड़ - पंजाब के यूनिवर्सिटी बजट से दोगुना। काशी में चढ़ावा 100 करोड़ से 500 करोड़ हुआ। पर 'चमत्कार उद्योग' का जीएसटी नहीं के बराबर है जबकि अमेरिका जैसे विकसित देशों में धार्मिक संस्थानों को वार्षिक आयकर रिटर्न भरना पड़ता है। विवेकानंद ने कहा, 'भूखे को धर्म का उपदेश देना पाप है'।

-दो बातें जो इतिहास की किताबों में नहीं मिलती।- पहला - 'जुगाड़' बनाम 'डीप-टेक'। 0.5 रुपये में मंगलयान भेज देते हैं, पर प्रोसेसर अमेरिकी। हम 'सस्ता' कर लेते हैं, 'नया' नहीं बना पाते। 2023 में ओपनएआई, गूगल, मेटा ने एआई पर 50 अरब डॉलर लगाए। भारत की कुल फंडिंग 5 अरब डॉलर। दूसरा - जाति लैब का दीमक। आईआईटी बॉम्बे 2023: 50 प्रतिशत आत्महत्या दलित-आदिवासी छात्रों की। कारण - 'तुम कोटा(आरक्षण)से आए हो'। -विज्ञान को 'पहचान' नहीं, 'प्रतिभा' चाहिए।-

देश को प्रगतिशील बनाने के लिए पहला कदम - बजट। 0.64 प्रतिशत से 2 प्रतिशत 2030 तक। चीन ने 1996 में 0.57 प्रतिशत से 2022 में 2.43 प्रतिशत किया। दूसरा - प्राइवेट सेक्टर। टाटा, रिलायंस को 10 साल टैक्स-छूट अगर बेसिक-साइंस लैब खोलें। (Corporate Social Responsibility)' से 'आरएंडडी' शिफ्ट। तीसरा - शिक्षा। कक्षा 3 से 'सवाल पूछो' प्रोजेक्ट शुरू किया जावे। विद्यार्थी को 10वीं में 20 नंबर उसको यह बताने पर मिलें कि 'फलां प्रयोग फेल क्यों हुआ'। इससे उसमें सोचने की क्षमता का विकास होगा। धर्म ग्रंथ पढ़ाओ, पर कार्बन-डेटिंग भी। चौथा - पाखंड दंड-संहिता। '10 मिनट में वशीकरण' बोलने वाले को 3 साल जेल। ताबीज पर 28 प्रतिशत GST + 'इससे नौकरी नहीं लगती' वार्निंग। पाँचवाँ - पंथनिरपेक्षता। आर्टिकल 5151A(h) - वैज्ञानिक सोच अनिवार्य। दंगा भड़काने वाले नेता की पेंशन-पासपोर्ट-चुनाव रद्द।

वर्तमान में धरती पर लगभग 8 अरब लोग हैं। 84 प्रतिशत किसी न किसी धर्म को मानते हैं। धर्म ने कला, संगीत, नैतिकता दी, इसके लिए शुक्रिया। पर भूख, बीमारी व जीवन की अनेकों भौतिक समस्याएं विज्ञान ने मिटाई। "1900 में भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा सिर्फ 23-24 साल थी - क्योंकि 1000 बच्चों में से 200-250 बच्चे 1 साल से पहले ही मर जाते थे। आज 70 साल है - आधुनिक चिकित्सा, वैक्सीन और एंटीबायोटिक के कारण न कि यज्ञ आदि के कारण से।" 1960 में अकाल से लाखों मरे, आज 80 करोड़ को मुफ्त अनाज- -बोरलॉग के गेहूं से, भंडारे से नहीं।- विवेकानंदः - 'पहले रोटी, फिर राम'-। -'पहले लैब, फिर मंदिर'-। हमने योग दिया, पर चिप-जेट इंजन अब भी खरीदते हैं। योगा मैट 100 डॉलर, चिप 10 हजार डॉलर। चुनाव तुम्हाराः ताबीज बेचकर 2.5 ट्रिलियन रहें, या ट्रांजिस्टर बेचकर 10 ट्रिलियन बनें? -लैब में घंटा नहीं बजता, पर वहाँ बजने से दुनिया की घंटी बजती है।- विवेकानंद का सपना 'विश्वगुरु' नहीं, 'विज्ञान-आध्यात्म में स्वावलंबी भारत' था। -उठो, जागो - और लैब चलो।

-मदन सिंह काला,
पूर्व आई.ए.एस

सेवा शिविर में जयसिंह का बरसों से अटका भूमि बंटवारा एक घंटे में हुआ

■ ब्यावर के अतीतमण्ड में आयोजित सेवा शिविर में जयसिंह को न्याय मिला

जयपुर। ब्यावर जिले की जवाजा पंचायत समिति के अतीतमण्ड निवासी जयसिंह पुत्र गोकुल सिंह खातेदारी भूमि का बंटवारा नहीं होने से परेशान था। उसे लोन लेने, उन्नत बीज, कृषि यंत्र अनुदान, पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए पहले साझेदारों के चक्कर काटने पड़ते, फिर पूरा लाभ भी नहीं मिल पाता। जमीन का मामला होने के कारण उसे धोखाधड़ी का भी डर था, लेकिन विभिन्न कारणों से बंटवारा नहीं हो पा रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयसिंह जैसे लोगों के मन की मुराद सुनी और गत 12 जून से प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर लगवाना शुरू किया। अतीतमण्ड में सेवा शिविर लगने की जानकारी मिलने पर जयसिंह शिविर में पहुंचा और शिविर प्रभारी को इस सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया।

शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी ने तहसीलदार को प्रार्थी की खातेदारी भूमि का बंटवारा करके उनके समक्ष प्रकरण पेश करने का आदेश दिया। ब्यावर तहसीलदार ने हलका पटवारी व गिरदावर को बंटवारा करने के आदेश दिए। हलका पटवारी व गिरदार ने मौके पर जाकर बंटवारा प्रस्ताव तैयार कर शिविर में तहसीलदार ब्यावर को पेश किया जिसे तहसीलदार ने शिविर में स्वीकृत किया। यह पूरी प्रक्रिया एक घंटे में हो गयी।

इस पर जयसिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि नेता भाषण देते हैं, आश्वासन देते हैं, हमारे मुख्यमंत्री पब्लिक के काम करते हैं। हम सौभाग्यशाली हैं कि हीरे जैसा मुख्यमंत्री हमको मिला है। भगवान मुख्यमंत्री जी पर स्वास्थ्य एवं दीर्घायु का आशीर्वाद बनाये रखें।

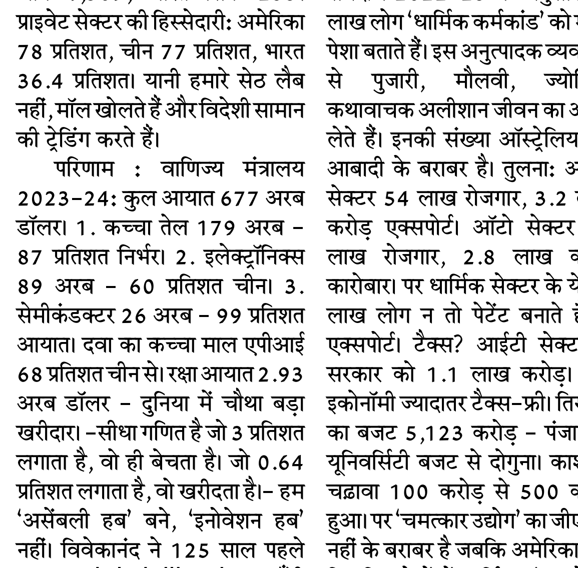

सेवा शिविर में तहसीलदार ने जयसिंह को बंटवारा पत्र सौंपा।

राशिफल गुरूवार 18 जून, 2026

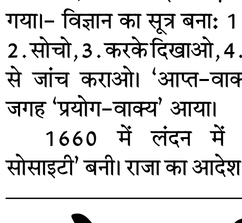

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, पुष्य नक्षत्र दिन 11:32 तक, व्याघात योग सायं 5:35 तक, वणिज करण प्रातः 8:19 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सवार्थ सिद्धि योग, गुरू पुष्य और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:32 तक है। रवियोग आज दिन 11:32 तक है। आज भद्रा प्रातः 8:19 से सायं 6:59 तक है। आज विनायक चतुर्थी, गुरू पुष्य योग, उमा चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:20 तक, चर 10:45 से 12:28 तक, लाभ अमृत 12:28 से 3:53 तक, शुभ 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आज उचित सफलता मिल सकती है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्माणाधीन सैटेलाइट हॉस्पिटल का निरीक्षण किया

उपमुख्यमंत्री ने गुणवत्ता और समयबद्धता के निर्देश दिए

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को 'प्रगति पथ यात्रा' कार्यक्रम के अंतर्गत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में निर्माणाधीन सैटेलाइट हॉस्पिटल का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

- **उपमुख्यमंत्री ने हॉस्पिटल की विभिन्न व्यवस्थाओं और निर्माण कार्यों की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से प्रगति की जानकारी प्राप्त की**

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हॉस्पिटल का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

यह कार्यक्रम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास, सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने हॉस्पिटल परियोजना की विभिन्न व्यवस्थाओं और निर्माण कार्यों की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में देशभर में स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने और आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी इसी संकल्प के साथ जनहित और विकास कार्यों को गति दे रही है तथा स्वास्थ्य क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं ताकि क्षेत्रवासियों को शीघ्र ही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण विकास और जनकल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नाबालिग दुष्कर्म पीडिता को गर्भ समाप्त करने की अनुमति

- **नाबालिग को 25 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति दी**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के चलते गर्भवती हुई नाबालिग को राहत देते हुए उसे 25 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही अदालत ने संबंधित जिले के मेडिकल बोर्ड को कहा है कि वह सभी जरूरी चिकित्सा सुविधाओं के साथ पीडिता का गर्भपात करें। इस दौरान यदि शिशु का जन्म होता है तो उसकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी। जस्टिस बिपिन गुप्ता की एकलपीठ ने यह आदेश पीडिता की ओर से अपनी मां के जरिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि नाबालिग लडकी को उसकी इच्छा के विपरीत अवांछित गर्भावस्था को पूरा करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। यह मामला केवल चिकित्सीय सीमाओं का नहीं, बल्कि एक नाबालिग के जीवन, गरिमा और उसके मौलिक अधिकारों से जुडा है। अदालत ने कहा कि गर्भावस्था दुष्कर्म का परिणाम है और नाबालिग पीडिता ने स्पष्ट रूप से गर्भ जारी रखने से इनकार किया है। ऐसे में उसे बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करना उसके मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। सुनवाई के दौरान मेडिकल बोर्ड की ओर से कहा गया कि गर्भावस्था जारी रखना पीडिता के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, हालांकि गर्भ समापन की प्रक्रिया उच्च जोखिम वाली होगी।

याचिका में अधिवक्ता सोनल सिंह ने बताया कि नाबालिग दुष्कर्म के कारण गर्भवती हुई है और वह इस अवांछित गर्भ को जारी रखना नहीं चाहती।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराणा प्रताप जंयती पर बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर उनके छात्राचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

पुलिस कमिश्नर जामडोली थाने पर 20 को जनसुनवाई करेंगे

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल बीस जून (शनिवार) को दोपहर 11.30 से 01.30 बजे तक जामडोली पुलिस थाने पर जनसुनवाई करेंगे।

इस दौरान आदर्श नगर सर्किल के जवाहर नगर,आदर्श नगर,ट्रांसपोर्ट नगर एवं जामडोली थानों के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी।

जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुँचाना है।

इस अवसर पर विशेष पुलिस कमिश्नर(ऑपरेशंस) ओमप्रकाश, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) अजय सिंह, पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पूर्व) आलोक सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त (आदर्श नगर) सहित संबंधित थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

लगता है अनुसंधान अधिकारी को साइबर अपराध की जांच का तरीका नहीं पता : हाईकोर्ट

- **अदालत ने कहा कि कोर्ट की ओर से बार-बार क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी को लेकर रिपोर्ट मांगने के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट रिपोर्ट पेश नहीं की गई। जिससे जाहिर होता है कि अनुसंधान अधिकारी को साइबर अपराध के मामलों की जांच करने का तरीका नहीं पता**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर अपराध से जुड़े मामले में जेल में बंद दो आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश देते हुए प्रकरण के जांच अधिकारी पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कोर्ट की ओर से बार-बार क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी को लेकर रिपोर्ट मांगने के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट रिपोर्ट पेश नहीं की गई। जिससे जाहिर होता है कि अनुसंधान अधिकारी को साइबर अपराध के मामलों की जांच करने का तरीका नहीं पता। जस्टिस रवि चिरानिया की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश वाजिब और साहिल की द्वितीय जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए ।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता आरोपियों को अपनी चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, यूपीआई आईडी, डिजिटल वॉलेट और अन्य वित्तीय विवरण की जानकारी जांच अधिकारी को देनी होगी। इसके साथ ही आरोपियों को अपने लैपटॉप, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का ब्यौरा भी उपलब्ध कराना होगा। अदालत ने कहा कि आरोपी बिना सूचना दिए नया सिम कार्ड, बैंक खाता या डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं कर सकेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि याचिकाकर्ता आरोपियों की ओर से यदि जमानत की किसी भी शर्त की अवहेलना की जाती है या वे इसी तरह के किसी अन्य अपराध में लिप्त पाए गए तो जमानत को निरस्त किया जा सकता है।

द्वितीय जमानत याचिका में अधिवक्ता राजीव कुमार ने कहा कि मामले में गत 30 जनवरी को डीग जिले के नगर पुलिस थाने में साइबर अपराध को लेकर एफआईआर दर्ज हुई थी। जिसमें याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश पहली जमानत याचिका को आरोप पत्र पेश होने के बाद दायर करने की प्रार्थना पर खारिज कर दिया गया था। मामले में अब आरोप पत्र पेश हो चुका है। वहीं मामले में बहुत छोटी राशि शामिल होने के साथ ही अनुसंधान भी पूरा हो गया है। ऐसे में उन्हें जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि आरोपियों पर गंभीर आरोप हैं। ऐसे में उन्हें जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को सशर्त जमानत देते हुए जांच अधिकारी पर कड़ी टिप्पणी की है।

हल्दीघाटी शौर्य स्मृति समारोह आज

जयपुर। तंवरावती राजपूत सभा, राजस्थान के तत्वावधान में हल्दीघाटी के अमर बलिदानी राजा रामशाह तंवर एवं उनके वीर पुत्रों की स्मृति में 18 जून को शाम 6 बजे झोटवाड़ा स्थित यू.एस. पैराडाइज में हल्दीघाटी शौर्य स्मृति समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समारोह में प्रसिद्ध क्षित्रय विचारक, लेखक एवं इतिहास चिंतक डॉ. ओमेन्द्र सिंह रत्नु मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे।

29 अनुकम्पा नियुक्ति मामलों में राहत, 4 कर्मचारियों की सेवा समाप्त

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मृतक राजकीय कर्मचारियों के आश्रितों को राहत देते हुए अनुकम्पा नियुक्ति के 29 प्रकरणों में शिथिलता प्रदान की है। साथ ही विभागीय जांच के 19 लंबित मामलों का निस्तारण करते हुए अनुशासनहीन अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने आवेदन में विलम्ब के 16 मामलों में शिथिलता देकर मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने का अनुमोदन किया है। इसके अलावा न्यूनतम आयु सीमा और विलम्ब अवधि से जुड़े 9 मामलों में भी राहत प्रदान की गई है। वहीं आश्रित पत्नी की सुविधा के अनुसार निकटस्थ स्थान पर पदस्थापन सुनिश्चित करने के लिए विभाग परिवर्तन के चार मामलों में भी शिथिलता दी गई है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से मृतक आश्रित परिवारों को आर्थिक और सामाजिक संबल मिलेगा।

दूसरी ओर, विभागीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर हाउसकीपर पद पर कार्यरत सत्यदेव सिंह कृष्णवत, गिरिराज प्रसाद मीणा, योगेन्द्र सिंह सिसोदिया और तरुण जोशी की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया है।

वन भूमि पर कब्जे के विवाद में दो पक्ष भिड़े, चार गिरफ्तार

- **गलता गेट थाना क्षेत्र के नागतलाई इलाके में वन विभाग की सरकारी भूमि पर कब्जे का विवाद**
- **पुलिस वायरल वीडियो सहित पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है**

जयपुर। गलता गेट थाना क्षेत्र के नागतलाई इलाके में वन विभाग की सरकारी भूमि पर कब्जे के विवाद को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों, पत्थरों तथा मुक्कों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में करीब एक घंटे तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित किया और कार्रवाई करते हुए चार लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार नागतलाई क्षेत्र में वन विभाग की भूमि को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई थी। देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। झगड़े के दौरान पत्थरबाजी भी हुई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कई युवक लाठियां लेकर एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं कुछ लोग पत्थर फेंकते नजर आ रहे हैं। वीडियो में महिलाओं और बच्चों के बीच चीख-पुकार का माहौल भी दिखाई देता है। वही

वायरल वीडियो में एक युवक कथित रूप से एक बच्चे का गला पकड़कर उसे धक्का देते हुए दिखाई दे रहा है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। हालांकि पुलिस पूरे वीडियो और घटनाक्रम की जांच कर रही है।

झगड़े के दौरान एक महिला ने विरोधी पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला जोर-जोर से चिल्लाते हुए अपना हाथ टूटने की बात कह रही थी। घटना के दौरान महिलाओं और बच्चों के मौजूद रहने से क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वन विभाग की सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। इस संबंध में पहले भी शिकायतें सामने आ चुकी हैं। विवाद का समाधान नहीं होने के कारण रविवार को स्थिति बिगड़ गई और दोनों पक्षों के बीच संघर्ष हो गया।

सूचना मिलने पर गलता गेट थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल कराई गई।

गलता गेट थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि नागतलाई क्षेत्र में झगड़े की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर भेजी गई थी। मामले में कार्रवाई करते हुए चार लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस वायरल वीडियो सहित पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा एवं जनकल्याण को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के खातीपुरा मंडल में विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों में सहभागिता की। इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और हरित राजस्थान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण किया गया। साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए पानी के परिंडे भी लगाए गए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है तथा छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया। इस अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के स्वच्छता कर्मियों का सम्मान एवं अभिनंदन किया।

दो दिवसीय गुर्जर शिक्षाविद् सम्मेलन संपन्न

- **देशभर के उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षक एवं शोधार्थी जयपुर में जुटे**

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर स्थित देराश्री शिक्षक सदन में आयोजित दो दिवसीय गुर्जर शिक्षाविद् सम्मेलन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सम्मेलन के संयोजक प्रो. जगराम गुर्जर ने बताया कि इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों से आए शिक्षाविदों, प्रोफेसरों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों तथा समाज चिंतकों ने भाग लेकर शिक्षा, इतिहास, संस्कृति, सामाजिक विकास तथा नई पीढ़ी की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में पूर्व न्यायाधीश वी.एस. सराधना तथा सांसद के पूर्व संयुक्त सचिव डॉ. सत्यप्रकाश खटाना ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। सम्मेलन के दौरान पद्मश्री एवं पूर्व कृषि वैज्ञानिक प्रो. डी.आर. भूमला स्मृति व्याख्यान तथा प्रो. जगदीप एस. छोकर स्मृति व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रो. डी.आर. भूमला की पुत्री डॉ. प्रमिला बजाड़ ने प्रो. डी.आर. भूमला स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत किया, जबकि वरिष्ठ समाजसेवी राजीव वर्मा ने प्रो. जगदीप एस. छोकर स्मृति व्याख्यान दिया।

सम्मेलन में पूर्व न्यायाधीश वी.एस. सराधना, डॉ. सज्जन पोसवाल, डॉ. आर.के. गुर्जर, डॉ. प्रमिला बजाड़, डॉ. अंजू तवर, रामफूल गुर्जर (पीआरओ), पी.डी. कसाना, डॉ. मनोज, डॉ. सतपाल, राजीव वर्मा, हरिशंकर गुर्जर, डॉ. डी.के. गुर्जर, डॉ. सत्यनारायण, नाथूलाल, बचन सिंह, डॉ. भूमला, ब्रह्म सिंह, डॉ. पी.एस. वर्मा, डॉ. गोपाल, मोहनलाल वर्मा, डॉ. कुलदीप, प्रशांत गुर्जर, डॉ. नादान सिंह, डॉ. कैलाश, डॉ. नरेंद्र भड़ाना, राकेश राणा, डॉ. फूलचंद, डॉ. अंजू तथा डॉ. देवेंद्र सहित अनेक वक्ताओं ने शिक्षा को समाज की प्रगति का मूल आधार बताते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया।

वक्ताओं ने समाज की गौरवशाली ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

सार-समाचार

29वां पाटोत्सव मनाया

जयपुर। दिल्ली रोड स्थित खोले के हनुमानजी मंदिर में भगवान सियाराम के 29वें पाटोत्सव का बुधवार को श्रीगणेश हुआ। सुबह श्री सियारामजी का 108 औषधि द्रव्य, सरयू जल, शीतल फल रस, पंचामृत और दूध से अभिषेक किया गया। वेद पाठी बालकों ने सस्वर वेद पाठ किया। इसके बाद श्री वाल्मीकि रामायण का अखंड पारायण प्रारंभ हुआ। वेद मंत्रोच्चार से षोडशोपचार पूजन के बाद पुष्पों से श्रृंगार किया गया। राजभोग झांकी के दौरान विभिन्न संतों-महंतों ने विशेष उत्सव आरती की। नरवर आश्रम सेवा समिति प्रन्यास के अध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा, महामंत्री ब्रज मोहन शर्मा एवं अन्य पदाधिकारियों ने संतों-महंतों का सम्मान किया। इस मौके शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज, काले हनुमान मंरि के महंत गोपाल दास महाराज, महंत मनोहरदास महाराज, घाट के बालाजी के स्वामी सुदर्शनाचार्य, राधा दामोदर जी मंदिर के महंत मलय गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में संत-महंत उपस्थित रहे। युवा सत्संग रामायण सेवा समिति के सत्यनारायण ठाकुरिया के संयोजन में दोपहर को सामूहिक सुन्दरकांड पाठ किए गए। समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि 18 जून को हरिनाम संकीर्तन और बधाई गायन होगा। सुबह 8 बजे बलराम दास सत्संग मंडल जयपुर की प्रस्तुति और शाम 7 बजे भजन होंगे। बधाई गायन शिव शान्तानन्द आश्रम गोनेर और भगवत कृपा परिवार जयपुर की ओर से किया जाएगा।

दिया कुमारी ने समाजसेवा के लिए पूर्व सैनिकों का सम्मान किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पूर्व सैनिक, समाजसेवी एवं उत्थान सेवा संस्थान के अध्यक्ष कैप्टन शीशराम चौधरी सहित अन्य का समाजसेवा के उल्लेखनीय कार्य पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने समाजोपयोगी कार्यों के लिए बधाई देते हुए सामाजिक कार्यों को करते रहने के लिए प्रेरित किया। पूनिया ने संस्थान द्वारा संचालित निःशुल्क योग, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के प्रकल्पों की जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व पार्षद कौशल किशोर शर्मा, योग प्रशिक्षक शिवानन्द त्रिपाठी, राजेश कौशिक, धर्मेंद्र मिश्रा एवं अन्य उपस्थित रहे। इससे पूर्व दिया कुमारी ने राजस्थानी लोक गायक मुन्ना लाल कुमावत से उनके निवास पर भेंट कर सम्मानित किया।

विधानसभा में योग कार्यक्रम कल

जयपुर। विधानसभा के कर्तव्य द्वार पर शुक्रवार 19 जून को प्रातः 6 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अगुवाई में इस योग कार्यक्रम में विधान सभा सचिवालय के अधिकारीगण व कर्मचारीगण सक्रिय भागीदारी निभायेंगे। कार्यक्रम में सभी विधायकगण को आमंत्रित किया गया है। स्पीकर देवनानी ने कहा कि स्वस्थ शरीर, संतुलित मन एवं सकारात्मक जीवन दृष्टि योग से मिलती है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के उपलक्ष्य में आयोजित यह सामूहिक योग कार्यक्रम स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सामूहिक सहभागिता के संदेश को सुदृढ़ करेगा। देवनानी ने कहा कि योग शारीरिक समन्वय को बढाता है।

बैंक पात्र डवलपर्स को त्वरित ऋण प्रदान करें : चेयरमैन डिस्कॉम

जयपुर। पीएम-कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान) योजना के तहत सौर ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाने के लिए राजस्थान डिस्कॉम्स ने महत्वपूर्ण पहल की है। इसके अन्तर्गत डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने ऋण लेने में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों और बाधाओं को दूर करने के लिए बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा सोलर पावर डवलपर्स के साथ बुधवार को विद्युत भवन में बैठक की।

- **'बैंक सुगम प्रक्रिया अपनाकर लोन स्वीकृति में तेजी लाएं'**

जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने सोलर पावर डवलपर्स एवं बैंक प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की।

इस दौरान चेयरमैन डिस्कॉम्स ने कहा कि पीएम-कुसुम भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय महत्व की योजना है। इसका उद्देश्य ऊर्जा के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और कृषि में हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है। ऐसे में इस योजना की सफलता में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे सोलर पावर डवलपर्स के ऋण आवेदनों पर सकारात्मक रुख अपनाएं। उन्होंने कहा कि बैंक अपनी आवश्यक औपचारिकताएं और प्रक्रिया जरूर पूर्ण करें, लेकिन पात्र आवेदकों को जटिल लोन मिलने में बेवजह देरी न हो। प्रक्रिया को जितना हो सके सुगम और त्वरित बनाया जाए ताकि पात्र डवलपर्स को समय पर वित्तीय मदद मिल सके। इससे प्लांट्स के स्थापित होने की रफ्तार और तेज होगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेष में कुसुम कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में 4468 मेगावाट के 2034 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं।

अब जुलाई माह से प्रत्येक माह निगम के जोनल स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में बैंकों के प्रतिनिधि, सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए ऋण आवेदन करने वाले डवलपर्स तथा डिस्कॉम के अधिकारियों की उपस्थिति में ऋण आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करेंगे।

एसीबी ने केवल एफआईआर व धाराओं का उल्लेख कर गिरफ्तारी की : हाईकोर्ट

- **हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले में एसीबी की ओर से पूर्व मंत्री महेश जोशी की गिरफ्तारी को लेकर टिप्पणी की**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुडे मामले में एसीबी की ओर से पूर्व मंत्री महेश जोशी की गिरफ्तारी को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी का कारण और गिरफ्तारी का आधार अलग-अलग बातें हैं। एसीबी ने केवल एफआईआर व धाराओं का उल्लेख कर गिरफ्तारी की, जबकि आरोपी को यह बताना जरूरी है कि उसकी भूमिका क्या है और गिरफ्तारी क्यों जरूरी है। ऐसा लगता है कि एसीबी को गिरफ्तारी करने के कारणों की मूलभूत समझ तक नहीं है। वहीं अदालत ने एसीबी कोर्ट के पीठासीन अधिकारी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरोपी की ओर से 7 मई को ही प्रार्थना पत्र पेश कर गिरफ्तारी की वैधता पर आपत्ति उठाई गई थी, लेकिन संबंधित पीठासीन अधिकारी ने रिमांड देते हुए प्रार्थना पत्र को 31 दिन तक लंबित रखा। अदालत ने पुलिस और न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षण की जरूरत बताते हुए आदेश की कॉपी को हाईकोर्ट प्रशासन व एसीएस गृह को भेजी है। जस्टिस उमाशंकर व्यास और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश रोहित जोशी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर विस्तृत आदेश जारी करते हुए दिए। हालांकि अदालत ने कहा कि एक बार न्यायिक रिमांड हो जाने के बाद बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के जरिए शुरूआती गिरफ्तारी की वैधता को सीधे चुनौती नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि एसीबी कोर्ट की ओर से प्रार्थना पत्र तय करने वाले गत 8 जून के आदेश को अलग से चुनौती दी जा सकती है। अदालत ने कहा कि ऐसा कोई रिकॉर्ड पेश नहीं किया गया, जिससे साबित हो कि गिरफ्तारी के आधार बताए गए हो। केवल गिरफ्तारी के आधार बताना पर्याप्त नहीं है।

याचिका में अधिवक्ता स्नेहदीप ने बताया की याचिकाकर्ता के पिता को गिरफ्तार करते हुए एसीबी की ओर से गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए, जबकि कानूनन इसके आधार बताना जरूरी है। इसलिए गिरफ्तारी अवैध होने के कारण उसके पिता को रिहा किया जाए।

गुजरात में हुई बस दुर्घटना में डूंगरपुर और बांसवाड़ा के सात लोगों की मौत

27 यात्री घायल हुए, हादसे के समय बस में अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे

- बांसवाड़ा से सूरत जा रही बालाजी ट्रैवल्स की स्लीपर बस वड़ोदरा के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई
- प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार या ड्राइवर की लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है, जांच शुरु

डूंगरपुर, (निसं)। गुजरात के वड़ोदरा शहर में बुधवार तड़के हुए सड़क हादसे में नौ साल के बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 यात्री घायल हो गए। मरने वाले सभी लोग डूंगरपुर और बांसवाड़ा के रहने वाले थे। बांसवाड़ा से सूरत (गुजरात) जा रही बालाजी ट्रैवल्स की स्लीपर बस कोटंबी स्टेडियम (वड़ोदरा) के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे के समय अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना सुबह करीब चार बजे हुई। दुर्घटना के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ एनडीआरएफ और वड़ोदरा अग्निशमन विभाग की टीमें पहुंचीं। एनडीआरएफ की छठी बटालियन के कमांडेंट सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह 4.40 बजे कंट्रोल रूम को दुर्घटना की सूचना मिली थी। टीम ने आधुनिक उपकरणों और कटिंग मशीनों की सहायता से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जिले के पाडवा की रहने वाली पिंकी भाटिया, डूंगरपुर के टामटिया की रहने वाले प्रीत पुत्री हितेश भाटिया, डूंगरपुर निवासी महेंद्र कुमार पुत्र भोगीलाल पांड्या, डूंगरपुर के सागवाड़ा निवासी विनोद पुत्र नरेश डामोर और ड्राइवर डूंगरपुर के राजवाड़ा निवासी ड्राइवर मुकेश पुत्र जीवाजी डिंडोर की मौत हो गई। इसके अलावा मृतकों में हरजिंगभाई वलजीभाई कटारा और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल है। प्रीत की मां पायल नाई घायल हो गई है। बच्चे की मौत और महिला के घायल होने की खबर के बाद परिवार के लोग वडोदरा के लिए रवाना हो गए हैं। गांव में भाटिया समाज के चार घर हैं, जो एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। इसी क्रम में घायलों में पायल नाई, पिंकी रावल, मनीषा रावल, रामचंद्र डोरिया, शिल्पा पाटीदार, महेंद्र कटारा, आशीष यादव, आशीष कटारा, बंसीलाल राणे, जीवराज भाई, गुंजनबेन, नाराचया, पिंटू चरपोट, विजय कटारा, भैरूलाल मीना, सीमा यादव, सागर कटारा, भगवती भाई, कल्पेश गौर, पैलबेन नाई, शील, सुरेशभाई डिंडोर, रमेशभाई, पंकज भाई चरपोट, कमलेश भाई कटारा, मायाबेन पाटीदार सहित अन्य यात्री शामिल हैं।

वडोदरा के एसएसजी अस्पताल के आरएमओ डॉ. हितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि हादसे के बाद 27 घायलों को हॉस्पीटल लाया गया है। इसमें से 2 की हालत गंभीर है। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया है। डॉक्टरों ओर नर्सिंगकर्मियों की टीम अलर्ट मोड में हैं। फिलहाल दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार या ड्राइवर की लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए ट्रैफिक जाम हो गया। बाद में ट्रक और क्षतिग्रस्त बस को हटाकर यातायात सुचारु कर लिया गया था। हादसे की सूचना मिलते ही बस में सफर कर रहे यात्रियों के परिजनों में चिंता बढ़ गई। कई परिवार फोन और अन्य माध्यमों से अपने रिश्तेदारों की जानकारी जुटाने में लगे रहे।

हादसे में बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

अलवर के मालाखेड़ा में जमीन विवाद में फायरिंग, एक घायल

जमीन के टुकड़े को लेकर सगे भाई और करीबी रिश्तेदार का विवाद बताया जा रहा है

- ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की

अलवर, (निसं)। अलवर के मालाखेड़ा थाना इलाके के बडेर गांव में जमीन के एक टुकड़े को लेकर दो परिवारों के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया कि बात सीधे लाठी-डंडों, पथराव और खुलेआम फायरिंग तक पहुंच गई। इस हिंसक झड़प में एक व्यक्ति के पैर में गोली लग गई, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस खूनी संघर्ष में आमने-सामने आए दोनों पक्ष कोई और नहीं, बल्कि आपस में सगे भाई और करीबी रिश्तेदार हैं।

इन दोनों भाइयों के बीच काफी लंबे समय से पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर आपसी मनमुटाव और कानूनी विवाद चल रहा था। बीते सोमवार को एक पक्ष ट्रैक्टर लेकर विवादित खेत को जोतने के लिए पहुंच गया। जब दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया, तो पहले उनके बीच तीखी कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और फिर लाठी-डंडों से मारपीट में बदल गई।

महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में कुड़ी भगतासनी पुलिस थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पूर्व मित्र पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि अश्लील वीडियो और फोटो से उसे ब्लैकमेल कर सार्वजनिक करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता की रिपोर्ट पर अब जांच की जा रही है। पुलिस को दी रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि करीब दस-बारह वर्ष पूर्व उसकी एक युवक से दोस्ती हुई और बाद में दोनो के बीच घनिष्ठता बढ़ने पर संबंध भी बन गए। इस दौरान उसके वीडियो और फोटोग्राफ्स भी खींच लिए गए। आरोपी युवक ने शादी के बाद भी उसका पीछा नहीं छोड़ा और फोटो वीडियो सार्वजनिक करने की धमकियां दे रहा है।

सीकर में 30 साल के युवक की संदिग्ध मौत

सीकर, (निसं)। सीकर में 30 साल के युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। युवक का शव रेस्टोरेंट के एक कमरे में मिला। परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। हालांकि परिजन मोर्चरी के बाहर धरने पर भी बैठे रहे। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार शव मिलने की सूचना पर परिजन रेस्टोरेंट पहुंचे तो मृतक की नाक पर चोट के निशान मिले। उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया। परिजनों ने कहा कि जिस रेस्टोरेंट पर विजय का शव मिला है, उसके जरिए ही 27 मई को विजय ने एक प्लॉट करीब 30-35 लाख रुपए में बेचा था।

एसएचओ गोकुलपुरा प्रीति बेनीवाल ने बताया कि मंगलवार शाम दासा की ढाणी फाटक के पास स्थित शेखावाटी रेस्टोरेंट से सूचना मिली कि एक युवक मृत अवस्था में मिला है। ऐसे में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता लग सकेगा। मृतक विजय जांगिड़ (30) पुत्र बनवारीलाल जांगिड़ निवासी राधाकिशनपुरा का रहने वाला था। और फर्नीचर ठेकेदारी का काम करता था। वह सात भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था। विजय मंगलवार सुबह 11:30 बजे अपने घर से निकला था।

मंडफिया : भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 14 जून चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती बुधवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में दूसरे चरण में हुई। दूसरे चरण से भंडार से 8 करोड़ 26 लाख 46 हजार 200 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व प्रथम चरण में हुई भंडार गिनती से 17 करोड़ 55 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए थे। दोनों चरणों को मिलाकर 25 करोड़ 81 लाख 46 हजार 200 रुपए नगद प्राप्त हुए। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, मनोहर लाल चोबीसा सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

सीकर में युवक और युवती ने सुसाइड किया

सीकर, (निसं)। सीकर में एक युवक और युवती के सुसाइड का मामला सामने आया है। युवक ने सीकर के सदर थाना इलाके के नानी बीहड़ में सुसाइड किया, जबकि युवती ने कोतवाली थाना इलाके में अपने कमरे में सुसाइड कर लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं

सदर थाना इलाके में 22 साल के युवक अभिषेक उर्फ मोनू ने नानी बीहड़ में सुसाइड किया। जिसने पेड़ पर फंदा लगा लिया। सुबह ग्रामीणों की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। मौके से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला। वहीं कोतवाली थाना इलाके में जगमालपुरा फाटक के पास 20 साल की युवती शहनाज ने सुसाइड कर लिया। हैड कॉन्स्टेबल कल्याण सिंह ने बताया कि युवती मानसिक अवसाद में थी, जो मूल रूप से श्रीगंगानगर की रहने वाली है, लेकिन वर्तमान में अपने परिवार के साथ सीकर में ही रहती थी।

नीट अभ्यर्थी उमेश की संदिग्ध मौत मामले की जांच जारी

- घटनास्थल से एक नोट मिलने के बाद पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है
- पहले दो प्रयासों में कोचिंग संस्थानों के माध्यम से तैयारी की थी, जबकि इस बार घर पर रहकर स्वअध्ययन कर रहा था

नवलगढ़/सीकर, (निसं)। नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे 22 वर्षीय छात्र उमेश माली की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने न केवल उसके परिवार बल्कि पूरे शिक्षा जगत को स्तब्ध कर दिया है। नवलगढ़ क्षेत्र के वीणादास की ढाणी कारी निवासी उमेश की मौत के मामले में उद्योग नगर थाना पुलिस गहन जांच में जुटी हुई है। घटनास्थल से एक नोट मिलने के बाद पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार उमेश माली नीट परीक्षा का तीसरा प्रयास कर रहा था। पहले दो प्रयासों में उसने कोचिंग संस्थानों के माध्यम से तैयारी की थी, जबकि इस बार वह घर पर रहकर स्वअध्ययन कर रहा था। आगामी 21 जून को प्रस्तावित परीक्षा से ठीक पहले हुई इस घटना ने कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार उमेश अपने परिवार के साथ सीकर स्थित एक रेजीडेंसी में रह रहा था। सोमवार सुबह वह अपनी मां को वीणादास की ढाणी छोड़कर वापस लौटा था। उस समय घर में वह अकेला था, जबकि उसकी बड़ी बहन और छोटा भाई कोचिंग के लिए गए हुए थे। दोनों के वापस लौटने पर घटना का पता चला, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए तथा घटनास्थल से मिले नोट को भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नोट में लिखा था, मैं बहुत दूर जा रहा हूं, पता नहीं कहां जा रहा हूं, सॉरी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और सभी तथ्यों का परीक्षण किया जा रहा है।

घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है और विस्तृत बयान अभी सामने नहीं आ पाए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों को लेकर स्पष्ट स्थिति सामने आ सकेगी। फिलहाल पूरे मामले पर क्षेत्रवासियों और विद्यार्थियों की नजरें टिकी हुई हैं। एक होनहार छात्र की असमय मौत ने एक बार फिर युवाओं पर बढ़ते शैक्षिणक दबाव, प्रतियोगी परीक्षाओं की चुनौतियों और परीक्षा व्यवस्था में विश्वास से जुड़े सवालों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

नीट पेपर लीक में सरकार ने उचित कार्रवाई नहीं की : सचिन पायलट

राहुल गांधी के दौरे को लेकर सचिन पायलट भी कोटा पहुंचे

- नीट पेपर लीक से 22 लाख बच्चों से धोखा हुआ : सचिन पायलट

कोटा, (निसं)। राहुल गांधी के दौरे को लेकर सचिन पायलट भी कोटा पहुंचे। पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट का सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं में स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा प्रणाली और परीक्षा का व्यवस्था से लाखों बच्चे और परिवार शिकार हो गए हैं। नीट पेपर लीक से 22 लाख बच्चों से धोखा हुआ और उनका विश्वास टूट गया। सीबीएसई ने कॉपी की चेकिंग में भी प्रॉब्लम आई है। लगातार जवाब देने से भागने का काम सरकार कर रही है। सीबीआई की जांच जारी है, लेकिन अभी तक ना शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया है, ना ही कोई प्रभावी कार्रवाई की है।

पायलट ने कहा कि राहुल गांधी ने अभियान चालू किया है यह देश की भावना से जुड़ा हुआ है। अपना भविष्य ढूंढ रहे देश के नौजवान और मेहनत कर परिवार का पेट काटकर बच्चों को पढ़ा रहे परिवार संकट से गुजर रहे है। इस व्यवस्था ने राजस्थान समेत पूरे देश में कई नौजवानों को आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया है। इस व्यवस्था के विरुद्ध में नौजवान छात्रों से संवाद करने, रिस्पांसिबिलिटी और अकाउंटेबिलिटी तय करने के लिए राहुल गांधी ने मुहिम छेड़ी है। उसकी पहल कोटा से हुई है। बड़ी संख्या में कोटा में बच्चे पढ़ते हैं। साथ ही जो युवा भविष्य के बारे में चिंतित थे उनसे संवाद है। सोई हुई सरकार हर जुर्म से मुंह फेर रही है। कोटा में राहुल गांधी के कार्यक्रम में बच्चों को नहीं भेजने का दबाव बनाया गया, दूसरी तरफ पोस्टर बैनर भी हटाए गए।

आसाराम की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की तबीयत एक बार फिर अचानक बिगड़ गई है। स्वास्थ्य में गिरावट आने के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एम्स जोधपुर में भर्ती कराया है, जहां डॉक्टरों की एक अलग टीम उनकी जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार आसाराम का पिछले कुछ दिनों से आरोग्यम अस्पताल में इलाज चल रहा था। वहां उनकी सेहत में सुधार न होने और कुछ जांचों की आवश्यकता को देखते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने उन्हें एम्स जोधपुर में शिफ्ट करने के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट के इन्हीं आदेशों की पालना में जेल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें एम्स पहुंचाया है। आसाराम के समर्थकों की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने कड़ी व्यवस्था की। सेंट्रल जेल और आरोग्यम अस्पताल से लेकर एम्स परिसर तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। पुलिस की गाड़ियों और हथियारबंद जवानों के कड़े घेरे में आसाराम को अस्पताल के भीतर ले जाया गया। एम्स जोधपुर पहुंचने के बाद वरिष्ठ और विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने तुरंत आसाराम के स्वास्थ्य की कमान संभाल ली है।

मसूदा में नील गाय घायल अवस्था में मिली

मसूदा, (कासं)। निकटवर्ती ग्राम देवमगरी बुधवार को एक नील गाय गोली लगने से घायल अवस्था मे मिली। मिली जानकारी के अनुसार नरेगा मेट सांवरलाल साइड पर हाजरी भरने मौके पर पहुंचा, वहां पास में एक नीलगाय घायल मिली, जिसके गोली लगी हुई थी। गोली लगने से घायल नील गाय के जंगली कुत्ते द्वारा उसके कान काट लिए। घटना की जानकारी देव मंडल टीम को मिलने पर ज मौके पर पहुंची। घायल नील गाय को देव मंगरी पशु उप स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। वन विभाग को नील गाय के घायल होने की जानकारी मिलने पर वन विभाग से वनपाल सांवरलाल एवं सेठाराम ने मौके पर पहुंचकर आगे खरवा वन कार्यालय में पहुंचाया। सूचना पर नीलगाय को वंदे गौ मातरम चेरिटेबल ट्रस्ट ब्यावर उपचार के लिए पहुंचा दिया गया है।

जोधपुर के बासनी थाने में पूछताछ के लिए बुलाए युवक ने जहर खाया, मौत

- इलाज के दौरान अस्पताल में युवक की मौत हो गई, परिजनों ने शव लेने से इनकार किया
- महिला के गायब होने के मामले में युवक को मंगलवार को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था
- परिजनों ने धरना देकर पुलिस पर कार्रवाई और आश्रित को सरकारी नौकरी, मुआवजे की मांग की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बासनी थाने में पूछताछ के लिए बुलाए युवक ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान अस्पताल में युवक की मौत हो गई। परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और एम्स अस्पताल में धरने पर बैठ गए। वे पुलिस पर कार्रवाई और आश्रित को सरकारी नौकरी, मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार सर गांव निवासी तीस वर्षीय अमृत वैष्णव की मौत हुई है। महिला के गायब होने के मामले में मंगलवार दोपहर करीब 2.30 बजे पूछताछ के लिए थाने आया था। पुलिस का कहना है कि युवक अपने साथ जहर लेकर आया था। मौका पाकर जहर खा लिया। युवक के चाचा दलपत ने बताया कि अमृत की शादी हो गई थी, लेकिन गौना नहीं हुआ था। वह पिछले कुछ साल से एक महिला से बात करता था। वह महिला 11-12 दिन पहले घर से गायब हो गई। उसके परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में 12 जून को अमृत को पूछताछ के लिए बासनी थाने बुलाया गया था। मैं भी उसके साथ आया था। पुलिस ने पूछताछ के बाद वापस भेज दिया। दलपत ने बताया कि सोमवार शाम को हैड कॉन्स्टेबल सतपाल सिंह का कॉल आया, उसने कहा था कि यदि मंगलवार को वह महिला नहीं मिली तो तुम्हें अंदर डाल दूंगा। इसके चलते भतीजा टेंशन में आ गया था। वह रात भर सो नहीं पाया। 16 जून को सुबह जल्दी थाने से कॉल आ गया। भतीजे ने उसे दोपहर में बताया कि पुलिस थाने बुला रही है, तब वह भतीजे को लेकर थाने पहुंचा। थाने में गायब महिला के पक्ष की 4-5 महिलाएं मौजूद थीं। अमृत थाने में अंदर गया तो महिलाओं ने उसका गला पकड़ने की कोशिश की। बाद में अमृत को पुलिस एक कमरे में पूछताछ के लिए लेकर चली गई। मैं 5 मिनट तक बाहर खड़ा रहा। बाद में उन महिलाओं ने विरोध कर मुझे थाने से बाहर निकलवा दिया। जब में स्वागत कक्ष में जाकर बैठा तो मुझे वहां से भी बाहर भेज दिया गया।

दलपत ने बताया कि अमृत को ढाई घंटे तक वापस नहीं भेजा तो मैं थाने के अंदर गया और पुलिस वालों से कहा कि पूछताछ पूरी हो गई हो तो इसे भेज दीजिए। हमारा टिफिन सर्विस का काम है। टिफिन सप्लाई करने जाना है। इस पर पुलिस ने कहा कि आज इसे पट्टे मारेंगे तब सच बताएगा कि महिला को कहां गायब करवाया है, जबकि 12 जून को हुई पूछताछ में पुलिस को सबकुछ बता दिया था, कि महिला को गायब करने में इसका कोई रोल नहीं है। इस पर भी पुलिस ने अमृत को नहीं छोड़ा और मुझे थाने से भगा दिया। मैंने पुलिस से अमृत का मोबाइल मांगा था, लेकिन देने से मना कर दिया। मेरे वहां से रवाना होते समय अमृत ने मुझे अपना पर्स दिया था। मैं शाम करीब 4.30 बजे पाल शिल्पग्राम पहुंचा था तो अमृत के फोन से पुलिस ने मुझे फोन किया कि आप थाने आ जाओ इसने जहर खा लिया है। कहा कि सीथे एम्स आ जाओ इसे एम्स में एडमिट कराया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) वेस्ट नरेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया कि बासनी थाने में एक महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज थी, इस मामले में अमृतलाल संदिग्ध था, क्योंकि जब सीडीआर खंगाली गई थी तो सबसे ज्यादा फोन अमृत के फोन से किए गए थे। उसके फोन से 251 कॉल किए गए थे, भागने के बाद का लास्ट कॉल भी अमृत के मोबाइल पर ही किया गया था। उन्होंने बताया कि अमृत ने पूछताछ में बताया कि वह करीब 5 साल से उस महिला से बात करता है। थाने में जांच अधिकारी पूछताछ के बाद इधर-उधर हुए तो उसने जहर खा लिया, उसके बाद उसने पुलिस को बताया कि उसने जहर खा लिया है। उसके बाद उसे एम्स ले जाया गया। उन्होंने बताया कि एम्स लाने के बाद थाने के अंदर घटना होने के चलते जुडिशियल मजिस्ट्रेट को भी इन्फॉर्म किया गया था। वह भी एम्स हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उसके बयान रिकॉर्ड किए गए। उसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

देवड़ा ने कहा कि अब तक की जांच में सामने आया है कि जब उसने जहर खाया तो उसने पुलिस को बताया कि उस महिला ने उसे धोखा दे दिया था। इसके चलते उसे नहर चौराहे से जहर खरीदा था। जिस जगह घटना हुई थी, वहां पर कैमरे लगे हुए थे, जिसकी भी लापरवाही रही है वो रिकॉर्ड में आ जाएगी।

को-ऑपरेटिव बैंक ने सवा चार लाख लेकर फर्जी एफडीआर दी

श्रीगंगानगर में को-ऑपरेटिव मिनी बैंक की डूंगरसिंहपुरा ब्रांच का मामला

- जब दोनों भाई पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी भुनाने पहुंचे तो बैंक ने साफ मना कर दिया, अब बैंक मैनेजर विनोद कुमार समेत अन्य कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया
- जांच कराई तो पता चला कि बैंक मैनेजर ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर पैसे हड़प लिए

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में को-ऑपरेटिव मिनी बैंक की डूंगरसिंहपुरा ब्रांच में दो भाइयों को सवा चार लाख रुपए जमा कराने के बाद फर्जी एफडीआर थमा दी गई। जब दोनों भाई पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी भुनाने पहुंचे तो बैंक ने साफ मना कर दिया। अब बैंक मैनेजर विनोद कुमार समेत अन्य कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

गांव गणेशगढ़ निवासी सुनील कुम्हार ने लालगढ़ जाटान पुलिस स्टेशन में दी गई शिकायत में बताया कि 13 मई 2025 को उन्होंने और उनके भाई ने मिनी बैंक डूंगरसिंहपुरा में 4 लाख 24 हजार 72 रुपए की चार एफडीआर दो साल के लिए बनवाई थीं। बैंक मैनेजर विनोद कुमार ने भरोसा दिलाया था कि उनका बैंक अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज देता है। सुनील ने तीन और उनके भाई ने एक एफडी बनवाई। मैनेजर ने बैंक की मोहर लगाकर और हस्ताक्षर करके सभी एफडीआर सौंप दी। 4 मई को जरूरत पड़ने पर जब दोनों भाई एफडी तुड़वाने बैंक पहुंचे तो कर्मचारियों ने पहले टालमटोल किया। कभी कुछ दिन बाद आइए तो कभी दूसरे बहाना बनाते रहे।

आखिरकार बैंक ने कह दिया कि उनके यहां ऐसी कोई एफडीआर दर्ज ही नहीं है। जब सुनील कुम्हार और उनके भाई ने जांच कराई तो पता चला कि बैंक मैनेजर विनोद कुमार ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर उनके पैसे हड़प लिए और फर्जी एफडीआर बनाकर दे दिए। फिलहाल पुलिस ने शिकायत पर बैंक मैनेजर विनोद कुमार सहित अन्य कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एएसआई चैनसिंह कर रहे हैं।

विशेष अभियान में 1.10 लाख से अधिक वाहनों पर कानूनी हंटर

जयपुर। राजस्थान की सड़कों पर सुगम, सुरक्षित और नियमबद्ध यातायात व्यवस्था कायम करने के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर शुरू हुआ महा-अभियान हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के कड़े निर्देशों के बाद प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल मुस्तैद है। इस पूरे अभियान की कमान महानिदेशक पुलिस यातायात अनिल पालीवाल और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी.एल. मीणा संभाल रहे हैं, जिनके सुपरविजन में जिला पुलिस और ट्रैफिक टीमें सुबह से देर रात तक काली फिल्म, अवैध हूटर और मॉडिफाइड चेसिस वाले वाहनों को खंगाल रही हैं। डीजी ट्रैफिक पालीवाल ने बताया कि समेकित आंकड़ों पर नजर डालें तो 4 जून से 16 जून 2026 तक के 13 दिनों के भीतर राजस्थान पुलिस ने कुल 1,10,206 वाहनों के खिलाफ सख्त दंडात्मक और विधिक कार्रवाई की है। इनमें ब्लैक फिल्म, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, वाहन की अवैध संरचना परिवर्तन, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट, हूटर, प्रेशर हॉर्न तथा वाहनों पर अनाधिकृत शब्द एवं चिन्ह लगाने वालों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन किया गया।

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ चाय पर चर्चा कर संगठनात्मक विषयों पर संवाद किया

प्रदर्शनी में कई विषयों पर आधारित योजनाओं व उपलब्धियों को प्रदर्शित किया

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे "12 साल विश्वास के, विकास के एवं जनकल्याण के" अभियान के अंतर्गत भाजपा जयपुर शहर जिला कार्यालय में आयोजित केंद्र सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का आज केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री तथा जोधपुर सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अवलोकन किया।

भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री शेखावत का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों के दौरान देश में हुए व्यापक परिवर्तन, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के उत्थान, किसानों के कल्याण, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, बुनियादी ढांचे के विकास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर आधारित योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

- **उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणादायी यात्रा का सशक्त माध्यम है**

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत विश्व पटल पर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और निर्णायक राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, जो अंत्योदय की भावना को साकार करता है।

उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणादायी यात्रा का सशक्त माध्यम है। भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रत्येक घर तक पहुंचाएं।

भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की राजनीति को नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग – गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग – के उत्थान के लिए ऐतिहासिक योजनाएं लागू कर देश को विकास के नए शिखर पर पहुंचाया है।

खोह अग्निकांड का मुख्य आरोपी कय्यूम खान चार दिन की पुलिस रिमांड पर

- **अवैध पटाखा फैक्ट्री से जुड़े कई राज खुलने की उम्मीद**

जयपुर। खोह-नागोरियान थाना क्षेत्र के करीम नगर बी तलाई स्थित अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट और आगजनी में आठ लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित कय्यूम खान को गिरफ्तार कर बुधवार सुबह कोर्ट में पेश किया। अदालत ने आरोपित को बीस जून तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में अवैध पटाखा कारोबार और इससे जुड़े नेटवर्क के कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

खोह-नागोरियान थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि नौ जून को हुए हादसे के बाद से कय्यूम खान फरार था। वह जयपुर के शास्त्री नगर और झोटवाड़ा में छिपने के बाद टोंक, गाजियाबाद और उत्तर प्रदेश के अन्य इलाकों में लगातार ठिकाने बदलता रहा। पुलिस को उसके जयपुर लौटने की सूचना मिलने पर मंगलवार को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि जिस मकान में अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित हो रही थी। उसका मालिक कय्यूम खान है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री संचालन में उसकी साझेदारी भी थी। हालांकि कोर्ट में पेशी से पहले मीडिया से बातचीत में आरोपित कय्यूम ने खुद को केवल मकान मालिक बताते हुए कहा कि उसने भवन किराए पर दिया था और फैक्ट्री में उसकी कोई हिस्सेदारी नहीं थी। उसने हादसे में आठ लोगों की मौत पर दुख जताया। लेकिन कारोबार और साझेदारी से जुड़े सवालों पर चुप्पी साध ली।

पुलिस के अनुसार आरोपित के पास पटाखा निर्माण या विस्फोटक सामग्री के भंडारण संबंधी कोई वैध लाइसेंस अथवा दस्तावेज नहीं मिले हैं। इस मामले की जांच के लिए पुलिस,जेडीए, नगर निगम, बिजली विभाग और पीएचईडी से भवन एवं स्वामित्व संबंधी दस्तावेज जुटा रही है।

'बाढ़ नियंत्रण कक्ष मुख्यालय असमंजस में, जोन स्तर पर बजट लेने के बाद अब कैसे करें बजट निर्धारण'

- **जेडीसी सिद्धार्थ महाजन के जोन स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष का आवंटन नहीं करने के आदेश के बाद भी अलग से बजट लेने में जुटे इंजीनियर्स अब अपनी सफाई दे रहे हैं**

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स अब जेडीसी को गुमराह कर अपनी सफाई देने में जुटे हुए हैं। जेडीसी सिद्धार्थ महाजन के जोन स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष का आवंटन नहीं करने के आदेश के बाद भी अलग से बजट लेने में जुटे इंजीनियर्स अब अपनी सफाई दे रहे हैं।

यह मामला म़ीडिया में उजागर होने के बाद जेडीए के जोन के एक्सईएन हड़बड़ी में है। अब ये लंबा चौड़ा स्पष्टीकरण देकर जेडीसी को सफाई देने में जुटे हुए हैं। जेडीए के जोन 11, जोन 12, जोन 7, जोन ए समेत विभिन्न जोनों ने जेडीए के मुख्यालय स्तर पर फ्लड कंट्रोल रुम खोलने के आदेशों को दरकिनार करते हुए अपने अपने जोनों में इस कार्य के लिए अलग से टेंडर कर रहे हैं। इनका कहना है कि फ्लड कंट्रोल रुम में जो सामान आता है वह पर्याप्त नहीं होता। ऐसे में उन्हें समस्याओं का सामना करना पडता है। जोन 11 के एक्सईएन ने तीन पेज की सफाई दी है। इसमें उन्होंने अपने इलाके में जलभराव क्षेत्र होने, बांध का डूब क्षेत्र होने समेत कई तकनीकी कारण गिना कर अपने 24 लाख के अलग से किए गए टेंडर को न्याय संगत ठहराया है। इसी तरह जोन 12 के एक्सईएन मुरारीलाल मीणा, जोन 7 के एक्सईएन नागरमल ने तथ्यात्मक कारण बताते हुए टेंडर जारी करने को उचित ठहराया है।

जोन 12 के एक्सईएन मुरारीलाल ने तो अजीब सी सफाई दी है। उनका कहना है कि उन्होंने जो आईटम के लिए बजट स्वीकृत कराया है वह बाढ़ नियंत्रण कक्ष के लिए तो नहीं लिया है लेकिन पेचवर्क और रिपेयर के कामों में लिया है।

जेडीसी ने दिए थे सख्त आदेश:-

जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने मीटिंग में सख्त आदेश दिए थे कि इस बार बाढ़ नियंत्रण कक्ष खोलने का काम केन्द्रीय स्तर पर होगा जो मुख्यालय के स्तर पर खुलेगा। हर बार की तरह एक नियंत्रण कक्ष बनीपार्क में फायर स्टेशन में होगा जबकि दूसरे आठ अलग अलग जोन में खुलेंगे। इनमें काम आने वाले सामान मड पंप, मिट्टी के कट्टे, जेसीबी, ट्रेक्टर ट्राली, पानी निकालने वाले पंप आदि होंगे। किसी भी जोन में कोई पानी भरने या अन्य समस्या आती है जो मुख्यालय के एसई, और एक्सईएन डिमांड पूरा करेंगे। कोई भी जोन अपने स्तर पर अलग से टेंडर कर खरीद नहीं करेगा।

जेडीए को राजस्व का नुकसान:-

एक ही काम के लिए अलग अलग टेंडर खोलने से जेडीए को करोडों रुपए के राजस्व का नुकसान होगा। जेडीए के मुख्यालय स्तर पर भी इसी काम के लिए टेंडर किए जाएंगे।ऐसे में एक ही काम के अलग अलग टेंडर करने से जेडीए को करोड़ों रुपए का नुकसान होगा। साथ ही धांधली भी होने की आंशका है।

मुख्यालय असंमजस में:-

जेडीए के बाढ़ नियंत्रण कक्ष में संसाधन जुटाने वाले एक्सईएन और एसई असंमजस में है कि वो किस तरह से संसाधन जुटाएं क्योंकि विभिन्न जोनों ने अपने स्तर पर भी बजट स्वीकृत करा लिया है। ऐसे में अब वो इन जोनों में काम आने वाले संसाधनों, डी वाटरिंग पंप, मड पंप, जेसीबी, मिट्टी के कट्वटे, कांधल मिक्स के कोल्ड डामर के कट्टे, आदि संसाधन किस तरह जुटाएं। ये अधिकारी यह भी समझ नहीं पा रहे हैं कि जोनल स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष के लिए खुलने वाले सब सेंटर भी खोले जाएं कि नहीं खोले जाए। इसे लेकर अब ये निदेशक अभियांत्रिकी से मार्गदर्शन लेंगे।

पांच चोरी के दुपहिया वाहन सहित आरोपी शाहरुख गिरफ्तार

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई पांच चोरीशुदा दुपहिया वाहन (मोटरसाइकिलें) बरामद की हैं। आरोपी रात के समय सुनसान स्थानों पर खड़े वाहनों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर

शाहरुख उर्फ मोटा निवासी भट्टा बस्ती को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई होंडा शाइन बाइक बरामद की गई, जबकि अन्य थाना क्षेत्रों से चोरी की गई चार और मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया।

चोरी के बाद वह वाहनों को सुनसान स्थानों पर छिपाकर उनके पुर्जे बेच देता था। आरोपी ने जयपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन चोरी की कई वारदातें करना भी स्वीकार किया है। पुलिस उससे अन्य मामलों में पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी दीपक त्यागी, हेड कांस्टेबल महेश कुमार, कांस्टेबल राकेश कुमार, महेंद्र कुमार, रिछपाल तथा साइबर सेल के ननछू राम की भूमिका रही।

पशु विभाग में फार्मासिस्ट पद सृजन की मांग

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री पशुधन निःशुल्क दवा योजना एक बार फिर चर्चा में आ गई है। राज्यभर में करोड़ों रुपये की लागत से संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत पशुपालकों को निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं, लेकिन योजना के संचालन में पंजीकृत फार्मासिस्टों की अनुपस्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। राजस्थान फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि राज्य के अधिकांश पशु चिकित्सा संस्थानों में दवाओं का भंडारण, रखरखाव एवं वितरण प्रशिक्षित और पंजीकृत फार्मासिस्टों के बजाय अन्य कर्मचारियों के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे दवा गुणवत्ता एवं पशु स्वास्थ्य प्रभावित होने का खतरा बढ़ सकता है।वर्ष 2012 से राज्य की पशु चिकित्सा इकाइयों में निःशुल्क दवा वितरण व्यवस्था बिना फार्मासिस्टों के संचालित की जा रही है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी का आरोपी मुस्ताक पांच दिन की रिमांड पर

- **चाय की दुकान की आड़ में गूगल मैप से भेजता था सेना की गतिविधियां**
- **लाइव फीड कैमरे लगाने की थी तैयारी**

जयपुर। सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान की ओर से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार मुस्ताक अली (26) को बुधवार सुबह जयपुर की अवकाशकालीन अदालत में पेश किया गया। जहां विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम संख्या-10 जयपुर महानगर प्रथम की अवकाशकालीन अदालत ने आरोपित मुस्ताक अली को पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया। सीआईडी इंटेलिजेंस ने सात दिन की रिमांड की मांग की थी। अब आरोपित मुस्ताक अली को 22 जून को पुनः न्यायालय में पेश किया जाएगा। पेशी से पूर्व आरोपित का जयपुरिया अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद सीआईडी इंटेलिजेंस की टीम उसे कोर्ट लेकर पहुंची।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार के अनुसार जांच में सामने आया है कि मुस्ताक पिछले दो वर्षों से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के हैंडलर्स के संपर्क में था। उसे जैसलमेर जिले के नाचना क्षेत्र में सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गतिविधियों पर नजर रखने का जिम्मा सौंपा गया था। इसी उद्देश्य से पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उसे मुख्य सड़क पर चाय की दुकान खुलवाने की सलाह दी थी। सीआईडी इंटेलिजेंस ने को जैसलमेर जिले के नाचना थाना क्षेत्र के खारिया गांव से उसे हिरासत में लिया था। सीआईडी इंटेलिजेंस के विशेष लोक अभियोजक सुदेश सत्वान ने बताया कि आरोपित के मोबाइल फोन से दो संदिग्ध नंबर मिले हैं।

डोर-टू-डोर सर्वे में अवैध विस्फोटक सामग्री जब्त, एक गिरफ्तार

- **अभियान के तहत खोह नागोरियान थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक दुकान संचालक को गिरफ्तार किया**

जयपुर। शहर में अवैध पटाखा एवं विस्फोटक सामग्री के भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खोह नागोरियान थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक दुकान संचालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध पटाखा एवं विस्फोटक सामग्री बरामद कर जब्त की है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजिता शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट जयपुर के निर्देश पर शहर में अवैध पटाखा एवं विस्फोटक सामग्री के भंडारण और निर्माण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में लगातार डोर-टू-डोर सर्वे एवं जांच अभियान संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के दौरान शंकर विहार कॉलोनी स्थित एक दुकान में

पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध पटाका व विस्फोटक सामग्री जब्त की।

बिना लाइसेंस एवं अनुमति के अवैध रूप से पटाखा तथा विस्फोटक सामग्री का भंडारण पाया गया। इस पर पुलिस ने दुकान संचालक हरज्योत सिंह (24) पुत्र नरेंद्र सिंह, निवासी शंकर विहार कॉलोनी, गोनेर रोड को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध सामग्री जब्त की गई है।

आरोपी से अवैध पटाखा एवं विस्फोटक सामग्री के स्त्रोत तथा भंडारण के संबंध में पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी प्रकाश राम के नेतृत्व में करीब 25 पुलिसकर्मियों की टीम ने क्षेत्र में व्यापक डोर-टू-डोर सर्वे किया। अभियान के दौरान लगभग 250 मकानों और कई कॉलोनियों की जांच की गई। पुलिस ने क्षेत्र में संचालित करीब 20 अवैध कबाड़, कटिंग और प्लास्टिक गोदामों को सील किया।

पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में जांच एवं सर्वे अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही मोहल्ला एवं कॉलोनी बैठकों के माध्यम से नागरिकों को अवैध कारोबार की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

सस्ते टूर पैकेज का झांसा देकर लाखों की साइबर ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित 'म्यूल हंटर अभियान' के तहत जयपुर पश्चिम की बिंदायका थाना पुलिस और साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया पर सस्ते टूर-ट्रैवल पैकेज का झांसा देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि बिंदायका थाना पुलिस और साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया पर सस्ते टूर-ट्रैवल पैकेज का झांसा देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले संगठित गिरोह के शातिर ठग नरेन्द्र सिंह निवासी सिरसी मोड़ जयपुर तथा मोहित सिंह निवासी सत्यम बिंदायका को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन और एक क्रेडिट कार्ड जब्त किया है। मोबाइल फोन की जांच में कई लोगों से की गई साइबर ठगी के महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं।

बिंदायका थानाधिकारी विनोद वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर आकर्षक और बेहद सस्ते टूर पैकेज के फर्जी विज्ञापन पोस्ट करते थे। जब लोग इन विज्ञापनों के झांसे में आकर एडवांस राशि ट्रांसफर कर देते, तो आरोपी उनके फोन उठाना बंद कर देते और मोबाइल नंबर ब्लॉक कर देते थे। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ठगी की रकम के स्त्रोत को छिपाने के लिए क्रेडिट कार्ड और पेट्रोल पंप संचालकों को कमीशन देकर नकद राशि प्राप्त करते थे। राष्ट्रीय साइबर समन्वय पोर्टल (एनसीआरपी) पर इनके खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों से कई शिकायतें दर्ज मिली हैं, जिससे बड़े स्तर पर साइबर धोखाधड़ी की आशंका जताई जा रही है।

सार-समाचार

शातिर वाहन चोर व नकबजन डेंगू गिरफ्तार

जयपुर। खोराबीसल थाना पुलिस ने मंदिरों,सूने मकानों और वाहन चोरी की वारदातों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए कुख्यात नकबजन एवं वाहन चोर रोहित सिंह उर्फ डेंगू (24) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से पिपली वाले बालाजी मंदिर से चोरी किया गया चांदी का छत्र, दानपात्र की नकदी तथा विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की गई चार मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि खोराबीसल थाना पुलिस ने कुख्यात नकबजन एवं वाहन चोर रोहित सिंह उर्फ डेंगू (24) निवासी फुलेरा जिला जयपुर हाल नाड़ी का फाटक जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने मंदिर चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर मंदिर से चोरी किया गया चांदी का छत्र और दानपात्र से चुराए गए 500 रुपए बरामद किए गए। इसके अलावा आरोपी की सूचना पर पुलिस ने चार चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। आरोपी ने दो बाइक विश्वकर्मा थाना क्षेत्र, एक करधनी थाना क्षेत्र और एक गलता गेट थाना क्षेत्र से चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने जयपुर के विभिन्न इलाकों में करीब आधा दर्जन अन्य चोरी की वारदातें करना भी कबूल किया है, जिनके संबंध में पूछताछ जारी है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस एक बार फिर मना रहा है "पापा हैं न" कैंपेन

मुंबई/जयपुर। पिताओं को अक्सर अपने बच्चों का रक्षक माना जाता है, लेकिन उनकी भूमिका सिर्फ उन्हें चुनौतियों से बचाने तक सीमित नहीं होती। आज के समय में कई पिता अपने बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से उनके लिए एक बेहद व्यवस्थित और नियंत्रित माहौल तैयार करते हैं, जहाँ दिनचर्या तय होती है और अनुभवों को भी सावधानी से चुना जाता है। यह सब उनके गहरे प्रेम और देखभाल का परिणाम होता है, लेकिन कई बार यही संरक्षण बच्चों को उन अनुभवों से दूर कर देता है, जो उनमें आत्मविश्वास, दृढ़ता और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करते हैं। पितृत्व की इसी बदलती सोच को सामने लाते हुए एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी लोकप्रिय डिजिटल प्रॉपर्टी (पापा हैं न) के तहत एक नया डिजिटल वीडियो कमर्शियल (डीवीसी) जारी किया है। यह नई डिजिटल फिल्म एक ऐसे पिता की कहानी बयाँ करती है, जो यह महसूस करता है कि बच्चे को भविष्य के लिए तैयार करने का मतलब उसे हर चुनौती से बचाना नहीं, बल्कि उसे खुद जीवन की राह पर चलना सिखाना है, ताकि वह गिरकर खुद संभलना सीख सके। डिजिटल फिल्म के लॉन्च पर बोलते हुए, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑफ ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और सीएसआर, रवींद्र शर्मा ने कहा, "आज पितृत्व के मायने बदल रहे हैं। सुरक्षा की भावना तो वही है, लेकिन आज के पिता यह समझने लगे हैं कि जीवन के सबसे मूल्यवान सबक अनुभवों से मिलते हैं। ब्रांड के मुख्य सिद्धांत से प्रेरित यह अभियान, बच्चों को सुरक्षा देने और उनमें आत्मविश्वास जगाने के बीच के बेहतरीन संतुलन को जीवंत करता है।

घुमन्तु युवा महाधिवेशन बीस को, तैयारियां जोरों पर

जयपुर। घुमन्तु जाति उत्थान न्यास एवं बड़ पीपली बालाजी धाम, झोटवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में घुमन्तु समुदाय के युवक-युवतियों का 20 जून को सीकर रोड स्थित मौजमहल रिसोर्ट में 20 जून को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक एक दिवसीय घुमन्तु युवा महाधिवेशन का आयोजन किया जाएगा। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांतप्रचारक बाबू लाल, मुख्य अतिथि बड़ पीपली बालाजी धाम के महंत प्रमेन्द्र नाथ महाराज होंगे। इस संबंध में बुधवार को अम्बाबाड़ी स्थित स्वस्तिक भवन में घुमन्तु कार्य के जयपुर महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाधिवेशन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही महानगर टोली के कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। महाधिवेशन में तीन सत्र होंगे। पहले सत्र में घुमन्तु कार्य के क्षेत्रीय संयोजक महावीर शर्मा एवं जयपुर महानगर महिला प्रमुख डॉ. अलका गोड़ के मार्गदर्शन में युवक एवं युवतियों की पृथक-पृथक बैठकें होंगी। द्वितीय सत्र में सभी युवक-युवतियों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांत प्रचारक बाबूलाल का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।बैठक में गोविंद शर्मा, नंदकिशोर, गणेश सैनी, चेतन कौशिक, श्याम नायक, हीरालाल गाडिय़ा लुहार, पीयूष तिवारी, डब्लू नायक, कृष्णा सिंगीवाल, नागेंद्र सिंह, सीताराम, किशनलाल बंसीवाल एवं नाथू सिंह सपेरा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप जयंती पर किया राष्ट्रभक्ति को नमन

जयपुर। वीर शिरोमणि, राष्ट्र गौरव एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की जयंती बुधवार को विभिन्न स्थानों पर मनाई गई।कार्यक्रमों में लोगों ने महाराणा प्रताप की वीरता और राष्ट्र भक्ति को नमन किया।इसी कड़ी में घुमंतू जाति उत्थान न्यास एवं हिन्दू शरणार्थी सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में सांगानेर के हल्दीघाटी मार्ग स्थित महाराणा प्रताप सर्किल पर जयंती समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने महाराणा प्रताप के अद्वितीय साहस, स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्र समर्पण की भावना को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।मुख्य अतिथि कर्नल देव आनंद लोहामरोड ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।समारोह की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. अजय सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक शासक नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य, साहस और कर्तव्य के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण राष्ट्रभक्ति के नारों और महाराणा प्रताप अमर रहें के उद्घोषों से गुंजायमान रहा।

भट्टारक जी की नसियां से रवाना हुआ धार्मिक यात्रा दल

जयपुर। दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में आयोजित 12 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल बुधवार को नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां से जयकारों के साथ रवाना हुआ। भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा, करुणा एवं शाकाहार के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए रवाना हुई यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

International Sushi Day: Celebrating Japan's Iconic Culinary Art

International Sushi Day, celebrated on June 18, honours one of Japan's most beloved and globally popular dishes. Sushi is far more than raw fish, it represents a centuries-old culinary tradition rooted in precision, balance and artistry. From classic nigiri and maki rolls to modern fusion creations, sushi showcases the harmony of rice, seafood and fresh ingredients. The day encourages food lovers to explore authentic Japanese flavours, support local sushi chefs and learn about sustainable seafood practices. Whether enjoyed at a fine restaurant or homemade with friends, sushi brings people together through taste, culture and creativity.

#SALVADOR DALI

"Royal Heart" Came to Life

It remains preserved at the Dalí Theatre-Museum in Figueres, where visitors can still witness its mesmerizing heartbeat in person

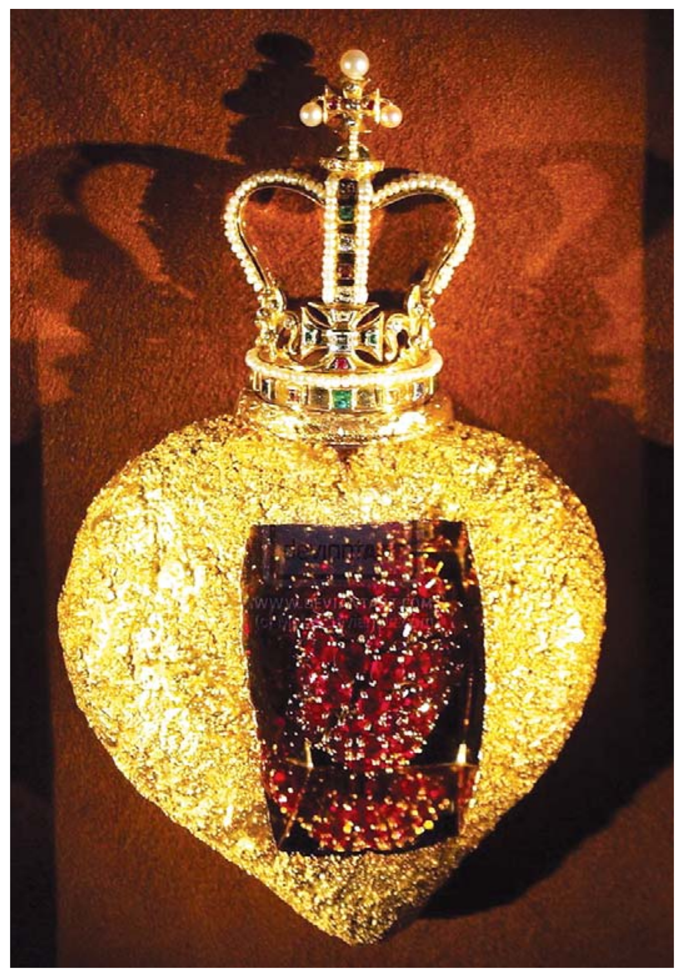

In 1953, the surrealist genius Salvador Dalí challenged the very idea of traditional jewelry by creating something entirely unprecedented. Convinced that conventional jewels were "dead," Dalí set out to design a piece that would embody life itself. The result was the legendary Royal Heart, a dazzling and imaginative masterpiece that blurred the line between art, engineering, and symbolism.

Crafted from 46 rubies, 42 diamonds, 4 emeralds, and gold, the Royal Heart was not just visually stunning, it was mechanically alive. Hidden within the brooch is a tiny, intricate mechanism that causes the rubies to expand and contract rhythmically, mimicking the pulsing beat of a real human heart. This innovation transformed static gemstones into a living, breathing artwork, unlike anything seen before in the world of jewelry. Dalí drew inspiration from royal iconography and the sacred heart imagery deeply rooted in his Spanish heritage. These influences are evident in the piece's dramatic form and emotional intensity, hallmarks of his surrealist vision. By combining symbolism with cutting-edge mechanics, Dalí elevated jewelry from mere decoration to a form of expressive, living art.

Unlike many masterpieces that pass through collectors' hands, the Royal Heart was never sold. Today, it remains preserved at the Dalí Theatre-Museum in Figueres, where visitors can still witness its mesmerizing heartbeat in person. The piece continues to captivate audiences, standing as a testament to Dalí's boundless creativity and his desire to push artistic boundaries.

More than just a jewel, the Royal Heart is a symbol of innovation and imagination, proof that the most powerful works of art are not merely observed, but experienced.

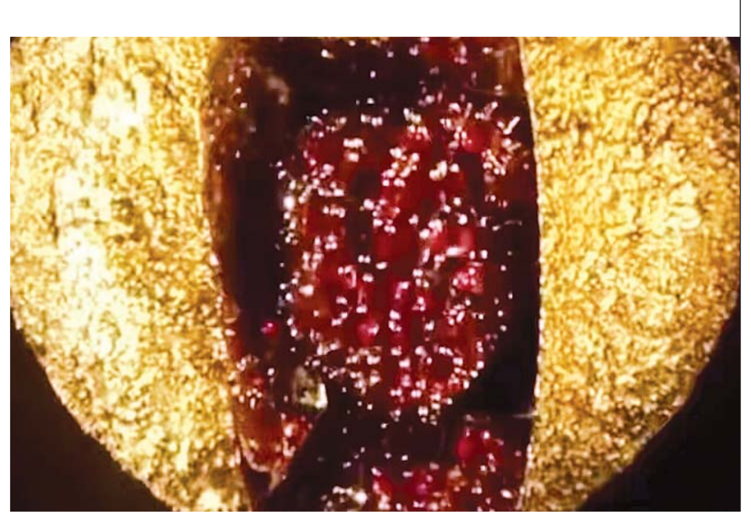

The Game Is The Science Essentially!

In Sooryavanshi's case, Dr. Niaz observes movement patterns commonly associated with elite baseball hitters. Before impact, the batter coils his body, creating separation between the rotation of his hips and shoulders. This movement stores potential energy in the muscles and connective tissues of the torso. At the moment of release, that stored energy is unleashed through a coordinated sequence of movements known as the kinetic chain. Force is generated from the ground, transferred through the legs, hips and core, before travelling through the shoulders, arms and ultimately into the bat. The concept is widely recognised in sports science. Whether it is a golfer driving a ball, a baseball player hitting a home run or a tennis player serving at over 200 kilometres per hour, the most powerful athletes generate force through efficient sequencing rather than raw strength alone.

#BRILLIANCE

Asif Ullah Khan
A veteran journalist who has written for The Khaleej Times and The Brunei Times

Dr. Nauman Niaz occupies a unique place in Pakistan's cricket discourse. Known to television audiences as a cricket broadcaster, analyst and historian of the game, he is, by profession, an internal medicine specialist, endocrinologist and diabetologist. Over the years, however, he has developed a reputation for bringing scientific concepts into cricket analysis, often explaining performances through physiology, biomechanics and sports science rather than relying solely on conventional cricketing wisdom.

As co-host of the popular YouTube programme *Caught Behind* alongside former Pakistan captain Rashid Latif, Dr. Niaz frequently offers perspectives that differ from those of former players. Where many analysts focus on technique, temperament or tactics, he often examines the physical and neurological mechanisms that underpin elite sporting performance.

It is therefore, perhaps, unsurprising that when discussing the extraordinary rise of teenage batting sensation Vaibhav Sooryavanshi, Dr. Niaz approached the subject from a scientific angle. While many observers have marvelled at the youngster's fearless stroke play and astonishing six-hitting ability, Dr. Niaz believes the explanation lies deeper than talent alone.

According to him, what cricket fans are witnessing is a rare convergence of genetics, biomechanics, neuromuscular development, visual processing and years of highly specialised training. In simple terms, Sooryavanshi's success is not merely the result of natural ability or youthful confidence. It is the product of a body and mind that appear unusually well suited to the demands of elite batting.

The fascination surrounding Sooryavanshi stems largely from one question: how can a 15-year-old generate the kind of power normally associated with fully developed international cricketers?

For Dr. Niaz, the answer begins with what he describes as a "genetic gift." This does not mean success is predetermined by biology alone. Rather, genetics may provide the foundation upon which skills are built. Certain athletes possess natural advantages in coordination, balance, reaction speed, flexibility and force generation. These qualities can be improved through training, but some individuals begin with a higher baseline than others.

Watching Sooryavanshi bat, Dr. Niaz sees evidence of such natural advantages. The teenager appears to possess exceptional hand-eye coordination and an unusual ability to synchronise visual information with physical movement. His balance remains stable even when attacking at full power, while his timing often seems effortless. These are characteristics that coaches spend years attempting to develop, yet, some athletes appear to acquire them almost instinctively.

The second component of Dr. Niaz's explanation involves neuromuscular development. Elite batting is fundamentally a reaction-based skill. A batter has only fractions of a second to judge line, length, pace and movement before deciding which shot to play.

According to Dr. Niaz, Sooryavanshi's years of repetition from an early age have likely created highly efficient neural pathways between his eyes, brain and muscles. Sports scientists often refer to this as motor learning or muscle memory, although the memory itself resides in the nervous system rather than the muscles.

When Sooryavanshi watches the ball leave the bowler's hand, his brain appears capable of processing information extremely quickly. This allows him to recognise length earlier than most players. The advantage may amount to only a few hundredths of a second, but at elite levels, such margins can be decisive.

Those additional moments provide more time to move into position, align the body correctly and execute a stroke. To spectators, the shot appears effortless. In reality, it is the result of highly refined neurological processing taking place at remarkable speed. Perhaps, the most fascinating aspect of Dr. Niaz's assessment concerns biomechanics, the science of how the body generates and transfers force.

Traditional cricket commentary often attributes six-hitting to strength. Dr. Niaz argues that this explanation is incomplete. Strength certainly matters, but elite power hitters rely on far more than muscular force alone.

In Sooryavanshi's case, Dr. Niaz observes movement patterns commonly associated with elite baseball hitters. Before impact, the batter coils his body, creating separation between the rotation of his hips and shoulders. This movement stores potential energy in the muscles and connective tissues of the torso.

At the moment of release, that stored energy is unleashed through a coordinated sequence of movements known as the kinetic chain. Force is generated from the ground, transferred through the legs, hips and core, before travelling through the shoulders, arms and ultimately into the bat.

Dr. Nauman Niaz

The concept is widely recognised in sports science. Whether it is a golfer driving a ball, a baseball player hitting a home run or a tennis player serving at over 200 kilometres per hour, the most powerful athletes generate force through efficient sequencing rather than raw strength alone.

Dr. Niaz believes Sooryavanshi possesses an unusually efficient kinetic chain for a player of his age. His lower body provides stability and generates force, while his upper body acts as a conduit for energy transfer. The result is extraordinary bat speed and power generation.

This may explain why many of his sixes travel distances that seem disproportionate to his physical size. Equally impressive is the youngster's balance. Modern batting increasingly rewards players who can attack without losing control. Many young power hitters struggle because aggressive intent causes them to become unstable at the point of contact.

According to Dr. Niaz, one of the defining features of his batting is dynamic balance, the ability to remain stable while moving explosively. His back leg often acts as a powerful anchor, absorbing force and maintaining equilibrium. Meanwhile, his centre of gravity remains remarkably controlled throughout the stroke.

This balance allows him to generate maximum power without compromising timing or consistency. It also explains why his aggressive strokes often appear technically sound despite their apparent audacity.

Another important observation concerns adaptability. Many young players can dominate junior cricket through a narrow range of strengths. Once opponents identify weaknesses, their performances decline. Dr. Niaz argues that Sooryavanshi's success appears rooted in underlying athletic qualities rather than a single technical advantage.

Because his game is built upon visual processing, balance, coordination and efficient movement patterns, he possesses attributes that can adapt to different conditions and formats. Such qualities are often more sustainable than success based purely on physical superiority. The psychological dimension is equally significant. Observers frequently describe Sooryavanshi as fearless. Dr. Niaz offers a different interpretation. He believes the youngster's confidence stems not from recklessness but from competence.

When a batter repeatedly judges length correctly, consistently finds the middle of the bat and trusts his movement patterns, confidence becomes a natural consequence. Self-belief emerges from repeated success rather than bravado.

This distinction matters because confidence built on skill tends to be more resilient than confidence built on emotion. It helps explain why Sooryavanshi appears remarkably composed despite operating under intense scrutiny and expectations.

One of the most intriguing aspects of Dr. Niaz's analysis is his warning about player development.

Modern cricket places enormous emphasis on fitness, strength training and athletic conditioning. While these elements are essential, Dr. Niaz cautions against excessive intervention that could disrupt the very qualities that make Sooryavanshi unique.

Athletes often possess highly individual movement patterns. Attempts to impose uniform techniques or physique standards can sometimes undermine natural advantages. Dr. Niaz argues that coaches should focus on enhancing Sooryavanshi's fitness, endurance and fielding without fundamentally altering his biomechanical strengths.

The objective should be refinement rather than reconstruction. This perspective reflects a broader trend in modern sports science, which increasingly emphasises optimising individual strengths rather than forcing athletes into standardised models.

For Dr. Niaz, the most encouraging aspect of Sooryavanshi's game is that his strengths are not confined to T20 cricket. While his power-hitting naturally attracts attention, the underlying traits he identifies, early ball recognition, balance, coordination, rotational efficiency and adaptability, are valuable across all formats.

Historically, some of the world's greatest batters have relied on similar foundations. The ability to judge length early, maintain balance under pressure and generate power through efficient movement patterns is as useful in Test cricket as it is in limited-overs formats.

That is why Dr. Niaz views Sooryavanshi as more than a teenage sensation or a social-media phenomenon. He sees the potential foundations of a complete batter capable of succeeding at the highest level. Of course, potential does not guarantee greatness. Cricket history is filled with prodigies who struggled to fulfil early promise. Technical challenges, injuries, changing circumstances and the pressures of expectation have derailed many gifted careers. Yet, what makes Sooryavanshi particularly intriguing is that the qualities identified by Dr. Niaz are not superficial. They are rooted in the fundamental mechanics of athletic performance.

Whether he ultimately becomes one of the game's leading batters remains uncertain. But if Dr. Niaz's analysis is correct, cricket fans may be witnessing something rarer than the emergence of a gifted teenager. They may be watching the development of an athlete whose genetics, neurology, biomechanics and skill acquisition have combined to produce one of the most fascinating batting talents of his generation.

rajeshsharma1049@gmail.com

#WORLD CUP

The Beautiful Game

If the script of the 2022 FIFA world cup final between France and Argentina had been submitted for a fantasy movie, it would have been rejected for being too unrealistic

● **Rakshat Hooja**

Argentina are the world champions, Messi, the greatest of our era, France can hold their head high, and football is the most beautiful of all games. These are the facts. The emotions that any football lover went through last evening cannot ever be put down on paper. As a commentator said, if the script of the 2022 FIFA world cup final between France and Argentina had been submitted for a fantasy movie, it would have been rejected for being too unrealistic.

Amazing as the story of the match itself was, and it was an rollercoaster tale of skill, brilliance, heart, joy, agony, and joy; Alvarez ran 13.6 km before being substituted, Varne fell to the ground as he was replaced after making last of his numerous clearances; it is a sense of history and a question of destiny that made this an epic to be remembered.

In 1986, I was in Beneras. A kid getting hooked to football, who watched Maradona's Argentina give up a 2-0 lead in the final. Voller equalised in the 85th minute, before Argentina won the world cup with a Burruchaga goal within two minutes. Then, like all true Indians who instinctively adopt a world cup team as if it's their own, I was supporting West Germany. But for kids, such heartbreaks are short lived! It was only later in life that I realised that I had seen a historic match and the cementing of the legacy of one of the greatest players ever.

36 years later, last evening, the doggies and the family put on the TV at home to see Argentina play some mesmerizing football and run up a 2-0 lead again, via Messi and De Maria. Such was the control of the Argentine side that France did not have a touch of the ball in the opponents D in the first half, let alone a shot on Target. By half-time, it seemed that the one trophy that had eluded Messi in his career would finally be his in his last world cup appearance. It's called half time for a reason, there is still more to come or as we say in India, *kahani abhi khatam nahi hui hai*. Midway through the second half, the commentators started talking about how Argentina had started tormenting France with a certain swagger and the defending champions were hardly able to get control of the ball. And suddenly, against the run of play, France had a penalty that Mbappe converted.

The dreaded commentators curse had hit and it would hit again for France to equalise with more Mbappe brilliance. A volley to remember for the ages. Game on and France in the ascendency. And then, Messi turned it on its head again to again give Argentina the lead in extra time, only to see France level it via a Mbappe penalty again! And Argentina, then, won it in penalties. Martinez making a save, and Messi and his teammates, all being on target. And we could all breathe, celebrate and may even shed a tear.

Messi dropped to the ground as teammates piled on him with joy. Among them was an interloper, Aguero, who ran in from the stands wearing Otamendi's shirt. Messi's strike partner and Maradona's son-in-law, Aguero, retired from football last year after a sudden diagnosis of a heart condition. He carried Messi on his shoulders with the team singing with them and the wall of light blue and white supporters in front of them who could argue that destiny is not real.

This was the greatest world cup final I have seen. Maybe, the best game ever. And this time, I am thankful for having witnessed history and seen Messi, one of the greatest to have ever laced up, achieve his and Argentina's dream.

RIP Maradona and well done Messi and Argentina!

THE WALL

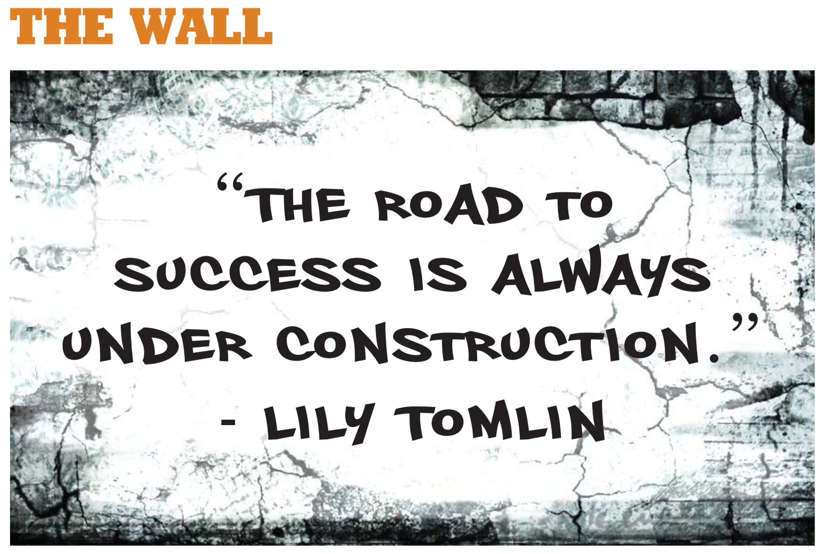

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

'सभी नागरिक महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रोत्थान का संकल्प लें'

हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने पर उदयपुर में ''राष्ट्र चेतना संकल्प सभा'' का आयोजन

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, निम्बार्काचार्य श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य आदि मौजूद रहे।

- **दुनिया में कहीं अकबर की जयंती नहीं मनाई जाती, जबकि महाराणा प्रताप का स्मरण आज भी जन-जन करता है : डॉ. मोहन भागवत**

उदयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का इतिहास पराधीनता का नहीं, बल्कि विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध निरंतर चले संघर्ष, प्रतिरोध और आत्मगौरव का इतिहास है। हल्दीघाटी का युद्ध केवल दो सेनाओं का युद्ध नहीं था, बल्कि राष्ट्रचेतना और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संपूर्ण समाज द्वारा लड़ा गया महासंग्राम था। हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर उदयपुर के गांधी ग्राउंड में प्रताप गौरव केन्द्र राष्ट्रीय तीर्थ के तत्वावधान में आयोजित विशाल ''राष्ट्र चेतना संकल्प सभा'' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी की विजय इसलिए हुई क्योंकि महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि यदि युद्ध के बाद भी शत्रु भय और असुरक्षा की स्थिति में रहा, तो वास्तविक विजय किसकी थी, इसका निर्णय इतिहास स्वयं करता है।

डॉ. भागवत ने कहा, दुनिया में कहीं अकबर की जयंती नहीं मनाई जाती, जबकि महाराणा प्रताप का स्मरण आज भी जन-जन करता है। इतिहास का यह लोकनिर्णय स्वयं बताता है कि विजय किसकी हुई थी। सरसंघचालक ने कहा कि भारत की शक्ति उसकी एकता, समरसता और आत्मविश्वास में निहित है। केवल संकट के समय ही नहीं, बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी समाज को संगठित और जागृत रहना होगा। उन्होंने कहा कि स्वाभिमान और 'स्व' का भाव जब तक जीवित रहेगा, तब तक भारत हर चुनौती का सामना करते हुए विजय की नई गाथाएं रचता रहेगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह का आव्हान करते हुए कहा कि सभी नागरिक महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रोत्थान, समाज संगठन और विश्वकल्याण का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि भारत का उत्थान ही विश्व के कल्याण का मार्ग है और इसी दिशा में कार्य करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

समारोह में विशिष्ट अतिथि निम्बार्काचार्य श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य ने कहा कि यह आयोजन केवल एक ऐतिहासिक स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का महापर्व है। उन्होंने कहा कि वर्षों से इतिहास के संबंध में फैलाई गई भ्रांतियों का निराकरण अब समाज के सामने हो रहा है और महाराणा प्रताप के वास्तविक गौरव को पुन: स्थापित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि हल्दीघाटी युद्ध के वास्तविक इतिहास को जन-जन तक पहुंचाया जाए और उन भ्रांतियों का निराकरण किया जाए जो वर्षों से समाज में प्रचारित की जाती रही हैं। डॉ. शर्मा ने समाज के सभी वर्गों से आव्हान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर हल्दीघाटी विजय के ऐतिहासिक सत्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। इससे पूर्व, आरंभ में प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने सभी का स्वागत करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति व समिति के अंतर्गत संचालित प्रताप गौरव केन्द्र का परिचय दिया। उन्होंने युवा पीढ़ी से हल्दीघाटी विजय का उद्घोष पूरे विश्व में गुंजाने का प्रण लेने का आव्हान किया।

राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में मेवाड़-वागड़ के कई संत-महंतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भागीरथ चौधरी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन सिंह राठौड़, सांसद सीपी जोशी, डॉ. मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया, धरोहर संरक्षण प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत आदि उपस्थित थे। विशेष रूप से नाथद्वारा विधायक व मेवाड़ राजपरिवार के महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ भी उपस्थित थे। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ भी सभा में उपस्थित थीं।

झुंझुनूं में अन्नपूर्णा रसोई योजना में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया

जिले की तीन संस्थाओं को स्वायत्त शासन विभाग ने ब्लैकलिस्ट किया

झुंझुनूं, (निसं)। गरीब और जरूरतमंद लोगों को सस्ती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए संचालित अन्नपूर्णा रसोई योजना में फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। गरीबों के नाम पर सरकारी धन हड़पने की कोशिश करने वाली झुंझुनूं जिले की तीन संस्थाओं पर स्वायत्त शासन विभाग ने कार्रवाई करते हुए उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया है। साथ ही प्रत्येक संस्था पर एक-एक लाख रुपए की पेनल्टी भी लगाई गई है।

कार्रवाई के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर संस्थाओं ने ऐसे-ऐसे तर्क दिए, जिन्हें पढ़कर विभागीय अधिकारी भी चौंक गए। विभाग ने इन जवाबों को असंतोषप्रद, अतार्किक और तथ्यहीन मानते हुए खारिज कर दिया। विभाग की आईटी टीम ने मार्च और अप्रैल माह में काटे गए भोजन कूपनों की जांच की। जांच में सामने आया कि झुंझुनूं नगर परिषद क्षेत्र की रसोई संख्या 1520 और पिलानी नगर पालिका क्षेत्र की रसोई संख्या 1271 में एक ही फोटो की फोटो खींचकर नए लाभार्थी दिखाए गए और फर्जी कूपन काटे गए, ताकि अधिक से अधिक भुगतान उठाया जा सके।

जब झुंझुनूं की रसोई संचालित करने वाली संस्था से जवाब मांगा गया तो उसने दावा किया कि कच्ची बस्तियों और झुग्गी-झोपड़ियों के लोग प्रतिदिन भोजन करने आते हैं। इसलिए फोटो एक जैसी दिखाई दे रही हैं। विभाग ने इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसी तरह पिलानी की रसोई में गड़बड़ी सामने आने पर संचालक संस्था ने पूरा दोष कंप्यूटर ऑपरेटर पर मढ़ दिया। लेकिन विभाग ने साफ कहा कि फर्जी कूपनों का आर्थिक लाभ संस्था को मिलता है। कंप्यूटर ऑपरेटर को नहीं। सबसे दिलचस्प जवाब चिड़ावा नगरपालिका क्षेत्र की रसोई संख्या 439 के मामले में सामने आया। यहां जांच में पाया गया कि लाभार्थियों की पुरानी तस्वीरें सुरक्षित रखकर उन्हें बार-बार अपलोड कर फर्जी कूपन काटे गए। इस पर संस्था ने सफाई दी कि उनके यहां आने वाले लाभार्थी इतने गरीब हैं कि उनके पास पर्याप्त कपड़े नहीं हैं और वे रोज एक ही कपड़े पहनकर भोजन करने आते हैं। विभाग ने इस जवाब को भी तथ्यहीन और हास्यास्पद मानते हुए खारिज कर दिया। तीनों मामलों में दोषी पाई गई संस्थाओं को ब्लैकलिस्ट करते हुए संबंधित निकायों को रसोई संचालन नियमित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एक-एक लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। यह राशि संस्थाओं के बिलों से समायोजित की जाएगी या फिर पीडीआर एक्ट के तहत वसूली जाएगी। जानकारों का कहना है कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा'' संकल्प के अनुरूप की गई है। कार्रवाई के बाद जिलेभर में अन्नपूर्णा रसोई संचालित करने वाली संस्थाओं में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं चर्चा है कि अन्य रसोइयों की जांच में भी इसी तरह की गड़बड़ियां सामने आ सकती हैं।

श्रीडूंगरगढ़ में हुये हादसे में दूसरे घायल ने भी दम तोड़ा

- **दो दिन में हुये सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत हो चुकी है**

बीकानेर, (निसं) जिले के श्रीडूंगरगढ़ में कालू रोड पर मंगलवार शाम हुए सड़क हादसे में घायल दूसरे सगे भाई की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में पहले रामकुमार सारस्वत की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल उनके भाई देवकरण उर्फ रामरख सारस्वत को पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया था। बुधवार को उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इसके साथ ही इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

देवकरण (रामरख) के साथ पीबीएम अस्पताल पहुंचे परिजनों ने ट्रॉमा सेंटर पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि समय पर उचित उपचार नहीं मिलने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। हालांकि इस मामले में अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कालू रोड पर गुसाईंसर बड़ा के पास मारुति एर्टिका कार और पिकअप-कैम्पर के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई थी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार राजेरा गांव निवासी रामकुमार सारस्वत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके भाई देवकरण उर्फ रामरख गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद पिकअप वाहन भी पलट गया। हादसे में गांव सातलेरा निवासी गिरधारीलाल जाखड़, उनकी पत्नी शारदा जाखड़, बेनीसर निवासी संतोष जाखड़ और श्रीडूंगरगढ़ निवासी गौरव टाडा भी घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार कराया गया और गंभीर घायलों को बीकानेर रेफर किया गया। हादसे की सूचना मिलते ही डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम वेलफेयर सोसायटी और आपणों गांव सेवा समिति की एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। सेवादारों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को श्रीडूंगरगढ़ उपजिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद पांचों घायलों को बेहतर इलाज के लिए बीकानेर रेफर किया गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक गिरधारीलाल महिया, विधायक ताराचंद सारस्वत के पुत्र शिव सारस्वत, आरएलपी नेता विवेक माचरा, दलित नेता राजेंद्र बापेऊ और कॉमरेड सीमा जैन सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता पीबीएम ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। सभी ने घायलों और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। लगातार दो दिनों के भीतर सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत ने पूरे श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। इससे पहले सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की जान चली गई थी। अब कालू रोड हादसे में दो सगे भाइयों की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और लोग लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर चिंता जता रहे हैं।

बीकानेर के पीबीएम में प्रसूताओं की किडनी फेल होने के मामले की दिल्ली एम्स ने समीक्षा की

- **नई दिल्ली एम्स की हाई लेवल विशेषज्ञ समिति और बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सीनियर डॉक्टरों के बीच वर्चुअल बैठक हुई**
- **बैठक में एम्स की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा ने पूरे मामले की समीक्षा की।सामने आया कि पीबीएम में भर्ती प्रसूताओं की हालत पहले से ही गंभीर थी**

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल में गंभीर प्रसूताओं के मामले में अब देश के सबसे बड़े मेडिकल एक्सपर्ट्स की एंट्री हो गई है। नई दिल्ली एम्स की हाई लेवल विशेषज्ञ समिति और बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सीनियर डॉक्टरों के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण टेली कंसल्टेशन (वर्चुअल) बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल भी वर्चुअल शामिल हुए।

जानकारी के अनुसार मंत्री मेघवाल पीबीएम अस्पताल पहुंचे थे, तब उन्होंने पीड़ित परिवारों से वादा किया था कि वे इस मामले में देश के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों का मार्गदर्शन दिलवाएंगे। महज 48 घंटे के भीतर दिल्ली एम्स के निदेशक ने चार सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की एक हाई लेवल कमेटी गठित कर दी, जिसने मंगलवार को सीधे बीकानेर के डॉक्टरों से संवाद किया। बैठक में एम्स की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा ने पूरे मामले की समीक्षा की। सामने आया कि पीबीएम अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं की हालत पहले से ही अत्यधिक गंभीर थी। इन महिलाओं ने प्रसव से पहले (एंटीनेटल) न तो जरूरी चेकअप करवाए थे और न ही समय पर आवश्यक दवाइयां ली थीं। जब इन्हें निचले अस्पतालों से पीबीएम रेफर किया गया, तब इनका हीमोग्लोबिन बेहद कम और ब्लड प्रेशर खतरनाक स्तर तक बढ़ा हुआ था। जटिलताएं अधिक होने के कारण केस बिगड़े।

एम्स की कमेटी ने इस बैठक में बीकानेर संभाग के चिकित्सा ढांचे को लेकर एक बड़ा सुझाव दिया है। डॉ. नीना मल्होत्रा ने कहा कि भविष्य में ऐसे गंभीर मामलों को रोकने के लिए ग्रामीण और ब्लॉक स्तर के चिकित्सा संस्थानों जैसे पीएचसी, सीएचसी और अन्य निचले अस्पतालों को और अधिक सुदृढ़ करने की जरूरत है, ताकि मरीजों को शुरुआती स्तर पर ही सही इलाज और सलाह मिल सके। प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा (विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग की अध्यक्षता में गठित एम्स की टीम में प्रो. डॉ. विमी रेवारी (एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ), प्रो. डॉ. संदीप महाजन, प्रो. डॉ. हेमचंद्र पांडे शामिल थे। मेडिकल कॉलेज की टीम में प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र वर्मा के साथ डॉ. परमिंदर सिरोही, डॉ. जितेंद्र फलोदिया, डॉ. रवि चांडक, डॉ. जिनेश, डॉ. खेताराम, डॉ. सुमन बुडानिया सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे। बीकानेर के डॉक्टरों के लिए राहत की बात यह रही कि एम्स की विशेषज्ञ टीम ने पीबीएम अस्पताल द्वारा अब तक किए गए इलाज और केयर पर पूरी तरह संतोष जताया।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बैठक में बताया कि पीबीएम के वरिष्ठ व अनुभवी डॉक्टरों की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। इसका असर यह है कि दो गंभीर प्रसूताओं की स्थिति में अब तेजी से सुधार हो रहा है और उन्हें आने वाले कुछ दिनों में अस्पताल से डिस्चार्ज (छुट्टी) कर दिया जाएगा।

हादसे में युवक की मौत

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले के रिफाइनरी क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब पचपदरा से बाडमेर जा रही एक बस ने साभंरा के पास बाइक को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान रमेश पुत्र शोमाराम भील निवासी साभंरा के रूप में हुई है। रमेश साभंरा स्थित बालाजी गौशाला में कार्यरत था और गौशाला में दूध सप्लाई का काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की टक्कर इतनी जोरदार थी कि रमेश गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पचपदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एनजीटी के आदेशों की पालना व ओवरलोड ट्रकों को बंद करवाने की मांग

- **जोधपुरा संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना 1286 वें दिन जारी भी रहा**
- **'अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के ओवरलोड वाहनों से ग्रामीणों को भारी परेशनी का सामना करना पड़ रहा है'**

कोटपूतली, (निसं)। जोधपुरा संघर्ष समिति द्वारा दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार 1286 वें दिन भी जारी रहा। समिति द्वारा एनजीटी के आदेशों की पालना व गांव की आबादी से गुजरने वाले ओवरलोड ट्रकों को पूर्णत: बंद करवाने की मांग को लेकर बुधवार को जिला कलैक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

सचिव कैलाश यादव व उपाध्यक्ष सतपाल यादव ने बताया कि एनजीटी के आदेशों की पालना नहीं होने एवं अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के ओवरलोड वाहनों से ग्रामीणों को भारी परेशनी का सामना करना पड़ रहा है। प्लांट के निकट आबादी क्षेत्र में संचालित क्रेशर एवं खनन क्षेत्र में होने वाली ब्लास्टिंग के कारण स्थानीय ग्रामीणों का जीवन अत्यंत प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा अनेक बार प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा भी ग्रामीणों के पक्ष में आदेश पारित किए जा चुके हैं, किन्तु उनका प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। वर्तमान में प्लांट परिसर एवं खनन क्षेत्र तथा क्रेशर क्षेत्र में रात्रिकाल में हाई मास्ट लाईटों के अत्यधिक उपयोग से आसपास के निवासियों की नींद प्रभावित हो रही है। साथ ही धूल एवं प्रदूषण के कारण बच्चों, बुजुर्गों तथा अन्य ग्रामीणों में एलर्जी, दमा एवं श्वास संबंधी बीमारियों की शिकायतें बढ़ रही हैं। एनजीटी न्यायालय ने आबादी, स्कूल व मंदिर से 500 मीटर की दूरी छोड़कर ब्लास्टिंग किए जाने के आदेश दिए हैं, फिर भी अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा 250 से 300 मीटर की दूरी पर ब्लास्टिंग की जा रही है। सीमेंट प्लांट से संबंधित ओवरलोड ट्रक एवं भारी वाहन ग्रामीण सड़क से गुजरते हैं, जिससे अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न होता है। यह सड़क मूल रूप से ग्रामीण उपयोग हेतु निर्मित है तथा इसके आसपास आबादी, विद्यालय एवं खेल मैदान स्थित हैं। भारी वाहनों के आवागमन से दुर्घटना का गंभीर खतरा बना रहता है तथा ग्रामीणों में भय एवं असुरक्षा का वातावरण है।

सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने सीमेंट प्लांट एवं क्रेशर से संबंधित ओवरलोड वाहनों की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही, आबादी क्षेत्र, विद्यालय एवं खेल मैदान के निकट से भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल रोक अथवा वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करने, एनजीटी के आदेशों की प्रभावी पालना, रात्रिकालीन ध्वनि एवं प्रकाश प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित करने, ग्रामीणों के जीवन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की रक्षा हेतु आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाने की मांग की हैं।

राधेशाम शुक्लावास ने कहा कि यदि शीघ्र उचित कार्यवाही नहीं की जाती है तो ग्रामीण लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन अब सड़क पर बैठक करने के लिए बाध्य होंगे। आबादी व स्कूल के बीचों बीच भारी वाहनों को नहीं चलने दिया जायेगा। ऐसी स्थिति में कानून-व्यवस्था संबंधी किसी भी अप्रिय परिस्थिति की जिम्मेदारी प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों की होगी। इस दौरान कृष्ण रावत, भूपसिंह धानका, ग्यारसी लाल सहित जोधपुरा संघर्ष समिति के अनेक लोग मौजूद रहे।

चेन चोरी का खुलासा, दो महिलायें गिरफ्तार

सरवाड़/ अजमेर। सरवाड़ कस्बे में आयोजित अमृतराम महाराज की कथा के दौरान महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चेन भी बरामद की है। फिलहाल दोनों महिलाओं से पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार, सरवाड़ के खिरिया गेट स्थित माली भवन में आयोजित अमृतराम महाराज की कथा के दौरान माया देवी माली और विमला देवी शर्मा के गले से सोने की चेन चोरी हो गई थी। दोनों महिलाओं ने सरवाड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कथा सुनने के दौरान अज्ञात लोगों ने उनके गले से चेन पार कर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दिल्ली निवासी चांदनी और अंबिका को कोटा से हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों महिलाओं को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चेन बरामद कर ली गई है। मामले में अन्य वारदातों और संभावित सहयोगियों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

मसूदा के पुराने बस स्टैंड पर जाम से परेशानी

मसूदा, (निसं)। मसूदा का पुराना बस स्टैंड और आसपास का क्षेत्र इन दिनों अव्यवस्थित पार्किंग के कारण गंभीर यातायात समस्या का सामना कर रहा है। सड़क किनारे खड़े वाहनों के चलते दिनभर जाम जैसे हालात बने रहते हैं और आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। मुख्य बाजार और प्रशासनिक केंद्र होने के कारण इस क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बसों, टैक्सियों, ऑटो रिक्शा, टेम्पो और निजी वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से चालक सड़क किनारे ही वाहन खड़े कर सवारियां भरते हैं। इससे मार्ग संकरा हो जाता है और बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है।

बूंदी के भोपतपुरा गांव के लोगों ने गिद्धों को बचाने की अभिनव पहल शुरु की

भोपतपुरा के रेंजर जनक सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर गिद्धों के भोजन के लिए व्यवस्था की।

- **एक साल से जंगल में बसे सुंठी गांव के निकट गिद्धों के भोजन के लिए मृत स्वस्थ नर मवेशियों को डालने की शुरुआत की**
- **राज्य में बढ़ रही है गिद्धों की तादात, लेकिन इनके पुनर्वास के लिए योजना नहीं बनी है**

बूंदी, (निसं)। हाड़ौती सहित राजस्थान में लगभग 30 साल पहले तक बड़े आकार वाले गिद्ध पक्षी हर गांव और शहर के आसपास सहज रूप से नजर आ जाते थे। सड़क किनारे किसी मृत जानवर की खाल उतारने से पहले ये पक्षी आकाश में मंडराते हुए आसपास जमा हो जाते और तत्काल मृत शरीर पर टूट पड़ते। देखते ही देखते चंद घंटों में पूरे मवेशी के मांस को खाकर उसे कंकाल में बदल देते थे। जंगल या खेत के ऊपर यदि कोई गिद्ध समूह चक्कर लगाता दिखता तो लोग अनुमान लगा लेते थे कि वहां कोई मवेशी मरा हुआ है। तीन दशक पहले तक आसमान में गोल-गोल चक्कर काटते गिद्धों का समूह दिखना एक आम बात थी, लेकिन देखते ही देखते अचानक से ये पक्षी गायब हो गए और जो बचे वो भी गांव शहर से दूर पहाड़ी कंदराओं तक सिमट कर अपनी प्रजाती का अस्तित्व बचाने की मशक्कत कर रहे हैं।

विलुप्त होने के गंभीर संकट के बीच इन्होंने जंगल में वन्यजीवों की मौत या किसी हिंसक जीव के बचे शिकार से अपना अस्तित्व बचाए रखा, लेकिन जंगलों में भी अब वन्यजीवों की संख्या कम होने से ये पक्षी भूख-प्यास से दम तोड़ने लगे हैं जो एक चिंतनीय पहलू है। यदि समय रहते इनके भोजन व संरक्षण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वो दिन दूर नहीं जब केवल ये पक्षी चित्रों में ही देखने को मिलेंगे।

कागजों से बाहर नहीं निकला गिद्ध बचाओ अभियान :-राजस्थान के जंगलों में तीन दशक पहले गिद्धों की सभी प्रजातियां मौजूद थी, लेकिन अचानक से इनके गायब होने के बाद गिद्ध संरक्षण के लिए बनी योजनाओं पर राज्य में बीकानेर के अलावा अन्य जगहों पर कोई उल्लेखनीय काम नहीं हुआ। इस मामले में मध्यप्रदेश में सराहनीय प्रयास हुए हैं, जिससे वहां गिद्धों के संरक्षण की प्रभावी योजना बनी है। राजस्थान में हाड़ौती के सभी जिलों में इनकी मौजूदगी दर्ज की गई है। कोटा, झालावाड़ व बारां के अलावा बूंदी की चंबल नदी घाटी, बरड़, भीमलत, कालदां, तलवास, व रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में इनकी तीन-चार प्रजातियां बची हुई हैं जिनके लिए कार्य योजना बनाई जानी चाहिए।

भोपतपुरा रेंजर ने की गिद्ध संरक्षण की पहल, किए पुख्ता प्रबंध :-जिले के रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन भीमलत क्षेत्र में गिद्धों की उपस्थिति को देखते हुए भोपतपुरा के रेंजर जनक सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर अभिनव पहल की है। एक साल से जंगल में बसे सुंठी गांव के निकट गिद्धों के भोजन के लिए मृत स्वस्थ नर मवेशियों को डालने की शुरुआत की। इसके लिए उन्होंने ग्रामीणों से समझाइश कर मृत मवेशी की सूचना देने का अनुरोध किया। मृत मवेशी डालने का काम भी वन विभाग ही करता है तथा कैमरे लगाकर इसकी निगरानी भी की जा रही है। इसके परिणाम भी सुखद रहे और क्षेत्र में इन दुर्लभ जीवों की संख्या बढ़ने लगी है। आवश्यकता इस बात की है कि इस तरह के प्रयोग सरकारी स्तर पर अन्य गिद्ध उपस्थिति वाले क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए।

हाईवे की सर्विस रोड पर खड़े ट्रेलर में आग लगी, बड़ा हादसा टला

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर पाथरेड़ी पुलिया के समीप सर्विस रोड पर खड़े एक ट्रेलर में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर सर्विस रोड किनारे खड़ा था, तभी उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने ट्रेलर के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। बाद में कोटपुतली नगर परिषद व पावटा प्रागपुरा नगरपालिका दमकल कर्मियों की सहायता से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। वहीं प्रागपुरा थाना पुलिस व सरुंड थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

प्रागपुरा थाना पुलिस एएसआई कंवर सिंह ने बताया कि सुबह 11.50 पर ट्रेलर में आग लगने की सूचना मिली जिस पर मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की व ट्रेलर नंबरों से मालिक का पता लगाकर उसको सूचना दी गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट अथवा तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। घटना में ट्रेलर को आंशिक नुकसान पहुंचा है। राहत की बात यह रही कि आग लगने के समय ट्रेलर के आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। घटना के दौरान कुछ समय के लिए सर्विस रोड पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन प्रशासन और स्थानीय लोगों की तत्परता से स्थिति जल्द ही सामान्य कर दी गई। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने हाईवे और सर्विस रोड पर खड़े भारी वाहनों की नियमित जांच तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला

लालसोट। मंडावरी कस्बे में मंगलवार देर शाम पुरानी रंजिश के चलते गुडला निवासी भूर सिंह गुर्जर पर करीब एक दर्जन लोगों ने हमला कर दिया। हमले में भूर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने एम्बुलेंस की सहायता से मंडावरी उप जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। घायल के भतीजे धर्म सिंह गुर्जर ने आरोप लगाया कि उनके चाचा मंडावरी में निजी कार्य से आए थे, तभी 10-12 लोगों ने पत्थरों, लाठियों, डंडों और सरियों से हमला कर दिया। आरोप है कि घायल होकर गिरने के बाद उन पर भारी पत्थर भी फेंका गया। परिजनों का कहना है कि पहले भी आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई थी । मंडावरी थाना अधिकारी सुधीर उपाध्याय ने बताया कि पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत होता है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सात पुलिस टीमों तथा एक जिला स्पेशल टीम का गठन कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

महाराणा प्रताप की वीरता से भरे इतिहास को कभी भुलाया नहीं जा सकता : संजय शर्मा

अलवर। वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर मोती डूंगरी स्थित स्मारक पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संजय शर्मा ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की और पौधरोपण कर

■ मोती डूंगरी पर स्थित महाराणा प्रताप प्रतिमा पर वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने माल्यार्पण किया

वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती मोती डूंगरी स्थित स्मारक पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संजय शर्मा की मौजूदगी में मनाई गई।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और 'महाराणा अमर रहे' के जयकारे लगाए।

इस अवसर पर वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने महाराणा प्रताप को स्मरण करते हुए कहा कि शौर्य, त्याग, पराक्रम, देशभक्ति और दृढ़ प्रण की पहचान महाराणा प्रताप का जीवन और उनके वीरता से भरे इतिहास को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रेरणा स्त्रोत, मातृभूमि भक्त महान योद्धा महाराणा प्रताप राष्ट्र की अस्मिता के प्रतीक हैं। वीर प्रसूता भूमि राजस्थान के शूरवीरों की पंक्ति में उनका नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। मंत्री शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप, राणा सांगा, पृथ्वीराज चौहान, रानी लक्ष्मीबाई जैसे शूरवीर हमारे आइडल हैं, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए विदेशी आक्रांताओं को लोहे के चने चबवाए थे। इन महान राष्ट्रभक्तों ने देश की आन-बान की रक्षा करते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने युवा पीढ़ी से आ ान किया कि इन राष्ट्रभक्तों से देशभक्ति की प्रेरणा लेकर देश को विकास के मार्ग पर अग्रसर करने में सहयोग करें।

कलश यात्रा व हवन-यज्ञ के साथ महोत्सव संपन्न

निवाई। कृष्णा कॉलोनी के पास मालियों की ढाणी में माली समाज के हलसोरा गोत्र के तत्वावधान में सती माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य धार्मिक आयोजन श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के महिला-पुरुषों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया। महोत्सव की शुरुआत कलश यात्रा के साथ हुई, जिसमें महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाते हुए शामिल हुईं। इसके पश्चात वैदिक आचार्य केदारनारायण शास्त्री द्वारा अन्य आचार्यों के साथ मंत्रोच्चार के द्वारा हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सती माता की मूर्ति की स्थापना की गई। समारोह के अंत में महा आरती करके श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, संस्कार एवं धार्मिक आस्था को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

सड़क की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गांव मोटूका में आजादी के 50-60 साल बाद भी पक्की सड़क नहीं बनने से आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया एवं शंकरलाल सैनी के नेतृत्व में सडक़ बनवाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर टीना डाबी को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द सीसी रोड या डामर की सडक बनवाने की मांग की। ठामीणों ने बताया कि पिछले 50-60 वर्षों से गाँव में सडक़ नहीं होने से उन्हें आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। प्रशासन द्वारा कोई सुनवाई नहीं होने पर पूर्व में समस्त ग्रामवासियों नेचंदा इक-ा करके खुद के खर्चे पर ठोवल रोड का निर्माण करवाया था। अब ग्रामीण इस सड़क को सीसी रोड या डामरीकरण करवाने की मांग कर रहे हैं। जिस पर

■ आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध प्रदर्शन कर सडक़ बनवाने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

एडीएम ने ठामीणों की समस्या को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि आगामी 10 दिनों के भीतर सडक़ निर्माण का कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि यदि आश्वासन के मुताबिक 10 दिन में काम शुरू नहीं हुआ, तो वे आगे उठा आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में शंकरलाल सैनी, मंगल सैन, बद्री गुर्जर व अंकित शर्मा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

जीर्णोद्धार कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न

प्राचीन रघुनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ

रिंगस। प्राचीन रघुनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण प्रांतीय सभा महिला कार्यकारिणी की अध्यक्ष डॉ. मीना गौतम, संगठन मंत्री विमलेश गौतम एवं सांस्कृतिक मंत्री डॉ. सीमा गौतम का समाज की महिलाओं द्वारा दुपट्टा ओढ़ाकर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सोनू शर्मा, कविता शर्मा, सरिता शर्मा सहित अनेक समाजसेवी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। हाथोज धाम के पूज्य महंत बालमुकुंदाचार्य जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के केंद्र ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। डॉ. मीना गौतम ने मंदिर जीर्णोद्धार कार्य में सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं, कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने भी समाजहित एवं धर्महित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति एवं श्रद्धा का वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर मंदिर जीर्णोद्धार कार्य के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं तथा आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

देवली में साफ-सफाई के हालात बदतर

देवली। शहर में गुरुद्वारा के सामने,जनता कॉलोनी, गांधी पार्क जैन मंदिर, पटेल नगर शिगलीकर बस्ती,खटीक मोहल्ला बैरवा मोहल्ला,एजेंसी एरिया के पशु चिकित्सालय मार्ग सहित,इत्यादि क्षेत्र के हालात इतने खराब हैं कि लोग यहां पडी गंदगी और कचरे के ढेर के बीच से निकलने को मजबूर हो रहे हैं। यहां मौजूद प्रशासन की नाकामी के कारण, शहर में फैली गंदगी और कचरे के ढेरो से उठने वाले संक्रमण और बीमारियों का खतरा हर समय आमजन के बीच मंडराता रहता है। अगर स्वच्छ भारत अभियान के रहते बात करें तो देवली शहर में इन दिनों साफ-सफाई के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। देवली शहर में पिछले कई दिनों से नगरपालिका की कचरा उठाने वाली गाडियां नजर नहीं आ रही हैं। जिसके कारण गलियों और सडकों पर कचरे के विशाल ढेर जमा हो गए हैं। शहर के प्रत्येक वार्ड निवासियों का आरोप है कि नगर पालिका और उपखंड कार्यालय में बार-बार शिकायत करने के बावजूद, जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। और इसी कारण बदबू और गंदगी से लोगो का जीना दुस्वार हो गया है।

आर्यिका श्रुतमति व सुबोधमति माताजी का निवाई में मंगल प्रवेश

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोधमति माताजी ससंघ का गाजे बाजे के साथ शहर में मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि बुधवार को जैन समाज के श्रद्धालुओं ने आर्यिका माताजी के समक्ष श्रीफल चढ़ाकर निवाई प्रवेश के लिए निवेदन किया। उन्होंने बताया कि आर्यिका रत्न आदिमति माताजी की शिष्या आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोधमति माताजी ससंघ बायपास स्थित पुलिया से गाजे बाजे एवं जुलूस के साथ रवाना हुए। आर्यिका संघ जयधोष के साथ रवाना होकर अग्रवाल जैन मंदिर पहुंचा, जहां विराजमान मुनि विलोकसागर महाराज एवं मुनि विबोधसागर महाराज संघ का आर्यिका संघ ने चरण वन्दना की। इस दौरान आर्यिका माताजी संघ ने भगवान शांतिनाथ जी के दर्शन किए, उसके बाद जुलूस अठावाल जैन मंदिर से रवाना होते हुए अहिंसा सर्किल, बड़ा बाजार, बड़ा जैन मंदिर, बिचला जैन मंदिर होकर संत निवास नसिंया जैन मंदिर पहुंचा। इससे पूर्व मार्ग में धर्मचंद, दिनेश कुमार, राकेश चंवरिया व मोहित चंवरिया ने माताजी के चरण प्रक्षालन किए। इसके पश्चात जुलूस नसिंया जैन मंदिर पहुंचा, जहां पर दिनेश चंवरिया, महेन्द्र चंवरिया, सुशील आरामशीन, विष्णु बोहरा, अशोक भाणजा, सुरेश माधोराजपुरा, राजेन्द्र जैन, पवन बोहरा, विमल जैन, अनिल भाणजा, सुनिल जैन व राजेश जैन सहित कई श्रद्धालुओं ने आर्यिका संघ के चरण प्रक्षालन एवं आरती करते हुए अगुवानी की। संत निवास पर आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोधमति माताजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि धर्म का सम्बन्ध शरीर से नहीं आत्मा से है। धर्म मन वचन और काय की पवित्रता में है। आर्यिका सुबोधमति माताजी ने कहा कि धर्म एक ऐसा मित्र हैं जिसने आज तक न धोखा दिया है न दे रहा है और न कभी भविष्य में दे सकता है। उन्होंने कहा कि हम भी अपने जीवन को अनुशासित बनाने का प्रयत्न करें।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के विरोध में चल रहा किसानों का धरना समाप्त

कोटपूतली । कोटपूतली से किशनगढ़ के बीच प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रैस वे के विरोध में किसान महापंचायत के बैनर तले किसानों द्वारा जिला कलेक्ट्रेट पर दिया जा रहा 03 दिवसीय धरना प्रदर्शन बुधवार 17 जून को समाप्त हो गया। प्रदर्शन में क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने जान देंगे, जमीन नहीं देंगे के नारों के साथ भूमि अधिठाहण के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का बिगुल फूंका। धरना प्रदर्शन के अंतिम दिन बुधवार दोपहर 02 बजे किसान महापंचायत के पदाधिकारियों व बड़ी संख्या में एकत्रित किसानों ने एसडीएम को जिला कलक्टर के नाम 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में एक्सप्रेस वे परियोजना को तुरंत निरस्त करने या इसका मार्ग बदलने की प्रमुख मांग रखी गई है। किसानों का आरोप है कि यह महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना पूरी तरह से जन, जंगल, जमीन और जानवर

कोटपूतली से किशनगढ़ के बीच प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रैस वे के विरोध में किसानों को चल रहा धरना समाप्त हो गया।

विरोधी नीतियों का नतीजा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचेगा। किसानों का तर्क है कि कोटपूतली से किशनगढ़ तक पहले से ही 225 किलोमीटर लंबा 06 लेन राष्ट्रीय राजमार्ग सुचारू रूप से चालू है, इस मार्ग पर अतिक्रमण हटाकर इसे और चौड़ा करने का विकल्प मौजूद है। ऐसे में इसके समानांतर एक नया एक्सप्रेस वे बनाना पूरी तरह से अनावश्यक है, जिससे केवल 44 किलोमीटर (सर्वेक्षणों के अनुसार 12 से 17 किमी) की दूरी कम होगी। वहीं इस नए मार्ग के निर्माण के लिए लगभग 6500 बीघा बहु-फसली और सिंचित कृषि भूमि का अधिठाहण किया जाना

■ आंदोलन के अंतिम दिन धरना स्थल पर पहुंचे एसडीएम को किसानों ने जिला कलक्टर के नाम सौंपा 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

प्रस्तावित है, उपजाऊ जमीन छिनने से देश की खाद्य सुरक्षा संकट में आ जाएगी और हजारों किसान परिवार अपनी आजीविका खोकर बेघर हो जायेगें। प्रस्तावित एक्सप्रेस वे जमीन से 15 फीट ऊंचा बनना तय हुआ है, इतनी ऊंचाई के कारण कई गांव और किसानों के खेत दो हिस्सों में विभाजित हो जायेगें। किसानों को अपने ही खेतों तक पहुंचने के लिए मीलों लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा।

जिससे ठामीण भाईचारा और कनेक्टिविटी पूरी तरह खत्म हो जायेगी। किसान महापंचायत के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश बिजारणिया ने बताया कि महापंचायत के जिलाध्यक्ष बाबूलाल चौधरी, तहसील अध्यक्ष हरसहाय तंवर ने किसानों से एकजुट होने की अपील की है। किसान नेताओं ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन किसानों के हकों को मारकर किया जाने वाला कोई भी निर्माण स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि सरकार ने उनकी जायज मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो इस आंदोलन को आने वाले दिनों में और अधिक उठा किया जायेगा। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में जोधपुरा संघर्ष समिति व कांसली-शुक्लावास सड़क बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले सैकड़ों की संख्या में ठामीण जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे।

किसानों के शोषण के आरोपों की जांच के लिए मण्डी प्रशासन ने मांगी सूचना

निवाई । कृषि उपज मण्डी समिति, निवाई द्वारा आमजन व किसानों के लिए एक आवश्यक सूचना जारी की गई है। मण्डी सचिव डॉ. कमलकिशोर सोनी ने बताया कि किसान महापंचायत के युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वरप्रसाद चौधरी द्वारा आरोप लगाया गया है कि निवाई मण्डी परिसर में एक फर्जी पुलिस चौकी खोली गई है। इस फर्जी पुलिस चौकी के माध्यम से मण्डी में आने वाले सीधे-साधे किसानों को डराया-धमकाया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों को औने-पौने एवं मनमाने दामों पर अपनी कृषि उपज बेचने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे किसानों का आर्थिक व मानसिक शोषण हो रहा है। इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए मण्डी समिति सचिव डॉ. कमलकिशोर सोनी ने आवश्यक सूचना जारी करते हुए सर्वसाधारण एवं विशेषकर किसानों को सूचित किया है कि मण्डी प्रांगण के भीतर कम्प्यूटर, जनरेटर कक्ष में पुलिस कर्मियों के बैठने के लिए एक कक्ष आरक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस आरक्षित कक्ष पर कार्यरत पुलिस कार्मिक, मण्डी प्रशासन अधिकारी एवं कर्मचारी या फिर मण्डी के किसी भी व्यापारी द्वारा यदि धमकाया गया हो या फिर उन्हें अपनी कृषि उपज को मनमाने दामों पर जबरन बेचने के लिए मजबूर किया गया।

निवाई में शहरी सेवा शिविर के स्थानों में संशोधन

निवाई। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के आदेशानुसार निकाय स्तर पर आयोजित होने वाले शहरी सेवा शिविर 2026 के कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह शिविर 15 जुलाई तक आयोजित किए जाने तय किए गए थे। उक्त आदेश के दिशा-निर्देशों के तहत समस्त शिविर स्थान अब नगर पालिका कार्यालय परिसर में ही रहेंगे। इसके अतिरिक्त सामुदायिक भवन द्वितीय 80 फीट रोड पर आयोजित होने वाले शिविर से संबंधित कार्यक्रम का आदेश पृथक से जारी कर आमजन को इसकी सूचना बाद में दी जाएगी।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सीताराम मंदिर प्रागपुरा में जीर्णोद्धार पर विशाल भंडारा

पावटा। ग्राम कैरोड़ी (राजनौता) स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में आयोजित छठवां विशाल मेला एवं भंडारा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री राधा-कृष्ण के दर्शन किए तथा प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के तहत 16 जून को रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ, जबकि 17 जून को रामायण पाठ के समापन के साथ हवन का आयोजन किया गया। इसके बाद विशाल मेले एवं भंडारे में क्षेत्रभर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वहीं भव्य श्याम जागरण में भजन गायकों और कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से भक्तिमय वातावरण बना दिया। आयोजन में श्री ओमदास जी महाराज, श्री बजरंगदास जी महाराज, श्री शुभनाथ जी महाराज एवं श्री गिरवरनाथ जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। बाल कवि अंकुर शर्मा, सरदार सुरजीत सिंह, सुमन राय अलवर तथा देवेन्द्र चौधरी व सविता चौधरी सहित कलाकारों ने भजनों और धार्मिक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वही ग्राम प्रागपुरा

पावटा के ग्राम कैरोड़ी (राजनौता) स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में आयोजित छठवां विशाल मेला एवं भंडारा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

■ सीताराम मंदिर के जीर्णोद्धार उपलक्ष्य में भंडारे एवं भक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया

स्थित सीताराम मंदिर के जीर्णोद्धार उपलक्ष्य में बुधवार को विशाल भंडारे एवं मासी गायकार भक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्रीराम के दर्शन किए तथा प्रसादी ठाहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने भी कार्यक्रम में शिरकत कर मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में भाईचारे, संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति एवं ठामवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

न्यायालय तहसीलदार फुलेरा मु0 सांभरलेक जिला जयपुर
दुरभाष नम्बर 01425-228219 ई-मेल tdrsbr@ymail.com
क्रमांकः- भू03/0/2026/3389 दिनांक :- 16.06.2026

सार्वजनिक सूचना नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी दीपक कुमार पुत्र कान्तादेवी जाति नट निवासी फुलेरा तहसील फुलेरा द्वारा ग्राम फुलेरा की आराजी खसरा नम्बर 236 रकबा 0.4426 हैक्टेयर की मृतक खातेदार कान्ता पुत्री मोती जाति नट सा0देह का फौती नामान्तरण खुलवाने बाबत् प्रकरण भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135 (2) के तहत हाजा न्यायालय मे विचाराधीन है। अतः यदि किसी वारिस/दीगर व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज हो तो आगामी दिनांक 30.06.2026 तक मय दस्तावेज पेश करे अन्यथा इकतरफा कार्यवाही कर निर्णय पारित कर दिया जावेगा।

तहसीलदार (भू.अ.) फुलेरा मु.सॉभरलेक

सूचना

मैं कि राजेश गोयल पुत्र श्री चन्द्र भान गोयल आयु 59 साल जाति वैश्य निवासी गुलाल कुण्ड, मथुरा गेट बाहर, भरतपुर-राज० का हूँ। मैं शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि मेरा सही व वास्तविक नाम राजेश गोयल (Rajesh Goyal) है जो कि मेरे आधार कार्ड में दर्ज है। मेरे नाम से एक पासपोर्ट बना हुआ है जिसमें मेरा नाम राजेश कुमार दर्ज है। राजेश गोयल और राजेश कुमार दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं इस नाम के दो अलग अलग व्यक्ति नहीं हैं अगर भविष्य में उक्त नामों बावत किसी प्रकार की उज्र आपत्ति होती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी। मैं शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम राजेश कुमार के स्थान पर सही नाम राजेश गोयल दर्ज किया जावे।

नाम परिवर्तन

मैं, मनोज कुमार गोयल, निवासी 61/206 सेक्टर-6 प्रताप नगर जयपुर यह घोषित करता हूँ कि मैंने अपने नाबालिग पुत्र का नाम मनसव (Manasav) से बदलकर मनस्व (Manasv) रख दिया है। इस सम्बन्ध में एक शपथ पत्र दिनांक 17 जून 2026 को नोटरी पब्लिक नीतू जैन, जयपुर के समक्ष निष्पादित किया गया है।

मैं आर्मी नं. 16019682-एन, हवलदार मुकेश कुमार यूनिट 17 राजरिफ (सावईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी पत्नी का नाम शकुंतला देवी (SHAKUNTLA DEVI) है जो कि गलत है। मेरी पत्नी का सही नाम शकुंतला देवी (SHAKUNTALA DEVI) है।

I have changed my name Megha to Megha Tiwari for all legal and future purpose Address: 174 Ganesh Nagar, ISKCON Road, Mansarovar, Jaipur-302020

I (Kulbhushan) have changed my Daughters Name Mysha to Mysha Rawat for all legal and future purpose. Address 174 Ganesh Nagar, ISKCON Road, Mansarovar, Jaipur-302020

I MAMTA DEVI is legally spouse of No. 8036600L Hav (GD) Mohit Kumar, Presently Residing at, Village Badpura, Post: Badpura, Teh: Anupsahar, Police Station: Ahar, Dist: Bulandshahr, State Uttar Pradesh, PIN-202398 have changed my name from MAMTA DEVI TO MAMTA KUMARI Vide affidavit No. CL227745 date 16.06.2026

I KASHISH CHAUDHARY is legally daughter of No. 8036600L Hav (GD) Mohit Kumar, Presently Residing at, Village Badpura, Post: Badpura, Teh: Anupsahar, Police Station: Ahar, Dist: Bulandshahr, State Uttar Pradesh, PIN-202398 have changed my name from KASHISH CHAUDHARY TO KASHISH CHOUDHARY Vide affidavit No. CL227743 date 16.06.2026

खोया पाया

मेरे फ्लैट नम्बर 42/8/1 मानसरोवर, जयपुर के मूल अलोटमेंट लैटर Handed Over Takenover Certificate कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें- भगवान सहाय 9983993930

कार्यालय नगर पालिका मण्डल सांभर लेक (जयपुर)
क्रमांक/न.पा.सा./2025-26/549 दिनांक-15.06.2026

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शहरी सेवा शिविर-2026 अन्तर्गत आवेदकों द्वारा अपंजीकृत/इकरारनामा दस्तावेज के सबूत पेश कर फ्री-होल्ड पट्टा हेतु आवेदन किया है-

क्र.सं.-1, आवेदक का नाम- श्री सुशील जैन पुत्र श्री त्रिलोक चन्द जैन निवासी आगालो की गली, सांभर लेक। श्री मोहन लाल प्रजापत पुत्र स्व. श्री मदनलाल निवासी देवयानी रोड, छोटा बाजार, सांभर लेक। **भूखण्ड का विवरण-** आगालो की गली (लम्बी गली) सांभर लेक। देवयानी रोड, छोटा बाजार सांभर लेक। **क्षेत्रफल-** 79.38 वर्गगज (स्टेट ग्रांट), 366.79 वर्गगज (सुमोटो)

अतः उपर्युक्त आवेदकों के पक्ष मे पट्टा अभिलेख जारी करने बावत किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज इस सूचना के जारी होने से 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। बाद मियाद प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। सूचना में अंकित अवधि पश्चात पत्रावली के निस्तारण की कार्यवाही की जावेगी। दस्तावेज/साक्ष्य के प्रस्तुतीकरण के अभाव में नियमन/पट्टा जारी नहीं होने के लिये आवेदनकर्ता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका सांभर लेक

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान सिविल न्यायाधीश पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
राजनन्दिनी मैटल लिमिटेड बनाम श्री बालाजी इम्पेक्स व अन्य

वाद सं. 144/2025
रौनक अली पुत्र श्री अब्दुल रफीक पार्टनर एच एम टी इन्टरनेशनल, कार्यालय प्लाट नं. 60-ए मलहोत्रा नगर विश्वकर्मा इन्डस्ट्रीयल एरिया जयपुर।

वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न है के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 06.07.2026 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो या ना हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख 20 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

रीडर
न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम
जयपुर महानगर द्वितीय

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान सिविल न्यायाधीश पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
राजनन्दिनी मैटल लिमिटेड बनाम श्री बालाजी इम्पेक्स व अन्य

वाद सं. 144/2025
गुलफाम पुत्र श्री अब्दुल सत्तार पार्टनर ए के ट्रेडिंग कम्पनी निवासी सी-587 भट्टा बस्ती शास्त्री नगर जयपुर राजस्थान-302016

वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न है के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 06.07.2026 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो या ना हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख 20 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

रीडर
न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम
जयपुर महानगर द्वितीय

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड
मण्डल मुख्यालय रेल्वे स्टेशन के सामने, भरतपुर-321001
इ-मेल- seoutguidebtp05@gmail.com PH. 05644236404, 8003097151
क्रमांक- म.मु./भरतपुर/2026-27/1164 दिनांक-15.06.2026

निविदा सूचना क्रमांक-(02) व (03)

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय, भरतपुर पर निविदा सूचना क्रमांक-02 कम्प्यूटर संचालन, चतुर्थ श्रेणी (एम.टी.एस.) एवं सफाई सम्बन्धी कार्य, निविदा सूचना क्रमांक-03 अल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था हेतु खोली प्रतियोगी बोली के माध्यम से मोहरबन्द निविदाएँ (तकनीकी एवं वित्तीय) आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा	क्रमांक 02 कम्प्यूटर संचालन, चतुर्थ श्रेणी (एम.टी.एस.) एवं सफाई सम्बन्धी कार्य	क्रमांक 03 अल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था
1	बोली की अनुमानित लागत	05.00 लाख रुपये	09.00 लाख रुपये
2	निविदा फार्म शुल्क	200/- रुपये	200/- रुपये
3	बोली प्रतिभूति राशि	10,000/- रुपये	18,000/- रुपये
4	निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारंभ तिथि	दिनांक 18.06.2026 को प्रातः 10.00 बजे से	दिनांक 18.06.2026 को प्रातः 10.00 बजे से
5	निविदा प्रपत्र विक्रय करने की अंतिम तिथि	दिनांक 24.06.2026 दोपहर 10.00 बजे तक	दिनांक 24.06.2026 प्रातः 10.00 बजे तक
6	निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम दिनांक	दिनांक 24.06.2026 को अपरान्ह 02.00 बजे तक	दिनांक 24.06.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक
7	तकनीकी बिड/वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक एवं समय एवं स्थान	दिनांक 24.06.2026 को अपरान्ह 03.00 बजे राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड व गाइड मण्डल मुख्यालय भरतपुर	दिनांक 24.06.2026 को अपरान्ह 02.00 बजे राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड व गाइड मण्डल मुख्यालय भरतपुर
8	निविदा फार्म शुल्क जमा कराने का तरीका व निविदा फार्म प्राप्त करना	फार्म शुल्क 200/- राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय भरतपुर के नाम बैंकर चैक, बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा कराकर निविदा फार्म प्राप्त कर सकते है।	फार्म शुल्क 200/- राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय भरतपुर के नाम बैंकर चैक, बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा कराकर निविदा फार्म प्राप्त कर सकते है।
9	निविदा प्रपत्र मसाने दर्शायी वेबसाईट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।	http://sppp.rajasthan.gov.in UBN IS-BSG2627A0013	http://sppp.rajasthan.gov.in UBN IS-BSG2627A0014

सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट)
मण्डल मुख्यालय, भरतपुर

मंदिर में ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा

लालसोट । नगरपरिषद लालसोट के गोबरया पाड़ा स्थित मालेश्वर नाथ महादेव मंदिर में जीर्णोद्धार के उपरांत आयोजित शिव पंचायत प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। पूरे क्षेत्र में "हर-हर महादेव" के जयघोष गूंजते रहे और मंदिर परिसर शिवमय हो उठा। आचार्य पंडित राजेश खांडल के नेतृत्व में सम्पन्न हुए इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सनातन परंपराओं के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान विधि-विधान से भगवान शिव एवं शिव पंचायत की पूजा-अर्चना की गई तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। आयोजन को सफल बनाने में अमित शर्मा, छोटू भाई जोशी सहित अनेक धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंदिर परिसर में दिनभर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही और श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। समारोह के समापन पर विशाल पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ठाहण कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक में लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताई

खैरथल। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने बुधवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताई।

- **राजस्व अधिकारियों को कलेक्टर ने दी हिदायत कहा 'लंबित मामलों में ढिलाई ठीक नहीं जल्द निपटाएं**

उन्होंने एसडीएम व तहसीलदार स्तर पर लंबित केस, सीएमओ शिकायतों और अतिक्रमण जैसे मामलों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसी के साथ कलेक्टर ने अधिकारियो को कहा कि ठाामीण सेवा शिविरों की निरंतर मॉनिटरिंग हो और राजस्व के सभी प्रकरण वहीं निपटाए जाएं ताकि आमजन को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें बैठक में राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य महिला आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग तथा राजकीय कार्मिकों से संबंधित प्रकरणों की स्थिति पर जिला कलेक्टर ने विस्तार से चर्चा की।

कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को मामलों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने बैठक में एसडीएम व तहसीलदार स्तर पर लंबित प्रकरण, तलफी, पत्थरगड़ी, तरमीन कार्य, एलआर एक्ट, पीडीआर एक्ट, रोड़ा एक्ट, सीएमओ, स्टेट, संपर्क एवं लोकायुक्त के प्रकरणों पर कार्यवाही कर जल्द निस्तारित करने को कहा और मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त परिवेदनाओं व जन-अभियोगों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ठाामीण सेवा शिविरों की निरंतर मॉनिटरिंग व निरीक्षण करे। शिविरों में राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थी तक पहुंचे। साथ ही शिविर के माध्यम से राजस्व विभाग के प्रकरणों को निस्तारित किया जाए ताकि अधिक से अधिक आमजन को मौके पर लाभ मिल सके। उन्होंने जिले में अतिक्रमण के प्रकरण, अवरुद्ध रास्तों को खोलने, नामान्तरण, सहमति बंटवारा एवं सीमाज्ञान के प्रकरणों का निस्तारण कर आमजन को राहत देने को कहा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि खराब सड़क, पानी की समस्या जैसी आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी स्थानीय समस्याओं से जिला स्तर को अवगत कराएं ताकि समय पर उनका समाधान हो सके। अधिकारियों को जमीन आवंटन से संबंधित प्रकरण अपने स्तर से निस्तारित करने को कहा गया। कलेक्टर ने पिछले माह निस्तारित कोर्ट केस की संख्या की जानकारी ली और आगामी माह में निर्धारित नॉर्म्स के अनुरूप केस निपटाने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने बुधवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक ली।

सार-समाचार

मूर्ति स्थापना व विशाल भंडारा 28 को

पावटा। कस्बे स्थित बाबा भोमिया जी मंदिर में सोमवार को श्रद्धा और धार्मिक वातावरण के बीच यज्ञोपवीत (उपनयन) संस्कार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और संत-महात्माओं की उपस्थिति रही। समारोह में अखिलेश दास महाराज, रामदास महाराज आदली, भीमादास महाराज गोगेरा धाम सहित संतों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उपनयन संस्कार सम्पन्न कराया गया। संस्कार की विधि-विधान से आचार्य अश्वनी कुमार शर्मा, आचार्य मनोज शास्त्री द्वारा बाबा भरतदास आश्रम टोरडा बगीची के महंत मंगलदास महाराज द्वारा श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा प्रदान की गई तथा यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में ठाामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाया। समारोह में रामेश्वर यादव, श्रीराम घोघड, सुरेश मेहता, सुरेश बाड़ीगर, प्रभूदयाल राठी, काशीराम लांबोरा, रोहिताश्व यादव, कमल गढवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं संत राजाराम दास, कन्हैयादास महाराज, दीनादास महाराज, विक्रमदास महाराज, भंवर सिंह, कुंदन सिंह सिंह एवं अन्य संत-महात्माओं के सानिध्य में कार्यक्रम धार्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। आयोजन समिति ने बताया कि 28 जून 2026 को मंदिर परिसर में श्री सेवादास महाराज की मूर्ति स्थापना, चरण पादुका स्थापना, बाबा भोमिया जी का विशाल भंडारा, संत समागम एवं चादरपोशी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है तथा तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

बुजुर्गों के स्वास्थ्य की हुई जाँच

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड स्थित महात्मा बुद्ध संस्थान द्वारा संचालित लक्ष्मी नगर के स्वयंसिद्धा आश्रम में बुधवार को एक दिवसीय जागरूकता एवं स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम और आमजन को नशामुक्ति के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुगन चन्द आर्य ने आश्रम के आवासियों को संबोधित करते हुए बदलते मौसम में होने वाली बीमारियों से सुरक्षा और बचाव के महत्वपूर्ण उपाय बताये। डॉ. आर्य ने सभी आवासियों से नशे की प्रवृत्तियों से पूरी तरह दूर रहने की अपील की। साथ ही उन्होंने आश्रम में रह रहे बुजुर्गों का व्यक्तिगत स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श दिया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कनिष्ठ सहायक सुरेन्द्र कुमार, सूचना सहायक शुभम खण्डेलवाल, सहायक प्रहलाद राम, आश्रम के मैनेजर कानाराम, नर्सिंग स्टॉफ मुकेश कुमार, योगा टीचर ताराचन्द सैनी, सुरेन्द्र कुमार, राधेश्याम, राजकुमार व विमला सुरेला सहित कुल 35 आवासी उपस्थित रहे। अंत में महात्मा बुद्ध संस्थान के सचिव ने आभार व्यक्त किया।

डोडा पोस्त सहित तस्कर गिरफ्तार

फुलेरा। फुलेरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 किलो 162 ग्राम डोडा पोस्त छिलका एवं चूरा तथा बिक्री राशि 5,550 रुपये जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा एवं पुलिस उप अधीक्षक सांभरलेक मुकेश जोशी के सुपरविजन में थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि श्रीरामनगर पावर हाउस रोड क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम जितेन्द्र कुमार (47 वर्ष) की तलाशी के दौरान आरोपी के कमरे से प्लास्टिक के कट्टे में रखा 3 किलो 162 ठााम डोडा पोस्त छिलका एवं चूरा बरामद हुआ। साथ ही टेबल की दराज से 5,550 रुपये नकद मिले, जिन्हें मादक पदार्थ की बिक्री की राशि मानते हुए जब्त किया गया। आरोपी वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया है।

डीजे के साथ कलश यात्रा निकाली

शाहपुरा। शहर के श्याम नगर में रोड़वेज बस डिपो के पेट्रोल पंप के पास में बुधवार को सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस दौरान भागवत कथा के उपलक्ष्य में महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई जो श्याम मंदिर होती हुई कथा स्थल पर पहुंची। जहां पर कथा वाचक पंडित राहुल कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि भागवत कथा श्रवण से सभी पाप नष्ट होते है। कलश यात्रा में डीजे के साथ महिलाओं ने जमकर डांसकर आनंद उठाया। कलश यात्रा में महिलाएं नाचते-गाते हुए चल रही थी। सात दिवसीय भागवत कथा 17 जून 2026 से 24 जून 2026 तक सरकारी पेट्रोल पंप, पशु चिकित्सालय के सामने, श्याम नगर में आयोजित की जा रही है। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 1:15 बजे से सायं 4:15 बजे तक निर्धारित किया गया है। कथा वाचन सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित राहुल कृष्ण शास्त्री (वृंदावन) द्वारा किया जा रहा है, जिनकी मधुर वाणी से श्रद्धालु भाव-विभोर हो रहे है।

सार-समाचार

गौ सेवकों ने रामदास महाराज से की मुलाकात

पावटा। संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं गौ सेवकों ने सोमवार को संत रामदास महाराज से मुलाकात कर नीलका स्थित बाबा मंगलदास गौशाला में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के संबंध में चर्चा की। गौ सेवकों ने गौशाला में व्यवस्थाओं की कमी, पशुओं के रखरखाव, चारे-पानी तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं से महाराज को अवगत कराया। समिति सदस्यों ने बताया कि गौशाला में लंबे समय से कुछ व्यवस्थागत कमियां बनी हुई हैं, जिनके कारण गौवंश को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौ सेवकों ने गौशाला की स्थिति में सुधार लाने की मांग रखी। इस दौरान रामदास महाराज ने गौ सेवकों की बात गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि गौशाला की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित पक्षों से चर्चा कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और गौवंश की देखभाल एवं संरक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। महाराज ने समिति के सदस्यों से भी गौ सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का आ ान किया तथा विश्वास दिलाया कि गौशाला में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति के अनेक पदाधिकारी, गौ सेवक एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक करेंगे आक्रोश प्रदर्शन

लालसोट। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (विद्यालय शिक्षा) राजस्थान, खंड लालसोट के आव्हान पर वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवा अधिकारों की रक्षा एवं टेट अनिवार्यता के विरोध में गुरुवार, 18 जून 2026 को जिला मुख्यालय दौसा पर आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। खंड अध्यक्ष अविनाश शर्मा ने बताया कि संगठन के सभी शिक्षक साथी प्रातः 8:30 बजे अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट में एकत्रित होंगे। इसके बाद सभी शिक्षक बस द्वारा दौसा के लिए रवाना होकर जिला मुख्यालय पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन टेट अनिवार्यता को शिक्षकों के हितों के विरुद्ध मानता है तथा वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवा अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत है। संगठन ने अधिक से अधिक शिक्षकों से आव्हान किया है कि वे संगठन के बैनर तले एकजुट होकर प्रदर्शन में शामिल हों और अपनी आवाज बुलंद करें। महासंघ पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों की मांगों के समाधान तक संघर्ष जारी रहेगा तथा सरकार तक अपनी बात प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाएगी।

विभिन्न प्रकरणो में पांच आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान अवैध जुआ-सट्टा व अवैध शराब के तहत देवली वृत्ताधिकारी के सुपरविजन में घाड हरिराम वर्मा के नेतृत्व में गठित टीमो द्वारा लोकल व स्पेशल एक्ट में कार्यवाही की गयी। इस कार्यवाही में एक टीम ने थाना क्षैत्र के आमली देवल्या मोड में सडक के किनारे बैठकर जुआं खेलते हुए आरोपी लादुलाल पुत्र नारायण मीणा, रामलाल पुत्र मिश्रीलाल मीणा, सत्यनारायण पुत्र श्रीलाल भील निवासी नयागांव रानीपुरा थाना घाड को ताश के पतों के साथ रूपयों का दावं लगाकर जुआ खेलते हुए को गिरफ्तार किया गया। मौके से पत्ते व 550 रूपये नगद जप्त किये गये। इसी प्रकार अन्य घाड थाना टीम ने आरोपी भंवरलाल पुत्र कालु भील उम्र 46 वर्ष निवासी बालाजी का मोहल्ला वार्ड नम्बर 5 भरनी को अवैध देशी मदिरा के 48 पव्वे परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया है।

चारागाह विकास, पौधारोपण एवं जल संरक्षण कार्य शुरु

कोटपूतली । विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दिवस के अवसर पर जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, पंचायत समिति विराटनगर द्वारा क्षेत्र में जल संरक्षण, हरित क्षेत्र विस्तार एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत आतेला स्थित चारागाह भूमि पर करौली ढाणी के समीप 15 हेक्टेयर क्षेत्रफल में चारागाह विकास कार्य का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत क्षेत्र में 2500 फलदार एवं 2000 छायादार पौधों का रोपण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में मियावाकी पद्धित से 30 हजार पौधे लगाए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी गति मिलेगी। पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल के लिए वॉच एंड वार्ड व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पौधों की सिंचाई के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे जल की बचत के साथ पौधों का बेहतर विकास संभव हो सकेगा। इस अवसर पर ठााम आतेला में शिव मंदिर के पास निर्मित एनीकट निर्माण कार्य का लोकार्पण भी किया गया। एनीकट से वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय क्षेत्र में जल उपलब्धता एवं भूजल स्तर में सुधार में सहायता मिलेगी। एनीकट का लोकार्पण ठााम पंचायत आतेला के पूर्व सरपंच मालीराम कुमावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान ठााम नीलका स्थित समेकित फलदार एवं वानिकी पौधारोपण क्षेत्र में भी पौधारोपण किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं ठाामीणों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता एवं परियोजना प्रबंधक ताराचंद, अधिशासी अभियंता हरिमोहन बैरवा, सहायक अभियंता मुकेश कुमार एवं दिनेश कुमार गुर्जर, कनिष्ठ अभियंता रीना खन्ना एवं फैली राम, जल ग्रहण सचिव रिशाल नागर सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। जल संरक्षण एवं पौधारोपण के माध्यम से क्षेत्र को हराभरा बनाने तथा मरुस्थलीकरण की रोकथाम के लिए जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं।

करौली ढाणी के समीप 15 हेक्टेयर क्षेत्रफल में चारागाह विकास कार्य का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया।

शिकायत पर तत्काल कार्रवाई, दुर्घटना की आशंका को टाला

कोटपूतली । राज्य सरकार की जनकल्याणकारी पहल के तहत आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर 2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत कल्याणपुरा, तहसील बानसूर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में प्राप्त शिकायत का तत्काल निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान की गई शिविर के दौरान शिविर अधिकारी को ठाामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम कल्याणपुरा के बनवारी एवं छज्जू ढाणी जाटों में विद्युत विभाग की 11 केवी लाइन काफी नीचे झुकी हुई है, जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ठाामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शिविर अधिकारी ने तत्काल विद्युत विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देशों की पालना में विद्युत विभाग के सहायक अभियंता प्रशांत शर्मा द्वारा विभागीय टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए झुकी हुई विद्युत लाइन को टाइट कर ऊंचा कर दिया, जिससे संभावित दुर्घटना का खतरा टल गया और ठाामीणों को सुरक्षित एवं सुचारू विद्युत सुविधा उपलब्ध हो सकी।समस्या का त्वरित समाधान होने पर ग्रामीणों ने शिविर अधिकारी एवं विद्युत विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि सेवा शिविरों के माध्यम से उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान हो रहा है और सरकारी विभागों की सेवाएं अब अधिक सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हो रही हैं।

जनसुनवाई गुरूवार को

कोटपूतली। नवगठित कोटपूतली-बहरोड जिले से गुजरने वाले बहुप्रतीक्षित कोटपूतली-किशनगढ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे प्रोजेक्ट के निर्माण की दिशा में एक और बडा कदम उठाया जा रहा है। इस हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजना के लिए आवश्यक पर्यावरण संबंधी स्वीकृति हांसिल करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा सार्वजनिक जनसुनवाई का आयोजन निकटवर्ती ग्राम गोनेडा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरूवार को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा किया जायेगा। जिसका मुख्य उद्देश्य एक्सप्रेस वे परियोजना से प्रभावित होने वाले स्थानीय ग्रामीणों और किसानों के सुझाव एवं आपत्तियां आधिकारिक तौर पर दर्ज करना है।

बारेडा गांव में पानी की निकासी रोकने से गांव में भरा पानी

निवाई। गांव बारेडा में पानी की निकासी अवरुद्ध होने के कारण पूरा गांव जलमग्न हो गया है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त समस्या को लेकर ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी अजीतसिंह राठौड को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई करवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन को बताया कि करीब 1500 की आबादी वाले बारडा गांव का बसाव लगभग 150 वर्ष पुराना है। ऐतिहासिक रूप से गांव के पानी की निकासी उत्तर दिशा से दक्षिण दिशा की ओर होती आ रही है। गांव के समीप ही करीब 7 बीघा क्षेत्र में फैला एक तालाब है। गांव का सारा पानी खसरा नंबर 483 व 482 से होते हुए इसी तालाब में एकत्रित होता रहा है। जब से गांव की आबादी बसी है, तब से यही जल निकासी की सुचारू व्यवस्था रही है। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार भी यह दोनों खसरा नंबर 482 और 483 किस्म तालाबी भूमि के अंतर्गत दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि तालाबी भूमि होने के बावजूद पानी की प्राकृतिक निकासी को रोकने के लिए एक भारी मिट्टी की दीवार खींच दी गई है। जिससे पूरे गांव में पानी भर गया है। रास्तों पर पानी जमा होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं पानी लोगों के मकानों के भीतर तक घुस गया है। इस जलभराव के कारण मवेशियों का चारा व घरों में रखा अनाज खराब होने की कगार पर है। ठाामीणों ने खसरा नंबर 483 से जुड़े लोगों से पानी की निकासी की बात करते हैं, तो वह ठाामीणों को पर केस दर्ज करवाने की धमकिया देते है। जिससे ठाामीणों में भय एवं आक्रोश व्याप्त है। ठाामीणों ने उपखंड अधिकारी से मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत मौके पर जांच टीम भेजने, अवैध मिट्टी की दीवार को हटाने एवं पानी की निकासी को पूर्व की तरह बहाल रखने की मांग की है। इस अवसर पर राजाराम, गंगाबिशन जाट, श्योजीलाल जाट, रामअवतार, खुशीराम, प्रदीप यादव, सूरज जाट, अंबालाल, घासीलाल, बनवारी यादव, जितेंद्र जाट, पप्पू लाल, अशोक कुमार, रामफूल चौधरी, मनराज, राधेश्याम, नाथूलाल, शोराज, रामस्वरूप यादव, ओमप्रकाश जाट, सुरज्ञान गुर्जर, मुकेश जाट, पप्पूलाल जाट, राजेश जाट व गजानंद बैरवा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे ।

महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

निवाई। गांव पलेई में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई। दशरथ सिंह पलेई ने बताया कि महाराणा प्रताप की 486 वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। उन्होंने महाराणा प्रताप के जीवन पर विस्तार से विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप राष्ट्र की आन बान एवं स्वाभिमान के प्रतीक साहस त्याग और पराक्रम की अमर गाथा लिखने वाले थे। उनका संघर्ष राष्ट्रभक्ति एवं मातृभूमि की रक्षा के लिए अटूट संकल्प हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। उनके जीवन से हमें अनेक प्रेरणाय मिलती है। मातृभूमि के लिए उन्होंने अनेक यातनाएं सही और अपने हक के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे, ऐसे वीर महापुरुषों को देशवासी कभी नहीं भुल सकते है। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा मातृभूमि की सेवा के लिए तैयार रहना चाहिए। इस अवसर पर जयसिंह चौहान, सुमित्रा, श्रीदेवी, भानु प्रताप सिंह, स्वाती, लक्ष्मी, वंदना व मुस्कान सहित कई महिला-पुरूष मौजूद थे।

पुलिया की मरम्मत को लेकर सौंपा ज्ञापन

टोंक। पीपलू उपखण्ड के जंवाली गांव में पिछले 4-5 सालों से क्षतिग्रस्त पड़ी मुख्य पुलिया की मरम्मत की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया क्षतिग्रस्त होने के कारण बरसात के मौसम में स्कूली विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और उनकी पढ़ाई बाधित होती है। यह पुलिया पिछले कई वर्षों से पूरी तरह क्षतिग्रस्त है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और विशेषकर स्कूली विद्यार्थियों को आवागमन में दिक्कतें आती हैं। बरसात के दिनों में पुलिया पर पानी भर जाने से रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप, क्षेत्र के विद्यार्थी लगभग तीन महीने तक स्कूल नहीं जा पाते, जिससे उनकी शिक्षा पर गंभीर असर पड़ रहा है । ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि इस क्षतिग्रस्त पुलिया पर जल्द से जल्द सीमेंट ब्लॉक लगाकर इसे आवागमन योग्य बनाया जाए, ताकि आगामी मानसून में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। ग्रामीणों ने इब्राहिमपुरा ठाठा गांव में चल रहे गंभीर पेयजल संकट का भी तत्काल समाधान करने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी है। वही किसान नेता जाकिर हुसैन के नेतृत्व में ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने टोंक कलेक्टर से मुलाकात कर पुलिया पर सीमेंट ब्लॉक रखवाकर कार्य करवाने का आग्रह किया।

सिकराय में विधायक के साथ जांगिड़ समाज के लोगों ने पौधे रोपे

सिकराय (निसं) । जांगिड़ ब्राह्मण छात्रावास गणेशपुरा परिसर स्थित भगवान श्री विश्वकर्मा मन्दिर पर जांगिड़ समाज के लोगों के द्वारा सामूहिक सुन्दरकांड पठन कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम में जांगिड़ समाज के पदाधिकारियों और समाज के लोगों ने संगीतमय सुंदरकांड किया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री विश्वकर्मा और हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल भी पहुंचे। समाज के लोगों ने विधायक का माला व साफा पहनाकर व भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान विधायक विक्रम बंशीवाल व जांगिड समाज के लोगों ने छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर छायादार व फलदार पौधे लगाएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम बंशीवाल ने कहा कि राजस्थान में मानसून का जल्द आगमन होने वाला है इसलिए आप सभी लोगों को प्रधानमंत्री जी के एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागिता निभाते हुए जरुर प्रति व्यक्ति को पौधारोपण करना है। आज पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए पेड़ पौधों का होना अतिआवश्यक है। ऐसे भी एक पेड तीन से चार पीढियों की यादों को रखता है आज आप जो पौधा लगा रहे हो उसके फल आप को भी मिलेगा और आने वाली आपकी पीढ़ियों को भी मिलेगा साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए भी लाभदायक होगा। उन्होंने ने शिक्षा पर भी जोर देते हुए समाज के युवा को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने और प्रति बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विधायक विक्रम बंशीवाल ने समाज के लोगों की मांग पर छात्रावास रहने वाले बालकों की शिक्षण कार्य को देखते हुए छात्रावास परिसर में एक हाई मास्क लाईट व एकल बिंदू विधायक कोष से देने की घोषणा की । कार्यक्रम संयोजक अशोक कुमार राजोरिया व पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश जांगिड़ ने कार्यक्रम में आएं सभी अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। एवं विश्वकर्मा मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की । इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष कैलाश जांगिड, सीताराम छारेडा, तहसील अध्यक्ष दिनेश फौजी, दिनेश जांगिड गणेशपुरा, कैलाश जांगिड़, गणेशपुरा, घनश्याम महुखेड़ा, मुकेश रामगढ़ आदि मौजूद रहे।

विधायक विक्रम बंशीवाल व जांगिड़ समाज के लोगों की मौजूदगी में गणेशपुरा जांगिड़ छात्रावास पर पौधारोपण किया।

- **कार्यक्रम में जांगिड़ समाज के पदाधिकारियों और समाज के लोगों ने संगीतमय सुंदरकांड किया**

"मेसी के बारे में क्या कहूं, शब्द ही नहीं है। हर फुटबॉलप्रेमी उसे खेलते देखना चाहता है और उसके खेल का आनंद लेता है।" विश्व कप में लगातार पांचवें मैच में मेस्सी ने गोल दागा है।
- लियोनेल स्कालोनी

अर्जेंटीना के कोच, मेस्सी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर ने छोटी लेकिन असरदार पारी खेली और 24 गेंदों में 26 रन बनाए। अय्यर ने अपने वनडे करियर में 3000 रन पूरे किए और ऐसा करके वे भारतीय क्रिकेट इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज़ी से यह उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी बन गए। खास बात यह है कि अय्यर ने सबसे कम पारियों में 3000 वनडे रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में शिखर धवन की बराबरी कर ली है। धवन और अय्यर, दोनों ने यह मुकाम हासिल करने के लिए 72 पारियां लीं, जबकि शुभमन गिल 62 पारियों के साथ इस लिस्ट में टॉप पर हैं।

क्या आप जानते हैं ?... ब्राजील: 5 बार (1958, 1962, 1970, 1994, 2002)। ब्राजील एकमात्र ऐसी टीम है जो हर फीफा विश्व कप (1930-2026) में शामिल रही है।

FIFA WORLD CUP 2026

आज के मैच

इंग्लैंड बनाम क्रोएशिया
सुबह 1.30 बजे

घाना बनाम पनामा
सुबह 4.30 बजे

उज्बेकिस्तान बनाम कोलंबिया
सुबह 7.30 बजे

चेकिया बनाम दक्षिण अफ्रीका
सुबह 9.30 बजे

मेसी की हैट्रिक से अर्जेंटीना की शानदार शुरुआत, अल्जीरिया को 3-0 से हराया

सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी
- मिरोस्लाव क्लोज़ (जर्मनी) - 16
- लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना) - 16
- रोनाल्डो (ब्राज़ील) - 15
- गर्ड मुलर (जर्मनी) - 14
- काइलियन एम्बाप्पे (फ्रांस) - 14

कैन्सस सिटी, 17 जून। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए फीफा विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को अल्जीरिया पर 3-0 की शानदार जीत दिलाई। 38 वर्षीय मेसी ने मैच में तीन गोल दागकर न केवल टीम को जीत दिलाई, बल्कि विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। मेसी अब विश्व कप में 16 गोल के साथ जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज़े के बराबर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही मेसी विश्व कप के इतिहास में पांच अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि क्रिस्टियानो रोनाल्डो हासिल कर चुके हैं। अर्जेंटीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मेसी ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए अल्जीरिया की रक्षा पंक्ति को लगातार परेशान किया। उनके तीनों गोलों ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मेसी ने इस मुकाबले के साथ एक और रिकॉर्ड बनाया। वह विश्व कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए और इस मामले में उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने इस जीत के साथ अपने अभियान की दमदार शुरुआत की है और टीम ने खिताब बचाने की दिशा में मजबूत संकेत दिए हैं। अब अर्जेंटीना अपने अगले मुकाबले में इसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगा, जबकि अल्जीरिया वापसी की उम्मीद के साथ अगले मैच की तैयारी करेगा। मंगलवार को अल्जीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 3-0 से जीत के साथ अपने 2026 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करते हुए, 38 साल और 357 दिन के लियोनेल मेसी वर्ल्ड कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बन गए। फॉक्स स्पोर्ट्स के अनुसार, मेसी ने रूस में हुए 2018 फीफा वर्ल्ड कप में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बनाए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया; उस समय 33 साल के रोनाल्डो ने स्पेन के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। अर्जेंटीना के लिए अपने 200वें मैच में मेसी ने तीन अलग-अलग तरह के गोल किए। यह उपलब्धि मेसी के पहले वर्ल्ड कप गोल के ठीक 20 साल बाद मिली जो उन्होंने 2006 वर्ल्ड कप में सर्बिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 6-0 से जीत के दौरान किया था। मेसी ने इस मैच में शानदार हैट्रिक लगाई और ज़बरदस्त शॉट मारकर अपना दबदबा कायम किया।

मेसी ने पेले का रिकॉर्ड तोड़ा

इन रिकॉर्ड्स के साथ-साथ, मेसी ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल योगदान (गोल और असिस्ट) के मामले में ब्राज़ील के महान खिलाड़ी पेले का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। मैच शुरू होने से पहले पेले और मेसी दोनों के नाम 21 योगदान (13 गोल, आठ असिस्ट) थे, लेकिन तीन गोल करने के बाद मेसी उनसे आगे निकल गए। जल्द ही 39 साल के होने वाले मेसी के नाम अब 24 योगदान (16 गोल और आठ असिस्ट) हो गए हैं।

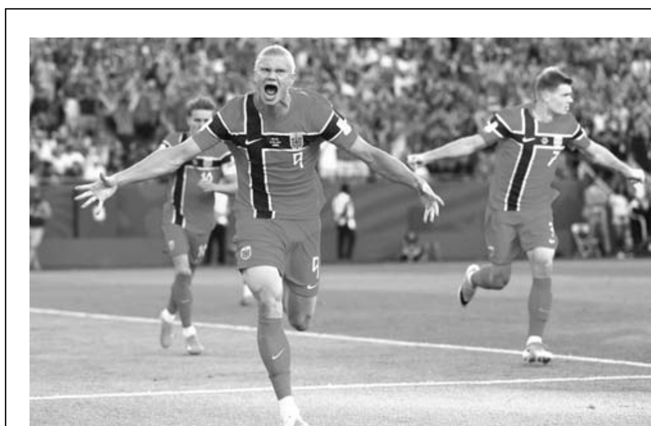

नॉर्वे ने इराक को 4-1 से हराकर की विजयी शुरुआत

बोस्टन, 17 जून। स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालांड के शानदार दो गोलों की बदौलत नॉर्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में मंगलवार को इराक को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। 28 वर्षों बाद विश्व कप में लौटी नॉर्वे की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पूरे अंक अपने नाम किए। मुकाबले में नॉर्वे ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई, जब हालांड ने पहला गोल दागकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इराक ने हार नहीं मानी और 39वें मिनट में अयमन हुसैन ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। लेकिन बराबरी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले इराक की रक्षा पंक्ति की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हालांड ने गलत बैकपास पर तेजी दिखाकर गेंद को जाल में पहुंचाया और नॉर्वे को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में नॉर्वे ने खेल पर पकड़ मजबूत बनाए रखी। 76वें मिनट में लियो ओस्टिगार्ड ने कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर टीम का तीसरा गोल किया। इसके बाद अतिरिक्त समय में इराक के खिलाड़ी अयमन के आत्मघाती गोल ने नॉर्वे की जीत पर मुहर लगा दी और मुकाबला 4-1 से समाप्त हुआ। इस जीत के साथ नॉर्वे ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर ग्रुप-आई में फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। वहीं इराक को अगले मुकाबले में वापसी के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

एम्बाप्पे के दो गोल की बदौलत फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया

न्यूयॉर्क, 17 जून। दो बार की विश्व चैंपियन फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। मंगलवार को खेले गए ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया, जिसमें स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। पहले हाफ में सेनेगल ने फ्रांस को कड़ी चुनौती दी और कई मौके भी बनाए, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। फ्रांस की टीम भी शुरुआती 45 मिनट में संघर्ष करती नजर आई। दूसरे हाफ में कोच दिदिए देशां की रणनीति काम आई। माइकल ओलीसे को दाएं विंग से बीच में लाने के बाद फ्रांस के आक्रमण में तेजी आई। इसका फायदा 66वें मिनट में मिला जब ओलीसे के शानदार पास पर एम्बाप्पे ने बॉक्स में दौड़ लगाते हुए गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद फ्रांस ने दबाव बनाए रखा और मैच के अंतिम चरण में ब्रैडली बारकोला ने दूसरा गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया। हालांकि अतिरिक्त समय में सेनेगल के लिए इब्राहिम एमबाये ने एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया, लेकिन फ्रांस की बढ़त ज्यादा देर तक खतरे में नहीं रही। मैच के 96वें मिनट में एम्बाप्पे ने लंबी दूरी से शानदार शॉट लगाकर अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दाग दिया। इस गोल के साथ एम्बाप्पे फ्रांस के सर्वकालिक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके नाम अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 58 गोल हो गए हैं। विश्व कप इतिहास में भी एम्बाप्पे ने नया मुकाम हासिल किया। उनके विश्व कप गोलों की संख्या 14 हो गई है और अब वह सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी मिरोस्लाव क्लोज़े (16 गोल) से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। एम्बाप्पे ने इस सूची में पेले, लियोनेल मेसी और जस्ट फोंटेन को पीछे छोड़ दिया है। फ्रांस अब अपने अगले मुकाबले में इराक से भिड़ेगा, जबकि उसके बाद उसका सामना एरलिंग हालांड की टीम नॉर्वे से होगा। वहीं सेनेगल को नॉकआउट दौर की उम्मीद बनाए रखने के लिए आगामी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत-ए ने अफगानिस्तान-ए को 101 रन से रौंदा, फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, 17 जून। भारत ए ने त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने अंतिम लीग मुकाबले में अफगानिस्तान ए को 101 रन से हराकर फाइनल में शानदार अंदाज में प्रवेश कर लिया। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की और खिताबी मुकाबले का टिकट पक्का कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ए ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 319 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से प्रियांश आर्य, कप्तान तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर 58 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। उनके साथ वैभव सूर्यवंशी ने 38 रन का योगदान देकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़कर मजबूत नींव रखी। मध्यक्रम में कप्तान तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 104 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया। तिलक ने 75 गेंदों पर 59 रन बनाए, जबकि कुशाग्र ने 67 गेंदों में 58 रन की उपयोगी पारी खेली। अंत में विपराज निगम ने 20 गेंदों पर 30 रन बनाकर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचाया। 320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान ए की शुरुआत सकारात्मक रही, लेकिन वह बड़ी साझेदारियां बनाने में नाकाम रही। कप्तान इमरान मीर ने 32 रन बनाए, जबकि फैसल शिनोजादा और बहिर शाह ने टीम को संभालने का प्रयास किया। दोनों के बीच 87 रन की साझेदारी हुई, जिससे मुकाबले में कुछ समय के लिए रोमांच बना रहा। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट हासिल कर अफगानिस्तान को वापसी का मौका नहीं दिया। बहिर शाह ने सर्वाधिक 57 रन बनाए, लेकिन उनके आउट होते ही अफगानिस्तान की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। भारत की ओर से निशांत सिंधु ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। यश ठाकुर ने दो विकेट हासिल किए। अफगानिस्तान ए की पूरी टीम 36.5 ओवर में 218 रन पर सिमट गई और भारत ए ने 101 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है, जबकि अफगानिस्तान ए के लिए अब फाइनल की राह बेहद कठिन हो गई है।

भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में धमाकेदार जीत, गिल और ईशान ने जड़े शतक

लखनऊ, 17 जून। टीम इंडिया ने बुधवार को दूसरे वनडे में अफगानिस्तान के परखच्चे उड़ा दिए। भारत ने लखनऊ के मैदान पर 170 रनों से दमदार जीत हासिल की। शुभमन गिल और ईशान किशन ने शतकीय बम फोड़े, जिससे भारत ने 403 रन का विशाल टारगेट दिया। जवाब में अफगानिस्तान टीम 44.3 ओवर में 232 रन ही जुटा सकी। दरविश रसूली (6) रिटायर्ड आउट हुए। अफगानिस्तान की ओर से सर्वाधिक रन रहमत शाह (89 गेंदों में 79, आठ चौके) ने बनाए। भारत के लिए गुरनूर बराड़ और अर्शदीप सिंह ने तीन-तीन शिकार किए।

डेब्यूटेंट प्रिंस यादव को दो सफलता मिली। वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट हासिल किया। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने सधी हुई शुरुआत की। रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने पहले विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी की। गुरनूर बराड़ ने आठवें ओवर में गुरबाज का शिकार किया। उन्होंने 33 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाए। अर्शदीप सिंह ने 14वें ओवर में इब्राहिम जादरान (31 गेंदों में 21) को पवेलियन भेजा। वॉशिंगटन सुंदर ने 24वें ओवर में सेदिकुल्लाह अटल (50 गेंदों में 42) को एलबीडब्ल्यू किया। उन्होंने रहमत शाह के संग तीसरे विकेट के लिए 47 रनों की साझेदारी की।

दरविश रसूली (6) रिटायर्ड हर्ट हो गए हैं। गुरनूर ने 26वें ओवर में कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी (4) को बोल्ड किया। डेब्यूटेंट प्रिंस यादव ने 31वें ओवर में नांगेयालिया खरोटी (6) को बोल्ड किया। राशिद खान (12), सलीम सफी (9) और अल्लाह गनजफर (1) सस्ते में लौटे। प्रिंस ने रहमत शाह को गुरनूर के हाथों लपकवाया और अफगानिस्तान की पारी को समेटा। इससे पहले, भारतीय टीम 49.5 ओवर में 402 पर सिमटी। शुभमन गिल और ईशान किशन ने अफगानी गेंदबाजों को कूटा। दोनों ने शतकीय पारी खेली। भारत ने आठवीं बार वनडे क्रिकेट में 400 रनों का आंकड़ा पार किया है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन व एडहॉक कमेटी के जयपुर, उदयपुर स्टेडियम निर्माण के प्रयासों को जिला संघों प्रतिनिधियों ने सराहा : डॉ. मोहित

जयपुर, 17 जून। डॉ मोहित जसवंत यादव, संयोजक आरसीए एडहॉक कमेटी ने बताया के हमारी एडहॉक कमेटी ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही राजस्थान की क्रिकेट को पुनः पटरी पर लाने, उच्च स्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर व सुविधाओं सहित सरल पारदर्शी खेल माहौल व समन्वय को विकसित करने के लिए हर स्तर पर सभी जिला संघोव खिलाडियों से समन्वय व उनके महत्वपूर्ण सुझावों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

संयोजक के अनुसार आज विभिन्न जिला क्रिकेट संघआरसीए एडहॉक कमेटी के साथ जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधि विमल शर्मा, सचिव, जैसलमेर जिला क्रिकेट संघ, देवाराम चौधरी, सचिव, बाड़मेर जिला क्रिकेट संघ, राजकुमार माथुर, सचिव, बूंदी जिला क्रिकेट संघ, धर्मवीर सिंह शेखावत, सचिव, पाली जिला क्रिकेट संघ, मनोज चौधरी, सचिव, उदयपुर जिला क्रिकेट संघ ने आरसीए ऑफिस, सवाईमान सिंह स्टेडियम मेंआरसीएएडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य आशीष तिवाड़ी, सुशील जैन से राज्य में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उच्च स्तर पर विकसित करने व युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतर क्रिकेट गतिविधियों के आयोजन व जयपुर, उदयपुर में आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तथा जोधपुर के बरकतउल्लाह खान स्टेडियम को आरसीए खेल गतिविधियों के अनुरूप जल्द से जल्द उपलब्ध करने के लिए गहन चर्चा की।

एडहॉक सदस्य आशीष तिवाड़ी के अनुसार जिला संघ प्रतिनिधयों ने आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के फॉर्मेट को बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं के फॉर्मेट के अनुसार आयोजित करने के निर्णय को सराहा व साथ ही इसे राज्य के युवा खिलाडियों को के अपने प्रदर्शन को हर फॉर्मेट के अनुसार प्रदर्शित करने का एक सुनहरा अवसर बताया।

एडहॉक कमेटी सदस्य सुशील जैन के अनुसार जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों ने मुलाकात के दौरान विशेष रूप से आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा जयपुर के निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीयक्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को जल्द से जल्द प्रगति पर लाने, उदयपुर में आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतु सहयोगियों से चर्चा के निर्माण को धरातल पर लाने के लिए किये जा रहे प्रयासों तथा जोधपुर के बरकतउल्लाह खान स्टेडियम मैदान व विकेट को आरसीए खेल गतिविधियों के अनुरूप जल्द से जल्द उपलब्ध करने के लिए किये गए कार्यों के लिए धन्यवाद दिया।

कबड्डी खिलाड़ियों का दमखम बढ़ा रहा आवासीय शिविर

जयपुर, 17 जून। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के 66वें केंद्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में कबड्डी की गूंज सुनाई दे रही है। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में चल रहे इस शिविर में प्रदेश के 15 बालक एवं 15 बालिका कबड्डी खिलाड़ियों को मैट पर तराशा जा रहा है। शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रो-कबड्डी के स्तर की फिटनेस, चपलता और मैच टेम्परामेंट से लैस करना है।

इस शिविर में अंडर-17 स्कूल नेशनल में रजत पदक जीत चुकीं तानिया गुर्जर, स्कूल नेशनल में राज्य का प्रतिनिधित्व कर चुकीं समिस्ता तथा जूनियर नेशनल की रजत पदक विजेता खुशबू जोशी विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। इनके साथ राज्य स्तर पर रजत पदक जीत चुकीं दिव्या, रिद्धिमा, तनु, नेहा, निचिता, निकिता, आयुषी व मोनिका सहित अन्य प्रतिभाएं भी मैट पर पसीना बहा रही हैं।

खिलाड़ी राज्य क्रीड़ा परिषद की अनुभवी कबड्डी प्रशिक्षका सरस्वती मुंडे के निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कोच सरस्वती ने बताया कि सुबह के सत्र में स्ट्रेंथ, एंड्योरेंस और एजिलिटी पर काम किया जाता है। वहीं शाम को बोनस लाइन क्रॉस, डू-ऑर-डाई रेड, चेन टैकल, एंकल होल्ड, डैश और ब्लॉक जैसी मैच सिचुएशन ड्रिल्स करवाई जाती हैं।

खिलाड़ी तानिया गुर्जर ने कहा, यहां हमें डिफेंस में पोजिशनिंग और रेड में फुटवर्क की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारने का मौका मिल रहा है। मैट पर रोजाना 6 घंटे के अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रशिक्षका सरस्वती मुंडे ने कहा कि सभी खिलाड़ियों का फिटनेस डाटा व स्किल चार्ट तैयार किया जा रहा है। शिविर के बाद प्रत्येक खिलाड़ी को व्यक्तिगत सुधार योजना दी जाएगी ताकि वे आगामी खेलो इंडिया, जूनियर नेशनल और सीनियर नेशनल के लिए बेहतर तैयारी कर सकें। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद का यह प्रयास ग्रामीण अंचल से आने वाली कबड्डी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच के लिए तैयार करने की दिशा में अहम कदम है। शिविर के समापन पर चयनित खिलाड़ियों का ट्रायल लेकर स्टेट कैंप के लिए कोर ग्रुप भी बनाया जाएगा।

हाफ-टाइम तक पुर्तगाल और कॉन्गो 1-1 की बराबरी पर, जोआओ नेव्स के बाद वीसा ने दागा गोल

हुआस्टन, 17 जून। पुर्तगाल और डीआर कॉन्गो के बीच मुकाबला शुरुआत से ही रोमांचक स्थिति में बना हुआ है। जोआओ नेव्स ने छठवें मिनट में ही हेडर के जरिए गोल दागकर पुर्तगाल को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। पुर्तगाल और कॉन्गो के बीच जारी मुकाबले में 24 मिनट का खेल पूरा हो चुका है और पहला हाइड्रेशन ब्रेक लिया गया है। पुर्तगाल ने छठवें मिनट में जोआओ नेव्स के गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना रखी है। हाफ-टाइम तक पुर्तगाल और कॉन्गो 1-1 की बराबरी पर हैं। मुकाबले की शुरुआत में पुर्तगाल के लिए छठवें मिनट में ही जोआओ नेव्स ने हेडर के जरिए गोल दागा। इसके बाद 45 प्लस 5 मिनट में योन वीसा ने हेडर के जरिए गोल दागकर कॉन्गो को 1-1 की बराबरी पर पहुंचा दिया। अब सभी की नजरें दूसरे हाफ पर होंगी।

मनीष के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीती द राजस्थान क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 17 जून। 16 समर कप में द राजस्थान क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.4 ओवर में 270 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं! मनीष ने 62, रवि कश्यप ने 55 और अमान ने 46 रनों का योगदान दिया! शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से मोहित कुमार, आसिफ पठान, अमित मीणा और अर्णव ने 2-2 विकेट लिए! लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट अकादमी 13 ओवर में मात्र 25 रन पर ही ऑल आउट हो गई! द राजस्थान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने 6 और राहुल मीणा ने 3 विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच मनीष को चुना गया!

राजस्थान स्टेट रेफरीज क्लिनिक का शुभारंभ

जयपुर, 17 जून। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में उदयपुर जिला हैंडबॉल एसोसिएशन की मेजबानी में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय रेफ़रीज़ क्लिनिक का आज भव्य शुभारंभ हुआ। 21 जून तक चलने वाले इस आवासीय क्लिनिक में प्रदेशभर से कुल 97 रेफ़री प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 16 महिला एवं 81 पुरुष रेफ़री शामिल हैं। क्लिनिक का उद्घाटन समारोह सीपीएस स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उदयपुर जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष वीरमदेव सिंह कृष्णावत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों से रेफ़रियों को नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय नियमों, मैच संचालन की तकनीकों एवं आधुनिक तकनीकी सहायता प्रणाली से अवगत कराया जाता है, जिससे खेलों का स्तर ऊंचा उठता है।

भारत ने नीदरलैंड को 95 रनों से हराया

नई दिल्ली, 17 जून। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने नीदरलैंड को 95 रनों से हरा दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 209 रन बनाए थे और 210 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में नीदरलैंड की टीम 17.3 ओवर में 114 रनों पर ही सिमट गई। टॉस गंवाकर बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 209 रन जुटाए। भारत ने महिला टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार 200 का आंकड़ा छुआ है। स्मृति मंधाना (74) और शेफाली वर्मा (55) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। दोनों ने 115 रनों की साझेदारी कर भारत को दमदार शुरुआत दिलाई। जेमिमा रोड्रिग्स ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 12 रनों का योगदान दिया। विकेटकीपर ऋचा घोष 20 और दीप्ति शर्मा 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। नीदरलैंड के लिए कैरोलीन डे लांगे ने दो जबकि मायर्थे वैन डेन राड, हीदर सीगर्स और आइरिस ज्विलिंग ने एक-एक विकेट हासिल किया।

मुख्यमंत्री ने उदयपुर में शहरी सेवा शिविर में पट्टे, प्रमाण पत्र, चैक वितरित किए

उन्होंने शिविर में उपस्थित लाभार्थियों से संवाद कर सरकार की योजनाओं का फीडबैक लिया

उदयपुर/जयपुर, 17 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उदयपुर में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उदयपुर विकास प्राधिकरण परिसर में आयोजित शिविर में उपस्थित लाभार्थियों से संवाद कर

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन से अपील की कि वे जरुरतमंद लोगों को शिविर में पहुँचाने में सहयोग करें, ताकि पात्र व्यक्ति को योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित हो।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उदयपुर में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायत प्रदान की।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शिविर के संबंध में फीडबैक लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सरकारी सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि आवश्यक जांच अथवा प्रक्रिया के कारण, अतिरिक्त समय की जरुरत वाले प्रकरणों के निस्तारण के लिए फॉलोअप शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने आमजन से आव्हान किया कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों को शिविरों तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि पात्र व्यक्ति योजनाओं और सेवाओं का लाभ ले सकें।

मुख्यमंत्री ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पट्टे, प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति एवं सहायता राशि के चेक तथा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी प्रदान किए।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, विधायक ताराचंद जैन, फूल सिंह मीणा, उदयलाल डांगी, श्रीचंद कृपलानी सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित थे।

यूपी में गैर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समुदायों पर केन्द्रित है, जो कई क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं- कुर्मी: 5.0 प्रतिशत, कुशवाहा: 4.6 प्रतिशत, राजभर: 4.0 प्रतिशत, प्रजापति: 3.9 प्रतिशत, पाल: 3.7 प्रतिशत, निषाद 10.25 प्रतिशत, विश्वकर्मा (लोहार): 3.3 प्रतिशत, चौहान: 2.2 प्रतिशत, बिंद: 1.9 प्रतिशत, अरकवंशी: 1.9 प्रतिशत,

2027 की लड़ाई कुछ खास क्षेत्रों में लड़ी जाएगी, जहां ये समुदाय निर्णायक प्रभाव रखते हैं: 1. पूर्वांचल: इसके मुख्य रणभूमि रहने की संभावना है। यहां राजभर, निषाद, कुशवाहा और मौर्य समुदायों की बड़ी आबादी है, जो चुनावी जीत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। 2. मध्य यूपी और अवध: लखनऊ, सीतापुर, हरदोई और उन्नाव जैसे जिलों में मौर्य और शाक्य समुदाय प्रभावशाली हैं। यहां समाजवादी पार्टी भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश करेगी। 3. पश्चिमी यूपी: गुर्जर, कश्यप और सैनी समुदायों के समर्थन के लिए मुकाबला तेज हो रहा है, खासकर किसानों से जुड़े सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों के कारण बदलती स्थानीय परिस्थितियों के चलते। 4. बुंदेलखंड: यहां लोधी समुदाय और अन्य स्थानीय ओबीसी समूह राजनीतिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार बने हुए हैं।

शंकाओं के बावजूद सफल रहा कोटा में राहुल गांधी का स्टूडेंट संवाद अभियान

यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि नीट की पुनः परीक्षा के कारण अधिक संख्या में स्टूडेंट नहीं आ पायेंगे

कोटा, 17 जून (निसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कोटा के दशहरा मैदान श्री राम रंगमंच से पेपर लीक मामले में छात्रों से संवाद अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान में उनका पहला संवाद कार्यक्रम कोटा में आयोजित किया गया।

ज्ञातव्य है कि कोटा मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं की

- **एक आशंका यह भी थी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के साथ निकट संबंध के कारण बड़े कोचिंग सैंटर इस आयोजन से दूरी रखेंगे।**
- **पर आयोजकों की मेहनत तथा राहुल गांधी की टीम की सक्रियता के कारण छात्रों, युवाओं ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कोटा के दशहरा मैदान से पेपर लीक मामले में छात्रों से संवाद अभियान की शुरुआत की हैं।

तैयारी का कोचिंग हब है और देश की संसद के स्पीकर ओम बिड़ला कोटा से ही सांसद हैं। राहुल गांधी के इस अभियान की घोषणा के साथ ही ज्यादातर लोगों के मन में यह शंका थी कि कोटा में उनका अभियान शायद उतना सफल न रहे, जितनी अपेक्षा की जा रही है। इसके पीछे कारण माना जा रहा था कि 21 जून को नीट का री-एग्ज़ाम है तो ज्यादातर स्टूडेंट इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखेंगे। एक शंका यह भी थी कि लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के कारण कोटा के बड़े कोचिंग इंस्टिट्यूट राहुल गांधी के इस आयोजन से दूरी बनाकर रखेंगे। पर कार्यक्रम स्थल पर इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले स्टूडेंट पर्याप्त संख्या में नजर आए। छात्रों में पेपर लीक को लेकर भारी रोष नज़र आया।

निर्धारित समय शाम 8 बजे राहुल गांधी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और उन्होंने मंच पर छात्रों से संवाद शुरू किया। राहुल गांधी ने एक छात्र से पूछा कि नीट और जेईई की तैयारी में आपका कितना पैसा खर्च हो जाता है। इस पर स्टूडेंट्स ने बताया कि 1 साल में करीब 4 लाख रुपए खर्च होता है, जिसके लिए हमारे परिवार को लोन तक लेना पड़ा है। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था सलेक्शन की नहीं, रिजेक्शन की व्यवस्था है। एजुकेशन सिस्टम पैसा कमाने का जरिया बन चुका है।

निर्धारित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरिद्वार में कुंभ 14 जनवरी 2027 से 20 अप्रैल 2027 तक कुंभ मेला आयोजित होगा। इसी कारण यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि चुनाव इस साल के अंत तक हो सकते हैं।

लेकिन सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव मूल समय-सारणी के अनुसार ही कराए जाएंगे।

पांच राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च से मई के बीच समाप्त होगा। मणिपुर का कार्यकाल 13 मार्च, गोवा का 14 मार्च, पंजाब का 16 मार्च, उत्तर प्रदेश का 22 मई और उत्तराखंड का 28 मई को समाप्त होगा।

सूत्रों ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम इस तरह तैयार किया जा सकता है कि उत्तराखंड में मतदान सबसे अंत में हो, ताकि कुंभ की व्यवस्थाओं में कोई बाधा न आए।

'शांति समझौते का मसौदा पसंद नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिर से पूरी तरह खुल जाएगा, लेकिन शिपिंग कंपनियाँ अभी भी सतर्क हैं और युद्धविराम की स्थिरता देखने के बाद ही, सामान्य संचालन शुरू करना चाहती हैं।

इस बीच, समझौते को लेकर होने वाली संभावित आलोचना से ध्यान हटाने के लिए ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर 2015 के परमाणु समझौते के दौरान ईरान को "रिश्वत" देने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ओबामा प्रशासन ने तेहरान को 1.7 अरब डॉलर नकद भेजे थे। ट्रम्प को डील की आलोचना की आशंका इसलिए है, क्योंकि इसमें कमोबेश वही बिन्दु हैं, जिन पर तेहरान, फरवरी में उस पर हुए यूएस-इज़रायल हमले से पहले, सहमत था।

फ्रांस में जी-7 सम्मेलन में बोले हुये, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वर्तमान वार्ताओं में ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है और उन्होंने ईरान के साथ संबंधों को संभालने के तरीके को लेकर ओबामा की आलोचना की। ट्रंप ने 2015 के ईरान परमाणु समझौते की आलोचना की तथा समझौते की हैन्डलिंग को लेकर ओबामा पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि वार्ता के दौरान ईरानी ओबामा का मजाक उड़ाते थे। ट्रंप के अनुसार, ईरानी उन्हें "बहुत मूर्ख व्यक्ति" कहते थे।

उधर, संयुक्त राष्ट्र में इज़रायल के राजदूत डैनी डैनन ने अस्तित्व में आ रहे अमेरिका-ईरान समझौते की आलोचना करते हुए, इसे इज़रायल, अमेरिका और खाड़ी देशों के लिए "बहुत खराब" बताया। चैनल 14 से बातचीत में उन्होंने कहा कि समझौ के इस फ्रेमवर्क से ईरान की स्थिति मजबूत हो सकती है, क्योंकि वॉशिंगटन बातचीत को जल्दी समाप्त करना चाहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है और यह केवल आगे की वार्ताओं के लिए एक रूपरेखा भर है।

बैन के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा, लेकिन उन्होंने नहीं किया। टेलीग्राम के एक चैनल को जब बंद किया जाता है तो दूसरा चैनल शुरु हो जाता है। क्यूआर कोड जारी होता है और उस पर भुगतान होता है।

पाक ने भारतीय विमानों पर हवाई प्रतिबंध बढ़ाया

कराची, 17 जून। पाकिस्तान ने भारतीय पंजीकृत विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध को 24 जुलाई तक बढ़ ा दिया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी (पीएए) ने मंगलवार को जारी नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के माध्यम से इसकी जानकारी दी। जारी सलाह के अनुसार, भारतीय नागरिक और सैन्य विमानों के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। नया प्रतिबंध 16 जून की शाम से प्रभावी होकर 24 जुलाई की सुबह तक लागू रहेगा।

तृणमूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आने वाले दिनों में समाजवादी पार्टी में भी इसी तरह की टूट हो सकती है। एनडीए के सहयोगी और नेता ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया है कि समाजवादी पार्टी में बड़ा विभाजन निकट है और कई सांसद तथा विधायक भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

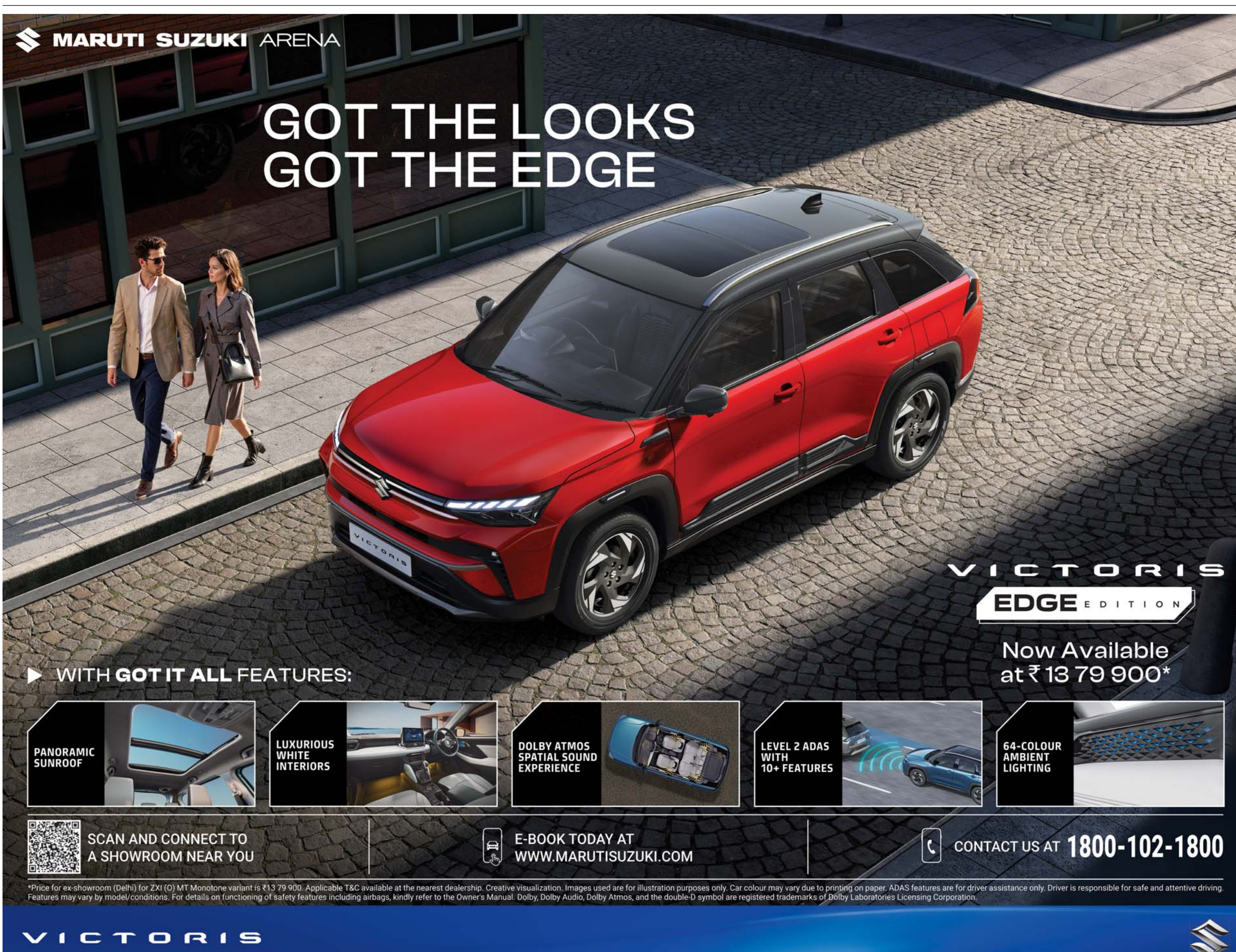

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908